राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 8 अंक : 648 पटना (झारखंड), मंगलवार 17 दिसंबर 2024 पेज - 12 मूल्य : 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

एक नजर

मंदिर का रास्ता अंधविश्वास पाखंड और मूर्खता की ओर ले जाता :विधायक फतेह बहादुर

संवाददाता द्वारा

रोहतासः रोहतास में डेहरी के राजद विधायक अपने विवादित बयानों को लेकर हमेशा चर्चा में बने रहते हैं. दअरसल, राजद के डेहरी के विधायक फतेह बहादुर सिंह ने एक बार फिर मंदिर को लेकर विवादित बयान दिया है. उन्होंने कहा कि मंदिर का रास्ता अंधविश्वास पाखंड तथा मूर्खता की ओर ले जाता है.

रोहतास में फ्खऊविधायक का विवादित बयानः दरअसल, डेहरी के देवरिया गांव में स्थित तकनीकी विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज समाज में दो रास्ते हैं. लोग बच्चे को मंदिर में भेजे या फिर स्कूल में, क्योंकि मंदिर अंधविश्वास, पाखंड और मूर्खता को बढ़ावा देने का काम करती है जबकि स्कूल हमें तर्कपूर्ण ज्ञान, वैज्ञानिकता और जीवन में बदलाव की ओर ले जाता है.

किसी हिंदू धर्मग्रन्थ में हिंदू नहीं कहा गयाः आरजेडी विधायक यही नहीं रुके उन्होंने कहा कि हमें अब चुनना है कि हमें अपने बच्चों को कहां भेजने की आवश्यकता है. यह मेरा कहना नहीं है बल्कि सावित्रीबाई फूले का कहना है और उन्हीं के कही बातों को वह लोगों के बीच रख रहे हैं. उन्होंने कहा कि हम बहुसंख्यकों को किसी हिंदू धर्मग्रन्थ में हिंदू नहीं कहा गया है. हमें शूद्र कहा गया है. उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों ने ब्राह्मणवाद की बात मानी उन्हें क्षत्रिय बना दिया.

₹आज समाज में दो रास्ते हैं, लोग बच्चे को मंदिर में भेजे या फिर स्कूल में, क्योंकि मंदिर अंधविश्वास, पाखंड और मूर्खता को बढ़ावा देने का काम करती है जबकि स्कूल हमें तर्कपूर्ण ज्ञान, वैज्ञानिकता और जीवन में बदलाव की ओर ले जाता है. हमें अब चुनना है कि हमें अपने बच्चों को कहां भेजने की आवश्यकता है.₹ -फतेह बहादुर सिंह, राजद विधायक, डेहरी, रोहतास

मां सरस्वती को लेकर दिया था विवादित बयानः उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने उनकी सेवा की. उन्हें वैश्य बना दिया और जिन लोगों ने इनकी बातों को नहीं माना. उन सभी को इन लोगों ने शूद्र बना दिया. जबकि मानव मानव एक समान है और प्रत्येक मानव में मनुष्यता सर्वोपरि होनी चाहिए. बता दें कि आरजेडी विधायक के बयान को लेकर खूब बवाल मचा था. उन्होंने खुद को महिसासुर का वंशज बताते हुए मां सरस्वती को लेकर विवादित बयान दिया था.

बीपीएससी परीक्षा पर आयोग के फैसले के बाद सामने आए खान सर

प्रतिनिधि द्वारा

पटनाः बीपीएससी परीक्षा रद्द करने को लेकर आयोग के फैसले और तीन कोचिंग संस्थानों पर बिहार पुलिस की जांच वाले बयान के बाद खान सर सामने आए हैं। उन्होंने बताया है कि परीक्षा के दिन क्या हुआ था, पुलिस ने क्या किया और वह अस्पताल कैसे पहुंचे?

शिक्षक और यूट्यूबर खान सर कई दिनों बाद मीडिया के सामने आए हैं। उन्होंने पटना पुलिस और बीपीएससी 70वीं परीक्षा के सवाल पर जवाब दिया है। सोमवार दोपहर उन्होंने कहा कि पटना पुलिस ने मेरे साथ किसी भी तरह का दुर्व्यवहार नहीं किया। मैं पिछले 1.5 महीने से बीमार था। मैंने सोचा कि बीपीएससी परीक्षा समाप्त होने के बाद उचित इलाज कराऊंगा। परीक्षा से पहले छात्र नॉर्मलाइजेशन के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। छात्र अपनी मांग को लेकर प्रदर्शन करने गए तो उनपर लाठीचार्ज किया गया। इसलिए मैं वहां गया। मैंने बीमार था।

बीजेपी केंद्रीय संगठन में बिहार के नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी मिलने का इंतजार

विशेष प्रतिनिधि द्वारा

पटनाः बिहार से बड़ी संख्या में सांसद देने के बावजूद बीजेपी के केंद्रीय संगठन में राज्य के नेताओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया है. बिहार बीजेपी की सशक्त भूमिका और राजनीतिक अहमियत के बावजूद, पिछले कई वर्षों से केंद्रीय टीम में महामंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर किसी नेता को शामिल नहीं किया गया. आनेवाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इस बार बिहार के नेताओं को केंद्रीय संगठन में जगह मिलने की उम्मीदें तेज हो गई हैं.बिहार को नहीं मिली जगहः लंबे अरसे से महामंत्री का पद बिहार के खाते में नहीं आया. जब जब केंद्र में भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनी है, तब तब बिहार भाजपा ने दर्जन भर से अधिक सांसद दिए हैं. केंद्रीय मंत्रिमंडल में तीन से चार नेताओं को जगह दी जाती है. प्रदेश मंत्री के तौर पर नेताओं को भाजपा की केंद्रीय टीम में जगह तो मिल जाती है लेकिन लंबे अरसे से महामंत्री का पद बिहार के खाते में नहीं आया है.₹बिहार से कई ऐसे नेता है जिन्हें दूसरे राज्यों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली हुई है. इन नेताओं ने बेहतर काम किए हैं और उसके नतीजे भी सामने आए हैं. केंद्रीय नेतृत्व ने भी इस बात को समझा है. हम लोग भी उम्मीद करते हैं कि बिहार से किसी नेता को केंद्रीय टीम में बतौर

महामंत्री जगह मिलेगी.₹- विनोद शर्मा, भाजपा प्रवक्ता

रवि शंकर रह चुके हैं महामंत्रीः पूर्व केंद्रीय मंत्री और वर्तमान सांसद रवि शंकर प्रसाद महामंत्री रह चुके हैं. नितिन गडकरी की टीम में रवि शंकर प्रसाद महामंत्री थे. उसके बाद से अब तक किसी नेता को बिहार से महामंत्री का पद नहीं मिला है. दिवंगत सुशील मोदी को केंद्रीय टीम में उपाध्यक्ष बनाया गया था, इसके अलावा राधा मोहन सिंह भी उपाध्यक्ष रह चुके हैं. फिलहाल, राष्ट्रीय मंत्री के रूप में ऋतुराज सिन्हा को राष्ट्रीय टीम में जगह मिली हुई है.

मंगल पांडे दौड़ में सबसे आगेः वर्तमान परिस्थितियों में बिहार भाजपा के कई ऐसे युवा नेता हैं, जिनको दूसरे राज्यों की जिम्मेदारी मिली हुई है. इनमें मंगल पांडे भी हैं. वे फिलहाल पश्चिम बंगाल के प्रभारी हैं और उनके नेतृत्व में दो लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं. मंगल पांडे को महामंत्री बनाए जाने की चर्चा है. राजनीतिक सूत्रों की मानें तो स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे का नाम सबसे आगे चल रहा है.

नितिन नवीन का भी नाम चर्चा मेंः नगर विकास मंत्री नितिन नवीन का नाम भी सुर्खियों में है. नितिन नवीन फिलहाल छत्तीसगढ़ के प्रभारी हैं. छत्तीसगढ़ में नितिन नवीन के कार्यकाल में सरकार बनी है. लोकसभा चुनाव में भी बेहतर नतीजे आए हैं. इससे पहले छत्तीसगढ़ में नितिन नवीन सह प्रभारी के रूप में भी काम कर चुके हैं. नितिन नवीन को भी युवा नेता होने के चलते महामंत्री पद की जिम्मेदारी दे सकती है.

पिछड़ा वर्ग में संजीव चौरसिया सबसे आगेः बिहार की राजनीति में पिछड़ा वर्ग महत्वपूर्ण है. ऐसे में संजीव चौरसिया को भी मौका दिया जा सकता है. दीघा के विधायक संजीव चौरसिया उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी हैं. संजीव चौरसिया के कार्यकाल में दो बार भाजपा की सरकार यूपी में बन चुकी है. लोकसभा चुनाव में भी बेहतर प्रदर्शन किया. पिछड़ी जाति से अगर किसी नेता को महामंत्री बनाया जाता है तो संजीव चौरसिया का नाम सबसे ऊपर होगा.

ये भी हैं दावेदारः भाजपा के विधान पार्षद देवेश कुमार को भी संगठन का अनुभव है. प्रदेश में महामंत्री रह चुके हैं. मिजोरम के प्रभारी हैं. इसके अलावा राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी संजय मयूख का नाम भी दावेदारों की सूची में शामिल है. संजय मयूख लंबे वक्त से दिल्ली की राजनीति में सक्रिय हैं और दिल्ली में मीडिया कोऑर्डिनेशन का काम देखते हैं. राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा को भी राष्ट्रीय टीम में जगह मिली हुई है. ऋतुराज को राज्यसभा नहीं भेजा गया इस वजह से पार्टी संगठन में उनका कद बढ़ा सकती है.

भाजपा के लिए क्यों महत्वपूर्ण है बिहारः वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक रवि उपाध्याय का मानना है कि केंद्र की सरकार में बिहार महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. कई राज्यों में बिहार के नेता शानदार काम कर रहे हैं, ऐसे में लंबे अरसे से महामंत्री पद को लेकर जो सूखा की स्थिति है वह खत्म हो सकती है. राज्य में जो प्रभारी के रूप में काम कर रहे हैं उन्हें महामंत्री की जिम्मेदारी मिल सकती है. रवि उपाध्याय का मानना है कि चूंकि बिहार से बड़ी संख्या में भाजपा को सांसद मिलता है तो अनदेखी नहीं की जा सकती.

₹बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाला है. ऐसे में वरिष्ठ नेता और विधान पार्षद नवल किशोर यादव भी तुरूप का पत्ता साबित हो सकते हैं. क्योंकि अबतक पार्टी की ओर से उनको कोई अहम जिम्मेदारी नहीं सौंपी गयी है. इन्हें लंबे अनुभव है. लंबे समय से विधान परिषद के सदस्य हैं तो हो सकता है कि महामंत्री के दौड़ में वो भी हों.₹-रवि उपाध्याय, राजनीतिक विश्लेषक

अपनी कुर्सी बचाने के लिए कानून में संशोधन करना कांग्रेस का असली संविधान विरोधी चेहरा : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली

भारतीय संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर लोकसभा में दो दिन हुई चर्चा के बाद सोमवार को राज्यसभा में संविधान के महत्व और विरासत पर दो दिवसीय चर्चा शुरू हुई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चर्चा की शुरूआत की, जबकि पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव 17 दिसंबर को इसका समापन करने वाले हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने राज्यसभा में कहा, हमारे संविधान के 75 साल पूरे होने के ऐतिहासिक मौके पर मुझे यह अवसर देने पर मैं बहुत सम्मानित और विनम्र महसूस करती हूं। मैं संविधान सभा के सभी 389 सदस्यों विशेष रूप से उन 15 महिलाओं को श्रद्धांजलि देकर शुरूआत करती हूं, जिन्होंने तीन साल से भी कम समय में भारत के संविधान को बहुत ही चुनौतीपूर्ण माहौल में तैयार करने की कठिन चुनौती का सामना किया। आज हमें इस बात पर बेहद गर्व है कि भारत का लोकतंत्र कैसे बढ़ रहा है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला ने कहा, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 50 से अधिक देश स्वतंत्र हो गए थे और उनका अपना संविधान था। लेकिन कई देशों ने अपने संविधान में बदलाव किया, न केवल संशोधन किया बल्कि अपने संविधान की पूरी विशेषता को ही पूरी तरह बदल दिया। लेकिन हमारा संविधान समय की कसौटी पर खरा उतरा है और निश्चित रूप से इसमें कई संशोधन हुए हैं। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान का कितना दुरुपयोग किया, इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि नेहरू विरोधी कविता के लिए मशहूर गीतकार मजरूह सुल्तानपुरी और अभिनेता बलराज साहनी को जेल जाना पड़ा था। न्यायपालिका को दबाने के लिए कांग्रेस ने संविधान में कई संशोधन किए। लेकिन आज जब कांग्रेस न्यायपालिका की स्वतंत्रता की बात करती है, तब हमें हंसी आती है। कैसे 100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। अपनी कुर्सी बचाने के लिए अदालत का फैसला आने से पहले कानून में संशोधन करना कांग्रेस का असली संविधान विरोधी चेहरा रहा है। एक विशेष परिवार को बचाने के लिए संविधान में कई बार संशोधन हुआ है। कांग्रेस ने नियमों का उल्लंघन कर कानून बदला और लोकसभा का कार्यकाल 6 साल कर दिया। तब पूरे विपक्ष को जेल में डाला गया था। इसके बाद यह सब बदलाव हुआ। एक लोकतांत्रिक देश में इस घटनाओं को जायज नहीं ठहराया जा सकता। वित्त मंत्री ने कहा कि इस देश के पहले प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार पर प्रेस की निगरानी की निंदा की, जबकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से प्रेस की स्वतंत्रता की प्रशंसा की। इसमें कोई संदेह नहीं है। संविधान को अपनाने के एक साल के भीतर ही कांग्रेस द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने के लिए पहला संवैधानिक संशोधन लाया गया। वहीं कांग्रेस ने मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता पाने के उनके अधिकार से वंचित किया। उन्होंने कहा कि साल 1950 में सुप्रीम कोर्ट ने कम्युनिस्ट पत्रिका क्रॉस रोड्स और आरएसएस की पत्रिका ऑर्गनाइजर के पक्ष में फैसला सुनाया था,

बीपीएससी 70वीं प्राथमिक परीक्षा को लेकर आया बड़ा फैसला; एक केंद्र की परीक्षा रद्द की गई

संवाददाता द्वारा

पटना :बिहार लोक सेवा आयोग ने बीपीएसीसी 70वीं की प्राथमिक परीक्षा को लेकर सोमवार को एक अहम फैसला लिया। देशभर के परीक्षार्थियों की निगाहें इस फैसले पर टिकी थी। फैसले की जानकारी से पहले आयोग अध्यक्ष परमार रवि मनु भाई ने कहा कि 911 सेंटर के चार लाख 75 हजार अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा आम तौर पर शांतिपूर्व माहौल में संपन्न हुई। उन्होंने पूरी परीक्षा के दौरान पेपर लीक की बातों को खारिज करते हुए साफ कहा कि पूरी परीक्षा कैंसिल नहीं होगी, लेकिन एक केंद्र पर दोबारा परीक्षा ली जाएगी। दोबारा परीक्षा लेकर भी एक साथ ही परिणाम जारी किया जाएगा।

बीपीएससी अध्यक्ष परमार रवि मनु भाई ने कहा कि बापू परीक्षा परिसर में हुई गड़बड़ी को लेकर पटना जिला प्रशासन से रिपोर्ट मांगी गई थी। इसी आधार पर पूरी परीक्षा को कैंसिल कराने की मांग उठ रही थी।आयोग की आईटी सेल भी जांच कर रही है। जिन्होंने परीक्षा बाधित करने की कोशिश करते हुए आईटी नियम का उल्लंघन किया, उनपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए पटना एसएसपी के नेतृत्व में टीम का भी गठन किया गया है। परीक्षा कैंसिल करने सवाल पर बीपीएससी अध्यक्ष ने कहा कि बापू परीक्षा परिसर में कुछ उपद्रवी तत्वों ने परीक्षा बाधित करने की कोशिश की। यूपीएससी के नियम अनुसार, अगर किसी कारण से कुछ देर के लिए परीक्षा बाधित हुई है तो उतने देर का अतिरिक्त समय दिया जाए।

बापू परीक्षा परिसर के जिस कक्ष में प्रश्न पत्र देर से पहुंचा, वहां अतिरिक्त समय देने की बात थी। लेकिन, करीब एक बजे से सवा एक बजे तक उपद्रवी तत्वों ने परीक्षा बाधित की।

उनका प्रश्न पत्र उड़ा दिया। अफवाह फैलाई। कई बच्चों ने ईमेल के जरिए इसकी शिकायत की। बीपीएससी को अंत तक यह भी देखने को मिला कि कुछ शरारती तत्व परीक्षा केंद्र के अन्दर मोबाइल से वीडियो भी बना रहे थे। वह कैसे मोबाइल लेकर घुसे, यह भी जांच का विषय है। इन सभी के कारण जितने भी अभ्यर्थी परीक्षा नहीं दे पाए, उनके प्रति भी आयोग की सहानुभूति है। केंद्राधीक्षक की रिपोर्ट को देखते हुए बापू परीक्षा परिसर की पूरी परीक्षा को रद्द कर दिया है। आयोग जल्द नई परीक्षा की तिथि की घोषणा करेगा। इस केंद्र पर करीब 12 हजार परीक्षार्थियों का सेंटर था। उनमें से 68 प्रतिशत पहुंचे थे।

बीपीएससी अध्यक्ष ने कहा कि बापू परीक्षा परिसर में रद्द की गई परीक्षा जल्द ही ली जाएगी। इस रिजल्ट का प्रकाशन एक साथ किया जाएगा। अध्यक्ष ने कहा कि आयोग ने केंद्राधीक्षक की रिपोर्ट, जिला प्रशासन की रिपोर्ट, आयोग के आईटी सेल की रिपोर्ट और मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह कार्रवाई की है। बीपीएससी अध्यक्ष ने कहा कि 912 सेंटर में से केवल एक सेंटर को छोड़कर कहीं प्रश्न पत्र देर से नहीं पहुंचा। बापू परीक्षा केंद्र के दोनों ब्लॉक में कुल 12 हजार बच्चे थे। इसमें से एक कक्ष में हंगामा हुआ। कुछ उपद्रवियों ने परीक्षा बाधित की। आयोग ने अबतक 25 लोगों को चिह्नित किया है। अध्यक्ष ने कहा कि एक कक्ष में 273 अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था का मामला भी जांच के दायरे में है, दोषियों पर कार्रवाई होगी।

बांग्लादेश की आजादी में जेपी ने निभाई थी 'चाणक्य' की भूमिका

विशेष संवाददाता द्वारा

पटनाः 16 दिसंबर 1971 को अस्तित्व में आए बांग्लादेश ने आजादी के 52 साल पूरे कर लिए हैं. इस ऐतिहासिक दिन ने भारतीय उपमहाद्वीप का भूगोल बदला और एक नई पहचान दी. लेकिन आज, बांग्लादेश एक बार फिर राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक चुनौतियों और लोकतांत्रिक मूल्यों पर बढ़ते संकट का सामना कर रहा है. लेकिन, क्या आप जानते हैं कि बांग्लादेश को स्वतंत्र देश के रूप में स्थापित करने में लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 'चाणक्य' वाली भूमिका रही थी.जेपी और इंदिरा में नहीं थे मतभेदः आमतौर पर यह माना जाता है कि इंदिरा गांधी और जयप्रकाश नारायण के बीच टकराव था. लेकिन यह भी सत्य है कि 1966 से लेकर 1974 तक दोनों के बीच अच्छे रिश्ते थे. जयप्रकाश नारायण आवश्यक मुद्दों पर इंदिरा गांधी का सहयोग करते थे. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जयप्रकाश नारायण राष्ट्रीय हितों का ख्याल रखते थे. बांग्लादेश संकट के समय इंदिरा गांधी ने जयप्रकाश नारायण से सहयोग मांगा था और जेपी ने भारत सरकार की मदद की थी.

क्या कहते हैं जेपी को जाननेवालेः समाजवादी चिंतक और लेखक राघव शरण शर्मा बताते हैं कि पश्चिमी पाकिस्तान के लोग बांग्लादेश के लोगों पर अत्याचार करने लगे थे. पाकिस्तान सेना ने जुल्म ढाना शुरू कर दिया. बांग्लादेशियों पर उर्दू भाषा थोपी जाने लगी, तब जाकर वहां विद्रोह जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई. शेख मुजीबुर्रहमान ने विद्रोह का नेतृत्व किया. तब जेपी ने इंदिरा गांधी से कहा था कि बीपी कोइराला के पास जो 1100 राइफल है वह बांग्लादेश पहुंचा दीजिए. जब काम हो जाए तो फिर से वापस बीपी कोइराला को लौटा देंगे.

तब दोहरी भूमिका में थे जेपीः राघव शरण बताते हैं कि इस बीच नेपाल के राजा से इंदिरा गांधी के संबंध अच्छे हो गये. बकौल राघव शरण तब इंदिरा गांधी ने राइफल लौटने से मना कर दिया. जिसके चलते इंदिरा गांधी और जेपी के बीच विवाद हो गया. राघव शरण बताते हैं कि ₹इंदिरा गांधी ने जयप्रकाश नारायण को पूरा धन दिया जिससे वो विदेश में जाकर भारत के पक्ष में माहौल तैयार किया.₹ जयप्रकाश नारायण ने विश्व जनमत को भारत के अनुकूल करने में उसे दौर में कड़ी मेहनत की थी. भारत की ओर से जयप्रकाश नारायण को विशेष दूत बनाकर भेजा गया था.जेपी ने 16 देशों की यात्रा की थीः 1971 के गर्मी के महीने में जयप्रकाश नारायण ने 6 हफ्तों तक 16 देश की यात्रा की और भारत के पक्ष में माहौल बनाया. जयप्रकाश नारायण ने सोवियत संघ का दौरा किया और उन्हें समझाया कि भारत और सोवियत संघ की मैत्री कितनी महत्वपूर्ण है. जीपी के दौरे का नतीजा रहा कि सोवियत संघ मजबूती से भारत के साथ खड़ा हुआ.

सुनील पाण्डेय के विधायक बेटे ने मीटिंग में रखी अपनी तो डीएम और डिप्टी सीएम को भी सुननी पड़ी

विशेष संवाददाता द्वारा

आराः भोजपुर जिले के विकास को लेकर योजनाओं की समीक्षा बैठक की गई। इसमें डिप्टी सीएम और जिले के प्रभारी मंत्री विजय सिन्हा भी शामिल हुए, वो इस मीटिंग की अध्यक्षता भी कर रहे थे। इस मीटिंग में विधायक विशाल प्रशांत भी मौजूद थे। कभी बाहुबली रहे सुनील पाण्डेय के बेटे विशाल प्रशांत ने तरारी उपचुनाव में बीजेपी से जीत दर्ज की है। बिल्कुल नौजवान हैं और पहली बार विधायक बने हैं। मीटिंग के दौरान वो अपने इलाके के गांवों में किसी डेवेलपमेंट प्रोजेक्ट को लेकर डीएम तनय सुल्तानिया से आग्युमेंट (तर्क) करने लगे। पहली बार विधायक बने विशाल प्रशांत की पहली आधिकारिक सरकारी मीटिंग थी, तो क्अर के करियर में पहली बार तनय सुल्तानिया को किसी जिले का उ्ट बनाया गया है। दोनों में तर्क-वितर्क को देखकर डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने विशाल प्रशांत की बातों को सुना। फिर अफसरों से कहा कि इनकी मांगों को ध्यान में रखकर उसका समाधान किया जाए। इसके बाद विशाल प्रशांत ने सबको थैंक्यू कहा।

आरा के समाहरणालय सभागार में हुई इस

बैठक में टछउ राधा चरण साह, बड़हरा टछअ राघवेंद्र प्रताप सिंह, आरा टछअ अमरेंद्र प्रताप सिंह, जगदीशपुर टछअ राम विष्णु सिंह, तरारी टछअ विशाल प्रशांत, अगिआंव टछअ शिव प्रकाश रंजन, संदेश टछअ किरण देवी, जिला परिषद अध्यक्ष, जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया, पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज, उप विकास आयुक्त अनुपमा सिंह, नगर आयुक्त, नगर निगम और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना और मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के तहत चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य नगर निकायों के उन पथों को राष्ट्रीय राजमार्ग या पथ निर्माण विभाग के प्रमुख सड़कों से लिंक सड़कों के रूप में जोड़ना है, जो जन उपयोगी हो। अधिक आबादी को लाभान्वित करने वाली सड़कों को प्राथमिकता देना है। सड़कों का चयन करते समय पर्यटन स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

इसके अलावा, सड़क जाम की समस्या का समाधान करते हुए यातायात के बढ़ते दबाव को कम करना और यातायात संचालन को सुगम बनाना भी इस योजना का उद्देश्य है। सड़कों के बीच डिवाइडर के साथ अंडरग्राउंड केबलिंग, स्ट्रीट लाइटिंग, मास्क लाइट का प्रावधान और जल निकासी के लिए नालियों का निर्माण भी किया जाएगा। समीक्षा के दौरान संचालन समिति के सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों में आने वाली समस्याओं को साझा किया।

इस मीटिंग में डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा कि अब तक प्राप्त योजनाओं में उपयोगिता के आधार पर प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने जिला पदाधिकारी और नगर निगम से कहा कि योजनाओं के चयन के समय नालों की सफाई और शहर में व्याप्त गंदगी के निपटारे को ध्यान में रखा जाए। उन्होंने ये भी बताया कि मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना में प्राथमिकता निर्धारण में छोटी योजनाओं और उनकी उपयोगिता दोनों को महत्व दिया जाए। मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के अंतर्गत योजना स्थल का निरीक्षण करके रिपोर्ट तैयार की जाए। योजनाओं का चयन करते समय मापदंडों को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकताओं के आधार पर योजनाओं का निर्धारण किया जाए। बैठक के बाद एक सप्ताह के भीतर सभी सदस्यों को प्रोसिडिंग उपलब्ध कराई जाए।

बापू सेंटर पर हुई परीक्षा रद्द, BPSC का बड़ा फैसला, यहां उ्ट ने अभ्यर्थी को मारा था थप्पड़

विशेष प्रतिनिधि द्वारा

पटना : बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं प्रीलिम्स परीक्षा में पटना के कुम्हार स्थित बापू परीक्षा परिसर की परीक्षा कैंसिल हो गई है. आयोग के अध्यक्ष परमार रवि मनु भाई ने इसकी जानकारी सोमवार को दी. उन्होंने बताया कि 13 दिसंबर को प्रदेश के 912 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई जिसमें 911 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न हुई.

बीपीएससी की एक परीक्षा केन्द्र की परीक्षा रद्द : एक परीक्षा केंद्र जो बापू परीक्षा परिसर में आयोजित हुई, वहां व्यवधान उत्पन्न हो गई. कुछ उपद्रवी तत्वों ने सुनियोजित तरीके से परीक्षा का माहौल खराब करने का कोशिश किया. इसके कारण कई निर्दोष अभ्यर्थी परीक्षा से वंचित हो गया अथवा हंगामा का माहौल उत्पन्न होने के बाद कई अभ्यर्थियों ने कदाचार का सहारा लिया. ऐसे में इस परीक्षा केंद्र के परीक्षा को आयोग ने रद्द करने का फैसला लिया है.

'उपद्रवी अभ्यर्थी आयोग की परीक्षाओं से होंगे वंचित' : परमार रवि मनु भाई ने बताया कि जिन लोगों ने अभ्यर्थी बैंक परीक्षा हॉल में प्रवेश किया और सुनियोजित तरीके से परीक्षा का माहौल खराब करने का कोशिश किया उनकी जांच की जा रही है. सरकार की विभिन्न एजेंसियां उनकी पहचान में जुटी हुई है. अब तक लगभग 25 की पहचान उजागर हो चुकी है और अन्य की पहचान जारी है."जिन अभ्यर्थियों ने परीक्षा का प्रश्न पत्र लूटा था, जो प्रश्न पत्र के पैकेट को बाहर गेट पर लहरा रहे थे, जो अभ्यर्थी अन्य कक्षाओं में जाकर परीक्षा को बाधित करने का प्रयास किया, सभी घटनाएं सीसीटीवी में रिकॉर्ड है. ऐसे अभ्यर्थियों की पहचान करके इन्हें आयोग की परीक्षाओं से भविष्य के लिए वंचित कर दिया जाएगा. पहचान उजागर होने से पहले अगर वह दोबारा आयोजित होने वाली परीक्षा में बैठने भी हैं तो पहचान उजागर होने के बाद उनका रिजल्ट प्रकाशित नहीं किया जाएगा."- परमार रवि मनु भाई, अध्यक्ष, बीपीएससीरिजल्ट प्रकाशित करने में नहीं प्रयोग होगा नॉर्मलाइजेशन : परमार रवि मनु भाई ने बताया कि 20 दिसंबर के बाद इस परीक्षा को दोबारा आयोजन करने के संबंध में निर्णय लिया जाएगा.

संभल: नफरती मीडिया और प्रशासन ने मंदिर पर कब्जे की झूठी कहानी फैलाई

इस मंदिर को बनवाने वाले रस्तोगी परिवार के धर्मेंद्र रस्तोगी ने सभी झूठे दावों से साफ इनकार करते हुए कहा कि मंदिर 2006 तक खुला था। वहां मुसलमानों या किसी का कोई डर नहीं था। मंदिर की चाबी रस्तोगी परिवार के पास थी, मंदिर के आसपास कोई अतिक्रमण नहीं था। मंदिर के बगल वाला कमरा भी उन्हीं के द्वारा बनवाया गया था। धर्मेंद्र रस्तोगी और उनके बेटे ने कहा कि स्थानीय मुसलमानों से कभी डर नहीं था। उन्होंने मंदिर के बगल में 'अतिक्रमण' के बारे में एक और फर्जी खबर का भी खंडन किया, कहा कि मंदिर वैसा ही है, कोई अतिक्रमण नहीं है। मंदिर के बगल वाला कमरा उन्होंने 2006 में उनके जाने से पहले बनवाया था। एक अन्य स्थानीय, प्रदीप वर्मा ने कहा कि वो 1993 तक उसी गली में रहे। जब वे कभी-कभार इलाके में आते थे, तो वे नियमित रूप से पूजा करते थे और मंदिर की चाबियाँ रस्तोगी परिवार के पास रहती थीं। वह आगे कहते हैं वो पूजा करके चले जाते थे, यहां रुकते नहीं थे।

ब्यूरो

मीडिया में एक कहानी शुक्रवार को आग की तरह फैली। संभल प्रशासन ने दावा किया कि शहर में सांप्रदायिक दंगों के बाद 1978 से बंद एक मंदिर को शुक्रवार को फिर से खोल दिया। अधिकारियों ने दावा किया कि शाही जामा मस्जिद से कुछ ही दूरी पर स्थित मंदिर को अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान अधिकारियों की नजर पड़ने के बाद खोला गया। भस्म शंकर मंदिर में हनुमान मूर्ति और एक शिवलिंग है। यहां की एसडीएम वंदना मिश्रा ने दावा किया कि इलाके का निरीक्षण करते समय, हमारी नजर इस मंदिर पर पड़ी। इस पर ध्यान देने पर, मैंने तुरंत जिला अधिकारियों को सूचित किया। वंदना ने कहा, हम सभी एक साथ यहां आए और मंदिर को फिर से खोलने का फैसला किया। एसडीएम के इस बयान को कुछ टीवी चैनलों, एएनआई न्यूज एजेंसी और हिन्दू मीडिया में बदल चुके हिन्दी मीडिया ने इसे फौरन हिन्दू-मुसलमानों के बीच विवाद के रूप में पेश कर दिया। एबीपी चैनल के एक रिपोर्टर ने मौके पर जाकर जब पड़ताल की तो सारी कहानी सामने आई गई। एबीपी रिपोर्टर ने एक काम यह अच्छा किया कि उसने इस मंदिर को बननवाने वाले रस्तोगी परिवार के हर आयु वर्ग के लोगों से बात की और सभी ने एक ही जैसे तथ्य बताये। जिन चैनलों और न्यूज एजेंसी ने योगी सरकार के प्रशासन के साथ मिलकर संभल के इस मंदिर को लेकर जो फर्जी तथ्य फैलाये, क्या वो अब माफी मांगेंगे। इस मंदिर को बनवाने वाले रस्तोगी परिवार के धर्मेंद्र रस्तोगी ने सभी झूठे दावों से साफ इनकार करते हुए कहा कि मंदिर 2006 तक खुला था। वहां मुसलमानों या किसी का कोई डर नहीं था। मंदिर की चाबी रस्तोगी परिवार के पास थी, मंदिर के आसपास कोई अतिक्रमण नहीं था। मंदिर के बगल वाला कमरा भी उन्हीं के द्वारा बनवाया गया था। धर्मेंद्र रस्तोगी और उनके बेटे ने कहा कि स्थानीय मुसलमानों से कभी डर नहीं था। उन्होंने मंदिर के बगल में 'अतिक्रमण' के बारे में एक और फर्जी खबर का भी खंडन किया, कहा कि मंदिर वैसा ही है, कोई अतिक्रमण नहीं है। मंदिर के बगल वाला कमरा उन्होंने 2006 में उनके जाने से पहले बनवाया था। एक अन्य स्थानीय, प्रदीप वर्मा ने कहा कि वो 1993 तक उसी गली में रहे। जब वे कभी-कभार इलाके में आते थे, तो वे नियमित रूप से पूजा करते थे और मंदिर की चाबियाँ रस्तोगी परिवार के पास रहती थीं। वह आगे कहते हैं वो पूजा करके चले जाते थे, यहां रुकते नहीं थे। रस्तोगी परिवार की इन बुजुर्ग को भी सुनिए। उनकी बात से मीडिया की फर्जी कहानी का जबरदस्त खंडन हो रहा है। एबीपी न्यूज के मुताबिक मोहम्मद सलमान उसी गली के रहने वाले हैं, उनका कहना है कि मंदिर की चाबियां उनके पड़ोसी मोहन रस्तोगी के पास थीं। यह भी दावा है कि इलाके के मुसलमान मंदिर के बाहरी हिस्से की पेंटिंग करके मंदिर की देखभाल करते थे, मंदिर के बगल में कमरा (गोदाम) रस्तोगी परिवार द्वारा बनाया गया था। उसी गली के एक अन्य स्थानीय शारिक कहते हैं, समाचार चैनल डर के कारण अतिक्रमण और हिंदू पलायन के बारे में फर्जी खबरें चला रहे हैं। कहते हैं, मोहल्ले में हर किसी को खबर

थी कि यह मंदिर है। सभी हिंदुओं से अपील है कि वे प्रतिदिन नियमित रूप से मंदिर आएं। एक और स्थानीय, मोहम्मद शुएब ने कहा कि तमाम न्यूज़ चैनल एक फेक नैरेटिव बना रहे हैं। 1998-2006 के बीच निजी कारणों से लोगों ने इलाका छोड़ना शुरू कर दिया। 1976 के दंगों के बाद नहीं, जैसा दावा किया गया था। पंडित जी के बेटे भोला किशन, उदित रस्तोगी सभी दोस्त थे जो साथ खेलते थे। शुएब आगे कहते हैं, जब प्रशासन ने मंदिर की चाबियां मांगी तो रस्तोगी परिवार ने ही चाबियां दीं। जब पत्रकारों ने पूछा कि आपने अतिक्रमण क्यों नहीं रोका, तो उन्होंने जवाब दिया, यह कमरा रस्तोगी परिवार द्वारा पूजा के लिए बनाया गया था जिसे बाद में उनके अपने परिवार द्वारा गौदान के रूप में इस्तेमाल किया गया था। धर्मेंद्र रस्तोगी ने दोहराया कि मंदिर पर कोई अतिक्रमण नहीं हुआ है. मंदिर के बगल की चहारदीवारी और कमरा उनके परिवार द्वारा बनवाया गया था। चाबियाँ हमेशा रस्तोगी समाज के पास रहती थीं जो उन्होंने पुलिस को दे दी थीं। जगह को सुरक्षित करने के लिए रस्तोगी ने चहारदीवारी बनवाई थी। आल्ट न्यूज के संस्थापक सह संपादक जुबैर अहमद जो पेशेवर फैक्ट चेकर हैं, ने बताया कि झूठी कहानी को आगे बढ़ाने में एएनआई की बहुत बड़ी भूमिका है। ट्वीट्स की संख्या देखें- उन्होंने 'मंदिर खोजा गया', 'मंदिर 4 दशकों से बंद था', 'अतिक्रमण किया गया था', '1978 के बाद फिर से खोला गया' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया है। यह सब केयर टेकर (रस्तोगी परिवार) और स्थानीय मुसलमानों ने खारिज कर दिया है। बता दें कि संभल में 24 नवंबर को जबरदस्त हिंसा हुई थी। जिसमें 4 मुस्लिम युवक मारे गये थे। पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई की थी। पुलिस का कहना है कि मुस्लिमों की दो गुटों में आपसी लड़ाई में गोलियां चली थीं। जबकि पूरी दुनिया ने देखा कि शाही मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा और उत्तेजना किसने फैलाई और कैसे पुलिस ने दखल दिया। एएनआई पर ऐसा आरोप पहली बार नहीं लगा है। देश में एएनआई मोदी सरकार की तरफ झुकाव के लिए बदनाम हो चुकी है। लेकिन अपराध की खबर देते समय भी उसका पूर्वाग्रह बरकरार रहता है। आरोपी अगर समुदाय विशेष का होगा तो एएनआई उसका नाम तलाश कर जरूर देती है। लेकिन आरोपी अगर बहुसंख्यक समुदाय से है, और उनमें भी तथाकथित उच्च वर्ग से है तो वो आरोपी का नाम छिपा लेती है। उसके ऊपर आरोप है कि वो अक्सर नेता विपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य नेताओं के बयान तोड़ मरोड़ कर पेश करती है। अभी हाल ही में उसने कांग्रेस और आप के बीच सीट बंटवारे की कहानी चलाई तो आप प्रमुख केजरीवाल ने उसका फौरन ही खंडन कर दिया।

बिहार में कांग्रेस खेलना चाहती है '2020' तेजस्वी यादव को टेंशन दे रहे लालू के 'सिपाही'

रमाकांत चंदन

पटना : बिहार में 2025 के विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। कांग्रेस और आरजेडी के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर रस्साकशी शुरू हो गई है। कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। पार्टी अपना संगठन मजबूत कर रही है, खासकर सेवा दल को। कांग्रेस यह दिखाना चाहती है कि वो बूथ स्तर पर भी मजबूत है। पिछले चुनाव में कमजोर प्रदर्शन के बाद कांग्रेस इस बार बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है। 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों से उत्साहित कांग्रेस अब बिहार विधानसभा चुनाव में जोरदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है। कांग्रेस अब महागठबंधन में एक कमजोर सहयोगी के रूप में नहीं, बल्कि एक मज़बूत दावेदार के रूप में देखी जा रही है। पार्टी नेतृत्व यह सुनिश्चित करना चाहता है कि राजद को यह कहने का मौका न मिले कि कांग्रेस का जमीनी स्तर पर कोई संगठन नहीं है। इसलिए कांग्रेस अपने संगठन को, खासकर सेवा दल को मजबूत करने पर सबसे अधिक ध्यान दे रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। आरजेडी ने 144 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 75 सीटें जीती थीं। वहीं, कांग्रेस 70 सीटों पर लड़ी थी और केवल 19 सीटें ही जीत पाई थी। वाम दलों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया था। इससे राजनीतिक गलियारों में चर्चा होने लगी थी कि अगर आरजेडी ने कांग्रेस की बजाय वाम दलों को अधिक सीटें दी होती, तो शायद महागठबंधन सरकार बना लेता। यही कारण है कि कांग्रेस इस बार पहले से ही अपनी दावेदारी पेश कर रही है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने चुनाव से पहले ही अपनी रणनीति साफ कर दी है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस इस बार 70 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ेगी। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि महागठबंधन के सभी दल आपसी सहमति से सीटों का बंटवारा करेंगे। कांग्रेस बूथ स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए सेवा दल पर विशेष ध्यान दे रही है। अखिलेश सिंह ने सेवा दल को कांग्रेस का आंख-कान बताया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह सेवा दल के कार्यकर्ता आपदा के समय लोगों की मदद करते हैं, उसी तरह उन्हें चुनाव के दौरान भी जनता के बीच जाकर कांग्रेस की नीतियों को समझाना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने युवा ब्रिगेड, महिला मोर्चा, सेवा दल और अन्य प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों को भी चुनावी तैयारी में जुट जाने का निर्देश दिया है। सेवा दल के सदस्यों को विधानसभा स्तर पर नायक और बूथ स्तर पर प्रभारी नियुक्त किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने सेवा दल के पदाधिकारियों से कहा है कि वे कमज़ोर बूथों की पहचान करें और वहां कांग्रेस की स्थिति का आकलन करके रिपोर्ट दें। इस तरह, कांग्रेस 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी में पूरी तरह जुट गई है। पार्टी नेतृत्व आश्वस्त है कि इस बार कांग्रेस का प्रदर्शन पिछले चुनाव से बेहतर होगा।

झारखंड में एक अनोखा अनुभव, 'डंडा' पहाड़ पर जिंदगी में नया 'उड़ान' भरें

रांची : रांची के पास डंडा पहाड़ पर अब पैराग्लाइडिंग का रोमांच मिल रहा है। यह जगह झारखंड में है और पर्यटकों के लिए नया आकर्षण बन रही है। पहले नक्सल प्रभावित माना जाने वाला यह इलाका अब साहसिक खेलों का केंद्र बनता जा रहा है। यहाँ आने वाले लोग प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ आदिवासी संस्कृति का भी अनुभव कर सकते हैं। स्थानीय बच्चों में भी पैराग्लाइडिंग को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। इस गतिविधि से पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

डंडा पहाड़, जो रांची से केवल 20 किमी दूर है, एक उभरता हुआ पर्यटन स्थल है। यह झारखंड के रांची जिले में स्थित है। पहले यह इलाका नक्सल गतिविधियों के लिए जाना जाता था, लेकिन अब यहां का माहौल बदल गया है। अब यह जगह पैराग्लाइडिंग और दूसरे साहसिक खेलों के लिए प्रसिद्ध हो रही है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता और आदिवासी संस्कृति का अनोखा संगम देखने को मिलता है। डंडा पहाड़ पर पैराग्लाइडिंग का अनुभव वाकई अद्भुत है। पहाड़ की चोटी से उड़ान भरते हुए आप हवा में चिड़िया की तरह महसूस करेंगे। ऊपर से रांची-जमशेदपुर हाईवे का नज़ारा बहुत ही खूबसूरत दिखाई देता है। नीचे हरे-भरे जंगल, छोटे-छोटे गांव और दूर तक फैली हरियाली मन को मोह लेती है। यह ऐसा अनुभव है जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। पैराग्लाइडिंग के लिए यहां एक विशेष टीम मौजूद रहती है जो सभी ज़रूरी इंतज़ाम करती है। उड़ान भरने के लिए सही मौसम का होना बहुत ज़रूरी है। मौसम अनुकूल होने पर ही पैराग्लाइडिंग की जाती है। उड़ान से पहले, विशेषज्ञ आपको सभी सुरक्षा नियमों के बारे में बताते हैं ताकि आपका अनुभव सुरक्षित और यादगार रहे। डंडा पहाड़ पर सिर्फ पर्यटक ही नहीं, बल्कि स्थानीय आदिवासी बच्चे भी पैराग्लाइडिंग को लेकर बहुत उत्साहित रहते हैं। जब वे आसमान में पैराशूट उड़ते देखते हैं, तो उनकी आंखों में भी सपने पलने लगते हैं। कई बच्चों ने पहले सिर्फ टीवी पर ही पैराग्लाइडिंग देखी थी। लेकिन अब जब वे इसे अपनी आँखों के सामने देखते हैं, तो उनका उत्साह दोगुना हो जाता है। गणपत मुंडा जैसे बच्चे कहते हैं कि अगर मौका मिले तो वे भी उड़ान भरना चाहेंगे। इस तरह की गतिविधियों से झारखंड में पर्यटन को बढ़ावा तो मिलता ही है, साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था भी मज़बूत होती है। अगर सरकार इन गतिविधियों को और बढ़ावा दे और ज़रूरी सुविधाएं मुहैया कराए, तो यह क्षेत्र एक प्रमुख साहसिक पर्यटन स्थल बन सकता है। यहां के लोगों, खासकर बच्चों के लिए, जो पढ़ाई के साथ-साथ ऐसे अनुभवों से सीखते हैं, यह एक नया अवसर हो सकता है। अगर आप भी डंडा पहाड़ पर पैराग्लाइडिंग का अनुभव करना चाहते हैं, तो कुछ बातों का ध्यान रखना ज़रूरी है। सही मौसम में ही जाएं क्योंकि बारिश या तेज़ हवा में पैराग्लाइडिंग नहीं होती। हल्के और आरामदायक कपड़े पहनें। पानी की बोतल साथ रखें क्योंकि पहाड़ पर चढ़ाई करते समय प्यास लग सकती है। विशेषज्ञों की सलाह और सुरक्षा निर्देशों का पालन ज़रूर करें।

शरद पवार की पार्टी से 5-6 सांसदों को तोड़ने की कोशिश में हैं अजित

ब्यूरो

अजित पवार शरद पवार के जन्मदिन पर दिल्ली में उनके आवास पर पहुंचे और उन्होंने उन्हें बधाई दी। इस मुलाक़ात के बाद कई तरह के कयास लगाए जाने लगे, लेकिन अजित पवार ने इन सभी कयासों को खारिज कर दिया। कहा गया कि मुलाकात सिर्फ बधाई और पारिवारिक शिष्टाचार तक सीमित थी। वैसे, अजित पवार अपनी पत्नी सुनेत्रा, बड़े बेटे पार्थ के अलावा प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल और सुनील तटकरे के साथ शरद पवार के घर पहुंचे थे। हालाँकि, इस मुलाक़ात को लेकर न तो कुछ साफ़ कहा गया है और न ही कोई तस्वीर जारी की गई है। एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे की ओर से इतना ज़रूर कहा गया, 'उस विषय पर मत जाओ... हमने शरद पवार से उनके जन्मदिन पर तहे दिल से बधाई देने के लिए मुलाकात की। और इसी बीच अब संजय राउत ने बड़ा आरोप लगाया है। राउत के मुताबिक़, भाजपा ने अजित को एनसीपी (सपा) को तोड़ने का निर्देश दिया है। राउत ने आरोप लगाया, 'अजित पवार को शरद पवार की पार्टी एनसीपी के

क्या शरद पवार की पार्टी को फिर से तोड़ने की योजना है? कम से कम शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने तो यही दावा किया है। उन्होंने शुक्रवार को आरोप लगाया कि अजित पवार शरद पवार की पार्टी एनसीपी (सपा) के सांसदों को अपने पाले में करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि यह सब बीजेपी के निर्देश पर हो रहा है। संजय राउत का यह बयान तब आया है जब दो दिन पहले ही बीजेपी के एक नेता ने भी ऐसा ही दावा किया है। भाजपा प्रवक्ता प्रवीण दारेकर ने हाल ही में संकेत दिया है कि शरद पवार की पार्टी के कुछ सांसद भाजपा के संपर्क में हैं और उनके महायुति में शामिल होने की संभावना है। दारेकर ने दावा किया कि सांसद चिंतित हैं क्योंकि महायुति के उम्मीदवारों ने उनके संसदीय क्षेत्रों की अधिकांश विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की है। बता दें कि संजय राउत के इस ताज़ा बयान से एक दिन पहले ही अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार से मुलाक़ात की थी। हालाँकि, यह मौक़ा शरद पवार के जन्मदिन का था। अजित पवार शरद पवार के जन्मदिन पर दिल्ली में उनके आवास पर पहुंचे और उन्होंने उन्हें बधाई दी। इस मुलाक़ात के बाद कई तरह के कयास लगाए जाने लगे, लेकिन अजित पवार ने इन सभी कयासों को खारिज कर दिया। कहा गया कि मुलाकात सिर्फ बधाई और पारिवारिक शिष्टाचार तक सीमित थी। वैसे, अजित पवार अपनी पत्नी सुनेत्रा, बड़े बेटे पार्थ के अलावा प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल और सुनील तटकरे के साथ शरद पवार के घर पहुंचे थे। हालाँकि, इस मुलाक़ात को लेकर न तो कुछ साफ़ कहा गया है और न ही कोई तस्वीर जारी की गई है। एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे की ओर से इतना ज़रूर कहा गया, 'उस विषय पर मत जाओ... हमने शरद पवार से उनके जन्मदिन पर तहे दिल से बधाई देने के लिए मुलाकात की। और इसी बीच अब संजय राउत ने बड़ा आरोप लगाया है। राउत के मुताबिक़, भाजपा ने अजित को एनसीपी (सपा) को तोड़ने का निर्देश दिया है। राउत ने आरोप लगाया, 'अजित पवार को शरद पवार की पार्टी एनसीपी के कम से कम पांच से छह सांसदों को अपने पाले में लाने के लिए कहा गया है। अजित से कहा गया है कि अगर वह चाहते हैं कि उनके किसी नेता को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिले तो उन्हें शरद पवार की पार्टी को तोड़ना होगा। एबीपी न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार राउत ने आरोप लगाया है कि प्रफुल्ल पटेल को सांसदों को तोड़ने का जिम्मा दिया गया है। बहरहाल, इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार राउत ने कहा कि भाजपा चाहे जो भी करे, शरद पवार कभी भी उससे हाथ नहीं मिलाएंगे। उन्होंने कहा, 'शरद पवार एक धर्मनिरपेक्ष नेता हैं। वह कभी भी ऐसी पार्टी से हाथ नहीं मिलाएंगे जो धर्म के नाम पर इस देश के लोगों को बांटना चाहती है।' हाल के विधानसभा चुनावों में एनसीपी (सपा) लोकसभा चुनावों में अपने प्रदर्शन के विपरीत केवल 10 सीटें जीतने में सफल रही। लोकसभा चुनाव में शरद पवार की एनसीपी (एसपी) ने लड़ी गई 10 सीटों में से 8 पर जीत हासिल की है। अजित पवार ने पाँच साल पहले एनसीपी में बगावत कर दी थी। सुबह-सुबह अचानक किए गए समारोह में भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री और खुद ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली थी। वह बगावत क़रीब तीन दिन ही चल पाई थी। तब शरद पवार ने उनका समर्थन नहीं करने का फैसला किया था। इसके बाद अजित पवार के साथ गए अधिकांश विधायक शरद पवार के साथ वापस आ गए थे। कुछ दिनों बाद अविभाजित एनसीपी और शिवसेना ने कांग्रेस के साथ मिलकर महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी यानी एमवीए सरकार बनाई थी। एमवीए सरकार गठन के क़रीब ढाई साल बाद शिवसेना में बगावत हो गई और सरकार गिर गई। एकनाथ शिंदे के खेमे ने बीजेपी के साथ मिलकर सरकार बनाई। बाद में अजित पवार ने भी एनसीपी में बगावत कर दी और वह शिंदे व बीजेपी वाली सरकार में शामिल हो गए।

संक्षिप्त समाचार

अमन ग्रुप की बैठक ब्राम्बे में, कमिटी का विस्तार किया गया

सामाजिक सुधार होगी प्राथमिकता: हकीम अंसारी

मांडर- अमन ग्रुप वेल्फेयर ट्रस्ट की बैठक रविवार को ब्राम्बे में किया गया। इसमें कमिटी का पुनर्गठन और विस्तार पर चर्चा की गई। कमेटी का पुनर्गठन करते हुए सदर पद के लिए पुनः अत्ताउल्लाह अंसारी को, सचिव अमन राज , कोषाध्यक्ष युसुफ अंसारी, महासचिव शमी अंसारी, कार्यकारी अध्यक्ष बबलू अंसारी, प्रवक्ता मोहसिन खान को बनाया गया। साथ ही कमेटी में छः छः उप सदर और उपसचिव भी बनाया गया। 10 लोगों की संरक्षक मंडली बनाई गई जिसमें मुख्य संरक्षक हकीम अंसारी, शमीम बाड़ेहार, नुरुल्लाह हबीब नदवी, मुस्लिम अंसारी, इफतेखार खान, शामी खान, जमील अख्तर, अजीज अंसारी, आजम अंसारी, नासिर अंसारी को बनाया गया। मौके पर बोलते हुए संरक्षक नुरूल्लाह हबीब नदवी ने कहा कि आज हमारे समाज में जो कुरीतियां व्याप्त है उसे दूर करने की सख्त जरूरत है। वही संरक्षक शमीम बाड़ेहार ने कहा कि हमें सभी समाज के लिए काम करना है और जो भी बुराइयां है उसे मिलजुल कर खत्म करना है। साथ ही कमिटी का विस्तार करना है। इससे पहले सचिव अमन राज ने ट्रस्ट की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बतलाया। कार्यक्रम में दर्जनों लोगों ने ग्रुप की सदस्यता ली। कार्यक्रम को मोहसिन खान, नासिर अंसारी, जमील अख्तर , सलामत अंसारी ने अपने विचार रखा। कार्यक्रम की सदारत अत्ताउल्ला अंसारी ने किया। संचालन शमीम बाड़ेहार ने किया। मौके पर संरक्षक हकीम अंसारी, सचिव अमन राज,मो शमी, अजीज अन्सारी समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

बांस हस्तशिल्पकारों का 25 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

कोडरमा, विजय यादव,

उद्योग विभाग, मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास के कोडरमा द्वारा सोसायटी फॉर रूरल एंड एजुकेशन एडवांसमेंट के संयुक्त तत्वावधान चंदवारा प्रखंड के भोंडो गांव में विशेष घटक योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति बांस हस्तशिल्प कारों के विकास के लिए 25 दिवसीय हस्तशिल्पकार प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया । प्रशिक्षण के मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के अघनु उरांव, हजारीबाग से आए प्रशिक्षण एजेंसी सोसायटी फॉर रूरल एंड एजुकेशन एडवांसमेंट के रामनाथ महली, प्रखंड समन्वयक उद्यमी समन्वयक अभिषेक कुमार एवं भोंडो पंचायत के मुखिया कोयल देवी मौजुद रहे। इस अवसर पर जिला उद्यमी समन्वयक अघनु उरांव ने कहा कि शिल्पकारों को आधुनिकी सामग्री बनाने की प्रशिक्षण दी जाएगी ताकि इससे जुड़े क्षेत्र में काम करने वाले की आर्थिक विकास हो सके। संचालन और ज्ञापन समन्वयक प्रखंड उद्यमी समन्वयक अभिषेक कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान ममता देवी, दुलारी देवी, नगिया देवी, शांति देवी, पुनिया देवी, किशिला देवी, रेखा देवी, जमुनी देवी, रानी देवी, सोनिया देवी,पूनम देवी, रेखा देवी, उर्मिला देवी, ललिता देवी, कोलेशरी देवी, सुनिता देवी और शांति देवी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। पंचायत के मुखिया द्वारा लाभुको को सही समय पर नियमित तरीके से आकर प्रशिक्षण लेने के लिए एवं अपने रोजगार को बढ़ाने के लिए निर्देश दिया गया।

बिंडोमोह बिरहोर टोला में स्वास्थ्य शिविर का होगा आयोजन

कोडरमा,विजय यादव

नवलशाही अंतर्गत बिंडोमोह बिरहोर टोला में हेल्थ समस्या को लेकर जिला प्रशासन कोडरमा को सूचना प्राप्त हुआ। प्राप्त सूचना के आधार पर कोडरमा उपायुक्त मेघा भारद्वाज के निदेर्शानुसार आज लरउ नवलशाही अंतर्गत बिंडोमोह बिरहोर टोला में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। स्वास्थ्य शिविर को लेकर उपायुक्त मेघा भारद्वाज द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी मरकच्चो को आवश्यक कार्रवाई व तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया। स्वास्थ्य शिविर के मेडिकल टीम का गठन किया है। जिसमें डॉ. दिनेश कुमार प्रसाद चिकित्सा पदाधिकारी (फ्हरङ), सीएचओ सादिया आजीम, एएनएम रिधम कुमारी वदयामन्ती कुमारी प्रयोगशाला प्रावैधिक गौरीशंकर सिंह और एम्बुलेंस चालक सोनू कुमार सिंह शामिल हैं। स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सुबह 08:00 अट बजे किया जायेगा।

प्रवासी मजदूर की वर्ली में ग्राइंडर मशीन से कटकर मौत, झारखंडी एकता संघ ने शव को गांव भिजवाया

संवाददाताः बरकट्ठा

बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के ग्राम किमानिया निवासी प्रवासी मजदूर सुरज यादव 19 वर्ष पिता स्व नारायण यादव की वर्ली मुम्बई में मौत हो गई। सुरज यादव वर्ली मुम्बई के एक होटल में काम करता था। काम करने के दौरान 14 दिसंबर को मसाला पिसते समय उसका हाथ ग्राइंडर मशीन में फंस कर शरीर को खींच लिया। जिससे वह काफी गंभीर रूप से घायल हो गया था। सुरज की केईएम अस्पताल मुम्बई में इलाज के लिए ले जाया गया जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसकी सूचना ग्राम किमानिया निवासी सुदामा चौधरी ने झारखंडी एकता संघ के राष्ट्रीय सचिव विनोद प्रसाद को दिया। रविवार 15 दिसंबर की सुबह विनोद प्रसाद झारखंडी एकता संघ की टीम के साथ अस्पताल पहुंचे। जहां कागजी प्रक्रिया कराकर और लोगों से सहयोग राशि एकत्रित कर मृतक के शव को हवाई जहाज से रांची भिजवाया। बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव ने मृतक का शव रांची एयरपोर्ट से पैतृक गांव किमानिया भेजवाने में सहयोग किया।

डीपीएस में वार्षिक खेलकूद स्पोर्टसो-विटा -24 सप्ताह का हुआ भव्य आगाज

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ डीपीएस विद्यालय में सोमवार को एक सप्ताह चलने वाले 'स्पोर्टसोविटा -24' खेल समारोह के सुबह की शुरूआत क्रॉस कंट्री रेस से हुई। खेल समारोह का आगाज विद्यालय के निदेशक महोदय एवं मुख्य अतिथि अरुणेंद्र कुमार द्वारा प्रज्वलित क्रीडा मसाल (जो सद्भाव और सद्भावना तथा खेलों के आदर्शों का प्रतिनिधित्व करता है) को क्लस्टर -क्क्क्क 2024 बैडमिंटन जूनियर वर्ग की स्वर्ण पदक विजेता परिधि कुमारी,समृद्धि कुमारी और खेल कैप्टन कामरान अकमल को सौपने के साथ हुआ, तत्पश्चात विद्यालय के निदेशक महोदय , प्रधानाचार्य जे के शर्मा, कोर मेंबर नेहा चक्रवर्ती तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने सामूहिक रूप दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

एनसीसी कैडेट के अगुवाई में चारों सदनों द्वारा प्रस्तुत कदमताल ने अद्भुत समा बांध दिया। इस अवसर पर कक्षा प्रथम से लेकर द्वितीय एवं तृतीय

के विद्यार्थियों द्वारा पोम पोम तथा डंबल के साथ किए गए नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। विद्यालय के निदेशक अरुणेंद्र कुमार ने अपने प्रेरक भाषण में सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए समस्त खिलाड़ियों को जीत-हार की भावना से ऊपर उठकर पवित्र खेल भावना से खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में धैर्य के साथ अनवरत प्रयास करते रहने के लिए विद्यार्थियों का आह्वान किया।विद्यालय के प्रधानाचार्य

जे के शर्मा ने विद्यालय की वार्षिक खेल रिपोर्ट को प्रस्तुत करते हुए बताया कि डीपीएस पाकुड़ के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अपने जिले,राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेलों में पदक जीतकर कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए समस्त विद्यार्थियों को खेलों में उत्साह पूर्वक भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। एक सप्ताह तक चलने वाले खेल के 'स्पोर्ट्ओं विटा -24' कार्यक्रम के पहले दिन कक्षा नर्सरी से पंचाम तक के बच्चों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिता जैसे म्यूजिकल चेयर ब्रस्टिंग द बैलून, बैलेंस द बुक आदि में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया.

संविधान रक्षक अभियान की सफल क्रियान्वयन हेतु कांग्रेस की हुई बैठक

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की ओर से 26 नवंबर 2024 से देशव्यापी चलाई जा रही संविधान रक्षक अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक पाकुड़ स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित हुई। जिसमें झारखण्ड विधानसभा आम निर्वाचन- 2024 में सर्वाधिक मतों से विजयी रही विधायिका निसात अलम ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित किया। बैठक के दौरान नव निर्वाचित विधायिका निसात आलम ने उपस्थित कांग्रेस जनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस की ओर से 26 नवंबर 2024 से 26 दिसंबर 2024 तक चलाई जा रही देशव्यापी संविधान रक्षक अभियान में अपनी सुनिश्चित करने की अपील किया। जिससे इस अभियान की सफल अवयवों को दशार्या जा सके। उन्होंने संविधान की मूल भूमिका पर प्रकाश भी डाले। साथ ही उन्होंने कहा कि यह संविधान ही है जो हमें परिपूर्ण सक्षम बनाने की विचारधाराओं को समायोजित करता है। उन्होंने कहा कि संविधान के कारण ही हमारा देश की मूल ढांचा सुरक्षित है । कहा बाबा भीमराव अंबेडकर के द्वारा बनाये गये संविधान ही देश के हर नागरिकों को अपनी अधिकार के लिए अपनी आवाज बुलंद करने की शक्ति प्रदान करता है। संविधान हमें समानता का ही नहीं बल्कि शिक्षा व ताकत भी देती है। साथ ही देश को आगे ले जाने का महत्वपूर्ण गाइडलाइन का मार्ग दर्शक का भी पहचान देता है। मौके पर जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार, प्रखंड अध्यक्ष मानसरुल हक, जिला प्रवक्ता मुख्तार हुसैन, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष शाहीन परवेज, ए गांगुली, विधायक प्रतिनिधि देबू विश्वास,पप्पू गंगवानी,रामविलास महतो, कृष्ण यादव,नगर अध्यक्ष बंसराज गोप, होबि सेख,नोजरुल सेख,मिजार्हान विश्वास,मुखिया मोजीबूर रहमान, काबिबूर रहामान,शहनाज बेगम सहित आदि कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आयोजित केंद्रीय प्रायोजित राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाअंतर्गत रेनफेड एरिया डेवलपमेंट की बैठक संपन्न

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा। समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में उपायुक्त रमेश घोलप की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय प्रायोजित राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाअंतर्गत रेनफेड एरिया डेवलपमेंट की बैठक की गई।बैठक में अनुमण्डल कृषि पदाधिकारी चतरा द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में केन्द्रीय प्रायोजित राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाअंतर्गत रेनफेड एरिया डेवलपमेंट योजनान्तर्गत कराये जाने वाले कार्यों के विभिन्न अवयव का विवरण प्रस्तुत किया गया। अनुमण्डल कृषि पदाधिकारी चतरा द्वारा जिला मिशन समिति के सदस्यों के समक्ष वित्तीय वर्ष 2024-25 में केन्दीय प्रायोजित राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाअंतर्गत रेनफेड एरिया डेवलपमेंट उपयोजना से संबंधित राज्यादेश, आवंटनादेश तथा कृषि निदेशालय झारखंड, रॉची के आदेश के बारे में बताया गया। अनुमण्डल कृषि पदाधिकारी चतरा द्वारा बताया गया कि दिनांक 21 मार्च 2024 को मुख्य सचिव, झारखंड की अध्यक्षता में समेकित वार्षिक कार्य योजना के स्वीकृति हेतु राज्य स्तरीय संचालन समिति (एसएलएससी) की बैठक की गयी जिसमें प्रस्ताव संख्या 3बी के तहत रेनफेड एरिया डेवलपमेंट (आरएडी) की स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही निदेश दिया गया कि रेनफेड एरिया डेवलपमेंट (आरएडी) योजनान्तर्गत पशुपालन, गव्य, उद्यान, सिंचाई एवं मत्स्य के कार्यो के साथ

कड़ी स्थापित कर अभिसरण (Linkage & Convergence)) करते हुए कलस्टर को प्रभावशाली बनाया जाय । योजना का क्रियान्वयन हेतु एसएलएससी की बैठक में चतरा जिले के ग्राम-गेरी, अंबादोहर, पंचायत - आरा, प्रखण्ड - चतरा तथा ग्राम-पांती, लरसर, पंचायतझउरैली, प्रखण्ड - हंटरगंज को संकुल के रूप में चयन किया गया। भारत सरकार द्वारा रेनफेड एरिया डेवलपमेंट (आरएडी) योजना के कार्यान्वयन हेतु मार्गदर्शिका निर्गत किया गया है, जिसके आलोक में योजना के कार्यान्वयन हेतु वार्षिक कार्य योजना में भौतिक लक्ष्य प्रस्तुत की गई यथा चतरा एवं हंटरगंज प्रखण्ड क्षेत्र में 375 हेक्टेयर में योजना के क्रियान्वयन हेतु लक्ष्य आवंटित है। उपायुक्त ने गंभीरता से अनुमंडल कृषि पदाधिकारी को सुन कर निर्देशित करते हुए कहा समेकित कृषि प्रणाली, मधुमक्खी पालन, बर्मा बेड (एच डी पी ई) अवयव करें।

क्या है राष्ट्रीय कृषि विकास योजना व रेनफेड एरिया डेवलपमेंट

रेनफेड एरिया डेवलपमेंट यानी वर्षा आधारित क्षेत्र विकास (आरएडी) योजना, वर्षा आधारित क्षेत्रों के विकास के लिए शुरू की गई एक योजना है. इस योजना को साल 2014-15 में शुरू किया गया था। इस योजना का मकसद, क्षेत्र आधारित दृष्टिकोण को अपनाकर उत्पादकता बढ़ाना और जलवायु परिवर्तन से जुड़े जोखिमों को कम करना है. इसके लिए, एकीकृत कृषि प्रणाली (आईएफएस) पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) को कृषि और सहकारिता विभाग (डीएसी), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार ने 2007-08 में शुरू किया था. इसका मकसद, कृषि क्षेत्र में वार्षिक वृद्धि दर को बढ़ाना और कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है. इस योजना के तहत, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा दिया जाता है। उक्त बैठक में अपर समाहर्ता चतरा अरविंद कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी उत्तरी, वन प्रमंडल पदाधिकारी दक्षिणी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, परियोजना निदेशक आत्मा समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी कर्मी उपस्थित थे।

गयपहाड़ी पैक्स में धान अधिप्राप्ति केंद्र का विधायक अमित यादव ने किया उदघाटन

संवाददाता बरकट्ठा

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम गयपहाड़ी पैक्स में धान अधिप्राप्ति केंद्र का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि विधायक अमित कुमार यादव एवं मुखिया कलावती देवी ने धान क्रय केंद्र का उदघाटन किया। मौके पर प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष प्रदीप प्रसाद, पैक्स अध्यक्ष शिव कुमार मौजूद थे। विधायक अमित यादव ने कहा की क्रय केंद्र खुलने से किसानों को 24 सौ रुपये क्विंटल धान का मूल्य मिलेगा। धान क्रय केंद्र के खुल जाने से अब किसानों को उत्पादित धान गांव में ही बेचने की सहूलियत होगी। शिव कुमार ने बताया कि धान बेचने के 48 घंटे में किसानों को 50 प्रतिशत की राशि मिलेगी। साथ ही आधा राशि एक से दो माह के अंदर भुगतान कर दिया जाएगा। इस अवसर पर पंसस प्रतिनिधि छोटेलाल मेहता, बेड़ोकला भाजपा मंडल अध्यक्ष भोला प्रसाद अनिल आजाद, पूर्व पंसस महेंद्र प्रसाद, सिकंदर कुमार, चुगलामो पैक्स अध्यक्ष तुलसी चौधरी, इंद्रदेव यादव समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 के लिए परीक्षा केंद्रों एवं मूल्यांकन केंद्रों के चयन से संबंधित बैठक

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा।समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में उपायुक्त रमेश घोलप की अध्यक्षता में वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 के लिए परीक्षा केंद्रों एवं मूल्यांकन केंद्रों के चयन से संबंधित बैठक की गई।मैट्रिक वार्षिक परीक्षा के लिए संभावित परीक्षार्थी 19071

छात्र-छात्रायें सम्मिलित होंगे जिसके लिए 48 विद्यालयों को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। इण्टरमीडिएट कला, विज्ञान एवं वाणिज्य परीक्षा 2025 के लिए संभावित परीक्षार्थी 13144 छात्र-छात्रायें सम्मिलित होंगे जिसके लिए 29 विद्यालयों को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। उक्त बैठक में विधायक चतरा विधानसभा क्षेत्र जनार्दन पासवान,सांसद चतरा लोकसभा क्षेत्र के प्रतिनिधि, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चतरा,जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश मिश्र समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे।

बेहतर ग्राहक इंटरफेस की दिशा में पू. सी. रेलवे द्वारा माल ढुलाई संचालन का निरंतर हो रहा विस्तार

मालीगांव, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पू. सी. रेलवे) बेहतर ग्राहक इंटरफेस प्रदान करने के लिए जोन के अधीन और उसके बाहर माल ढुलाई प्रणाली में सुधार हेतु कई पहल कर रही है। ऐसी पहलों को कई स्टेशनों में शुरू करते हुए उन स्टेशनों को आवक एवं जावक दोनों प्रकार के माल परिवहन की हैंडलिंग के लिए सुसज्जित किए गए हैं, ताकि ग्राहकों द्वारा विभिन्न वस्तुओं के लिए सुगम और व्यवहार्य परिवहन को सुविधाजनक बनाया जा सके।

ग्राहक इंटरफेस में सुधार और माल राजस्व बढ़ाने के लिए, पू. सी. रेलवे अभिनव उपायों और विस्तारित संचालन के माध्यम से अपने माल परिवहन नेटवर्क को निरंतर मजबूत कर रही है। एक उल्लेखनीय पहल के तहत, चावल की एक खेप को नवंबर, 2024 के दौरान पश्चिम बंगाल के तूफानगंज रेलवे स्टेशन से त्रिपुरा के जिरनीया रेलवे स्टेशन तक सफलतापूर्वक पहुंचाया गया। मेसर्स तूफानगंज एग्रो इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने 'मिनी रेक डिमांड' योजना के तहत साधारण चावल के रेक को भेजा। लेन-देन का भुगतान ऑनलाइन किया गया, जो ग्राहकों की सुविधा बढ़ाने के लिए भारतीय रेल की डिजिटल भुगतान प्रणालियों को अपनाये जाने को परिलक्षित करती है। ट्रकों से सीधे माल लोड करने से लेकर खेप के वजन और मात्रा की सावधानीपूर्वक प्रबंधन तक की पूरी प्रक्रिया, विश्वसनीय, पारदर्शी और उच्च गुणवत्ता वाली रेलवे माल ढुलाई सेवाएं प्रदान करने की इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। शिपमेंट में उच्चतम संरक्षा मानकों का पालन किया गया तथा फिटनेस एवं जलरोधी स्थिति सुनिश्चित करने के लिए वैगनों का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया, जिससे रेलवे की माल परिवहन प्रणाली देश में माल परिवहन के सबसे किफायती और सबसे तेज साधनों में से एक बन गई।

एक अन्य माइलस्टोन में, पहली बार पू. सी. रेलवे ने बिन्नागुड़ी रेलवे स्टेशन से पश्चिम बंगाल के एसएसपीएल साइडिंग तक के लिए क्वार्टजाइट परिवहन शुरू की। इस नई पहल से प्रति रेक 40 लाख रुपये का अनुमानित राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है, जिससे आर्थिक विकास के नए मार्ग खुलेंगे और माल संचालन को बढ़ावा देने के लिए जोन की प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूत किया जा सकेगा।

ये पहल आधुनिक फ्रेट लॉजिस्टिक और निर्बाध परिवहन समाधान प्रदान के पू. सी. रेलवे के अथक प्रयास को रेखांकित करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि रेलवे देश भर के व्यवसायों के लिए एक विश्वसनीय और पसंदीदा साझेदार है। यह क्षेत्र के अधीन फ्रेट कनेक्टिविटी में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो रेलवे की बढ़ी हुई दक्षता और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण को दशार्ता है।

बाबा विश्वनाथ मैरेज हॉल में भव्य भागवत कथा आयोजन का शुभारंभ : श्रद्धालु करेंगे शिरकत

गया से अमरेंद्र कुमार दिव्य दिनकर के लिए.

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भागवत कथा सह ज्ञान यज्ञ का आयोजन बिट्रिज बायो रेमेडीज के मैनेजिंग डायरेक्टर निखिल कुमार , बिट्रिज बायो रेमेडीज के सीनियर मार्केटिंग एक्सक्यूटिव शशांक खिलौशकर, मार्केटिंग एक्सक्यूटिव शैलेश कुमार,शिवम् कुमार विट्रीज बायो रेमेडीज के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के वरीय सदस्य एवं शिक्षक नीरज कुमार,सहयोगी शिवजी कुमार शेरघाटी के देख रेख में इस बार भी भागवत कथा आयोजित होने जा रहा है। इस कथा कार्यक्रम के सह व्यवस्थापक तथा बाबा विश्वनाथ मैरेज हॉल के संस्थापक रणवीर सिंह, एवं प्रोपराइटर रोहित सिंह, कुंवर प्रताप सिंह द्वारा भी इस कथा कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाया जा रहा है ताकि इस कथा कार्यक्रम को सुचारू और निर्विघ्न रूप से संपन्न करवाया

जा सके। इस सप्तदिवशीय कथा का आयोजन गया डेलहा स्थित बाबा विश्वनाथ मैरेज हॉल में कतराशीन वैष्णव मठ के धमार्चार्य एवं कई बार राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित धर्म गुरु श्री श्री 10008 श्री स्वामी..श्री रामप्रपणा चार्य महाराज जी के मुखार बृंद से श्री मद भागवत महा पुराण ज्ञान यज्ञ का सप्रसंग प्रवचन का आयोजन किया गया है,जो सात दिनों तक निरंतर प्रवाचित होगा अतः आयोजक मंडल द्वारा सभी भागवत प्रेमियों,भागवत भक्त जन,सनातनी देवियों एवं सज्जनों से निवेदन है कि दिनांक 17/12/24 से 23/12/24 तक इस भागवत कथा सह ज्ञान यज्ञ में सम्मिलित होकर कथा ब्यास से प्रतिदिन संध्या 6 बजे प्रसारित होने वाला इस भागवत कथा का रसास्वादन अवश्य करें और पुण्य की भागी बनें। कार्यक्रम के मुख्य वास्तुकार तथा कर्ताधर्ता निखिल कुमार तथा रोहित सिंह ने समस्त डेलहा एवं गया शहर वासियों से आग्रह किया है कि इस कथा में स्वयं भी आएं साथ ही साथ में अपने सगे संबंधियों, पड़ोसीयों, मित्रों एवं अपने अपने बच्चे बेटियों को भी लाएं,ताकि उनमें सनातन संस्कार जागृत हो और वे सभी देश ,समाज के सुशभ्य,सुसंस्कृत सुशिक्षित नागरिक तथा धर्म रक्षक बन सकें।

कोडरमा प्रखंड के पथलडीहा पंचायत में धान क्रय केंद्र का उद्घाटन

कोडरमा

विजय यादव, कोडरमा प्रखंड के पथलडीहा पंचायत में पेक्स भवन में धान क्रय केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में पंचायत मुखिया बैजंती देवी, जिला परिषद सदस्य लक्ष्मण यादव, पंचायत सचिव अजय कुमार साव, और समाजसेवी मिथलेश सिंह, शंभू सिंह, महेंद्र यादव सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रमुख लोगों ने धान क्रय केंद्र की महत्ता पर जोर देते हुए इसे किसानों के लिए लाभकारी बताया। मुखिया प्रतिनिधि सदानंद यादव, भोला साव, राजेंद्र यादव, बालेश्वर यादव और धनेश्वर साव ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान किसानों को उचित मूल्य पर धान विक्रय की सुविधा मिलने पर खुशी जताई गई।

संक्षिप्त समाचार

न्यायाधीश के साथ उपायुक्त, एसएसपी ने किया धनबाद मंडल कारा का निरीक्षण

_पांच बुजुर्ग बंदी हुए चिन्हित

धनबाद झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) श्री वीरेंद्र कुमार तिवारी, उपायुक्त सह उपाध्यक्ष डालसा सुश्री माधवी मिश्रा, एसएसपी सह सदस्य डालसा श्री हृदीप पी जनार्दनन, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्रीमती आरती माला, अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा श्री राकेश रोशन, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी श्री हेमंत कुमार सिंह, अपर समाहर्ता सह प्रभारी जेल अधीक्षक श्री विनोद कुमार, सिटी एसपी श्री अजीत कुमार, डीएसपी विधि व्यवस्था श्री नौशाद आलम व एलएडीसीएस की टीम ने सोमवार को संध्या मंडल कारा का औचक निरीक्षण किया।

निरक्षण के दौरान टीम ने पांच ऐसे बंदियों को चिह्नित किया, जिनकी उम्र 70 वर्ष है। वहीं दो ऐसे बंदी भी मिले जिन्हें गंभीर बीमारी है। न्यायाधीश श्री तिवारी के नेतृत्व में टीम ने कारागार के हर हिस्से का मुआयना किया। न्यायाधीश ने चिह्नित किए गए बंदियों को मुक्त कराने के लिए समुचित कार्रवाई का निर्देश दिया। इसके बाद टीम ने बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, नास्ता, भोजन व मुकदमे में पैरवी के लिए अधिवक्ता होने अथवा न होने की जानकारी ली।

कारागार अस्पताल में निरुद्ध बीमार बंदियों के बेहतर इलाज के लिए उन्हें उच्च स्वास्थ्य सेंटर भेजने का निर्देश मंडल कारा चिकित्सक को दिया। वहीं टीम ने चिकित्सा सुविधा, पुस्तकालय, रसोई घर, वहां तैयार हो रहे भोजन, व्यवसायिक प्रशिक्षण केंद्र तथा ध्यान-सह-योग केंद्र में सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने बंदियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। न्यायाधीश ने बंदियों को जेल मैनुअल के तहत मिलने वाली सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने का आदेश जेल प्रशासन को दिया। इस मौके पर मंडल कारा के चिकित्सक डॉ राजीव कुमार सिंह, एलएडीसीएस चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कांउसिल शैलेन्द्र झा, सुमन पाठक, नीरज गोयल, कन्हैया लाल ठाकुर, स्वाति, मुस्कान, सिविल कोर्ट के सहायक अरुण कुमार, राजेश सिंह, संतोष कुमार सहित मंडल कारा के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सरस्वती विद्या मंदिर सिनीडीह में मनाया गया विजय दिवस

अपने देश की सुरक्षा सेना का प्रथम लक्ष्य सुभाष सोरेन

मधुबन थाना क्षेत्र सरस्वती विद्या मंदिर सिनीडीह में विजय दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि थल सेना के जवान सुभाष सोरेन एवं प्रधानाचार्य राकेश सिन्हा के कर-कमलों से दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अतिथि परिचय आचार्य अनूप कुमार पांडेय ने कराया। मंच संचालन आचार्य धर्मेंद्र तिवारी ने किया। कार्यक्रम की प्रस्तावना को प्रस्तुत करते हुए आचार्य श्री विश्वनाथ दास ने कहा कि विजय दिवस भारतीय सेनाओं का गौरव का दिवस है। विद्यालय के भैया- बहनों ने भी विजय दिवस पर अपना विचार प्रस्तुत किया। ज्योति प्रिया एवं यशराज ने देशभक्ति गीत गाकर जन-समूहों को भाव विभोर कर दिया। मुख्य अतिथि थल सेना के जवान सुभाष सोरेन ने कहा कि भारतीय सेना का एकमात्र लक्ष्य भारत की सुरक्षा है। अनुशासन के साथ सेवा का हर जवान देश की सेवा के लिए कश्मीर के लेह से लेकर तमिलनाडु के कन्याकुमारी तक , गुजरात से लेकर पूर्वी सीमांत प्रदेशों तक पूरी तत्परता के साथ देश सेवा में लगे रहते हैं। विद्यालय के भैया- बहनों को अनुशासन के साथ शिक्षा ग्रहण करना चाहिए। माता-पिता एवं गुरु का निरंतर सम्मान करना चाहिए। आपका ईमानदारी पूर्वक किया गया मेहनत आपकी सफलता का आधार बनेगा। प्रधानाचार्य राकेश सिन्हा ने अपने संबोधन के क्रम में कहा कि विजय दिवस हमारे लिए अत्यंत गौरव का दिवस है। भारतीय सेनाओं की एकता,अनुशासन एवं अदम्य साहस का प्रतिफल है कि पाकिस्तान की सेना हारी और विजयश्री भारत को मिली। भैया -बहनों को भी इससे प्रेरणा लेकर देशहित में कार्य करने का संकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर भारत कोकिंग कोल लिमिटेड गोविंदपुर क्षेत्र संख्या 3 द्वारा आयोजित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में सफल भैया -बहनों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी आचार्य -दीदी, कर्मचारी बंधु -भगिनी की सक्रिय भागीदारी रही। आचार्य अजय कुमार पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापन कराया। इसके उपरांत कार्यक्रम संपन्न हुआ।

धनबाद के तीरंदाजी कोच मोहम्मद शमशाद बने झारखंड कोचस कमिटी के संरक्षक

झारखंड में तीरंदाजी खेल के इंडियन राउंड स्पर्धा को बढ़ावा देने और सभी जिलों में इंडियन राउंड के खिलाड़ियों के लिए, ज्यादा से ज्यादा प्रतियोगिता का आयोजन करवा कर उनके प्रतिभा को उभारने का एक महत्वपूर्ण कार्य करने का निर्णय लिया गया ,इंडियन राउंड स्पर्धा को तीरंदाजी खेल का जननी कहा जाता है लगभग इस स्पर्धा के साथ ही झारखंड के ज्यादा खिलाड़ी अभ्यास करके उभर के सामने आते है परन्तु इंडियन राउंड की प्रतियोगिता कम होने से खिलाड़ी में निराशा देखने को मिलती है वहीं देश भर में रिकर्व,कंपाउंड के ज्यादा से ज्यादा प्रतियोगिता होती है जिसमें मुख्य रूप से अंतराष्ट्रीय,राष्ट्रीय प्रतियोगिता के साथ साथ नेशनल रैंकिंग टूर्नामेंट , विमेंस नेशनल रैंकिंग और इनडोर जैसे सालों भर प्रतियोगिता मिलती है वहीं इंडियन राउंड के झारखंड के खिलाड़ी वंचित रह जाते है

झारखंड के सभी कोचेस ने एक बैठक करके आपसी सहमति से यह निर्णय लिया गया कि अब नेशनल रैंकिंग टूर्नामेंट की तरह ही झारखंड के विभिन्न जिलों में प्राइज मनी टूर्नामेंट का आयोजन करके इसके बेहतरी का प्रयास किया जाएगा । संरक्षक बनने पर धनबाद जिला तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष विजय झा, सचिव जुबेर आलम, उपाध्यक्ष तारकनाथ, पूर्व तीरंदाज मोहम्मद कासिम , कोच नमिता टुडू कोच नाजिया परवीन कोच सुलेखा कुमारी एवं सभी खेल प्रेमियों ने बधाई दिया

पत्थर कारोबारियों समेत पुलिस प्रशासनिक पदाधिकारियों की अटकी हुई हैं सांसें

13 फरवरी को होगी अगली सुनवाई

साहिबगंज : चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण प्रेमी सैयद अरशद नसर द्वारा ऐतिहासिक राजमहल पहाड़ की हो रही अंधाधुंध अवैध खनन व स्टोन क्रशर पर रोक लगा कर राजमहल पहाड़ को बचाने व संवर्धन को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल इस्टर्न जोन कोलकाता में दायर याचिका संख्या ओए-23/2017 की सुनवाई बीते 10 दिसम्बर को पीठ के जुडिशियल मेंबर न्यायमुर्ति बी.अमित स्थलेकर व एक्सपर्ट मेंबर डा.अरुण कुमार वर्मा ने की.सुनवाई में याचिकाकर्ता अरशद नसर की तरफ से कोलकाता हाईकोर्ट की विद्वान अधिवक्ता पौशाली बनर्जी तथा झारखंड सरकार,केन्द्रीय प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड नई दिल्ली व झारखंड राज्य प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड रांची की ओर से सरकारी अधिवक्ता क्रमशःएश्वर्या राज्यश्री,कुमार अनुराग सिंह,सुरेंद्र कुमार,देव आर्यन व मुकेश कुमार उपस्थित थे.झारखंड राज्य प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से 34 पन्ने का शपथपत्र 9 दिसम्बर को एनजीटी में दाखिल किया.एनजीटी ने इसे रिकॉर्ड पर रखते हुए आदेश सुरक्षित रख लिया.सोमवार को एनजीटी का आदेश आया.झारखंड राज्य प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा एनजीटी को बताया की जिले के 203 पत्थर कारोबारियों पर एनजीटी के आदेश से 1 अरब 1 करोड़ 26 लाख 55 हजार 460 रुपए का पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति जुमार्ना लगाया गया था.12 पत्थर कारोबारियों पर लगे 3 करोड़ 26 लाख 32 हजार 810 रुपए के पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति जुमार्ना को माफ कर दिया.7 पत्थर कारोबारियों पर 1 करोड़ 68 लाख 32 हजार 32 रुपए के पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति जुमार्ना को संशोधित नहीं करने के चलते पुर्ण जुमार्ना राशि जमा कर दिया.61 पत्थर कारोबारियों ने पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति जुमार्ना राशि में संशोधन होने के पुर्व ही 6 करोड़ 22 लाख 29 हजार 77 रूपया जमा कर दिया.संशोधन के पश्चात इन 61 पत्थर कारोबारियों पर 5 करोड़ 84 लाख 36 हजार 814 रुपए का पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति जुमार्ना अधिरोपित किया.इस तरह 61 पत्थर कारोबारियों ने 37 लाख 92 हजार 263 रूपया अधिक जुमार्ना जमा कर दिया.40 पत्थर कारोबारियों पर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति जुमार्ना राशि को संशोधित करते हुए 23 करोड़ 52 हजार 802 रुपए का जुमार्ना अधिरोपित किया.जिसमें 40 पत्थर कारोबारियों ने मात्र 2 करोड़ 8 लाख 52 हजार 937 रुपए जुमार्ना जमा किया.83 पत्थर कारोबारियों पर लगे पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति जुमार्ना राशि को संशोधित करते हुए 23 करोड़ 25 लाख 57 हजार 599 रुपए जुमार्ना अधिरोपित किया.जिसमें 83 पत्थर कारोबारियों ने कोई जुमार्ना राशि जमा नहीं किया.झारखंड राज्य प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड रांची ने एनजीटी को बताया कि 203 पत्थर कारोबारियों पर लगे पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति जुमार्ना राशि 1 अरब 1 करोड़ 26 लाख 55 हजार 460 रुपए को संशोधित करते हुए 52 करोड़ 10 लाख 47 हजार 216 रूपया जुमार्ना अधिरोपित किया.9 करोड़ 99 लाख 14 हजार 46 रूपया जुमार्ना वसुल हो चुका व 42 करोड़ 11 लाख 33 हजार 170 रूपया जुमार्ना वसुल होना बाकी है.बीते 03 दिसम्बर को झारखंड प्रदुषण बोर्ड मुख्यालय रांची व क्षेत्रीय प्रदुषण कार्यालय दुमका के सुचना पट्ट पर व समाचार पत्रों में नोटिस प्रकाशित कर 83 पत्थर कारोबारियों को एक सप्ताह के भीतर व 40 पत्थर कारोबारियों को एक माह के भीतर अधिरोपित पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति जुमार्ना राशि जमा करने को कहा गया है अन्यथा पत्थर कारोबारियों के इकाइयों के विरुद्ध जल (प्रदुषण निवारण एवं नियंत्रण)अधिनियम,1974 एवं वायु(प्रदुषण निवारण एवं नियंत्रण)अधिनियम,1981 के संबंधित धाराओं के अन्तर्गत बंदी आदेश निर्गत करने का अल्टीमेटम दिया गया है.सुनवाई के दौरान झारखंड राज्य प्रदुषण बोर्ड ने एनजीटी से आग्रह किया की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति जुमार्ना राशि को सत्यापित व संशोधित किया गया है.इसे और स्पष्ट करने के लिए पुरक हलफनामा दायर करने की अनुमति एनजीटी से मांगा.जिसे स्वीकार करते हुए पुरक शपथपत्र दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय देते हुए एनजीटी ने इस मामले की अगली सुनवाई 13 फरवरी निर्धारित किया है.बताते चलें की एनजीटी ने जिले में संचालित अवैध खनन व स्टोन क्रशर पर पुर्ण रूप से रोक लगाने का आदेश पारित करते हुए जिले में हुए अवैध खनन व संचालित हुए अवैध स्टोन क्रशर के लिए राज्य सरकार को दोषी सरकारी पदाधिकारियों को चिन्हित कर एफआईआर दर्ज करने का भी आदेश बीते वर्ष पारित किया है. एनजीटी में ईडी ने जिले में हुए 1250 करोड़ से अधिक के अवैध खनन व परिवहन का किंगपिन राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा को बताते हुए जांच जारी रहने का हलफनामा दाखिल किया है.एनजीटी ने झारखंड राज्य प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड के तत्कालीन सदस्य सचिव राजीव लोचन बक्शी को वर्ष 2022 में सदस्य सचिव के पद से हटाने का आदेश पारित किया था जिसके पश्चात सरकार ने इन्हें हटा दिया.बीते अक्टूबर माह में सरकार ने इन्हें पुनःझारखंड प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड का सदस्य सचिव बना दिया.एनजीटी ने वर्ष 2019 में जिले के तत्कालीन डीसी,एसपी व डीएमओ के खिलाफ पचास-पचास हजार रुपए का जमानती वारंट निर्गत करते हुए दो-दो लाख रुपये का जुमार्ना भी लगा चुका है व एनजीटी के आदेश से जिले के सैंकड़ों स्टोन माईंस व क्रशर पर पुलिस-प्रशासन का हथौड़ा चल चुका है.एनजीटी के कड़े रूख व तल्ख तेवर के चलते पुलिस-प्रशासनिक पदाधिकारियों समेत पत्थर कारोबारियों व माफियाओं की सांसें अटकी हुई है.अब सभी की नजरें झारखंड राज्य प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड के द्वारा होने वाली कार्रवाई व 13 फरवरी की सुनवाई पर टिक गईं है.

साहिबगंज सिद्धों कान्हु सभागार में रबी कार्यशाला का आयोजन

साहिबगंज: सिद्धो कान्हू सभागार साहेबगंज में जिला स्तरीय रबी कार्यशाला का माननीय जिला परिषद अध्यक्षा मोनिका किस्कू एवं अपर समाहर्त्ता गौतम कुमार भगत द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी माननीय एवं पदाधिकारीगण का स्वागत प्रमोद एक्का, जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा किया गया ।इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी, साहेबगंज द्वारा विभाग में संचालित योजनाएं जैसेः- किसान समृद्धि योजना, मिट्टी नमूना संग्रह, बिरसा फसल विस्तार योजना, बीज विनिमय एवं वितरण योजना, झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, पी0 एम0 किसान योजना, लीफ कलर चार्ट योजना, बीज परीक्षण आदि योजनाओं के बारे में किसानों को जानकारी दी गई ।पावर प्वांइट प्रजेंटेशन के द्वारा शून्य बजट प्राकृतिक खेती के बारे में किसानों को अवगत कराया गया ।

मुख्य अतिथि द्वारा अधिक-से-अधिक किसानों को सरकार की योजनाओं से जोड़ने का निर्देश दिया गया । सभी किसानों का मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का लाभ देने हेतु मिट्टी नमूना संग्रह करने पर जो दिया गया । अपर समाहर्त्ता गौतम कुमार भगत द्वारा धान अधिप्राप्ति योजना अन्तर्गत 15000 नये किसानों का निबंधन ई-उर्पाजन पोर्टल पर कराने पर बल दिया गया ।ज्ञात हो कि लैम्पस/ पैक्स के माध्यम से रुपए 2400 प्रति क्वींटल की दर से कुल 200000 (दो लाख) क्वींटल धान क्रय किया जा रहा है । डी0डी0एम0, नाबार्ड, साहेबगंज द्वारा बताया गया कि ग्रुप या एफ0पी0ओ0 बनाकर बैंकों से लोन प्राप्त कर सकते है । एल0डी0एम0, साहिबगंज द्वारा बताया गया कि कृषि ऋण माफी योजना के तहत दो लाख रुपए तक लोन माफ करने का सरकार द्वारा आदेश प्राप्त है। अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों के द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई । इस कार्यशाला में मुख्य रूप से डा0 माया कुमारी, डा0 विरेन्द्र कुमार मेहता, कृषि वैज्ञानिक, अमितेष रंजन, जिला उद्यान पदाधिकारी अरूण कुमार भोगता, जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी राम प्रकाश कुमार, जिला कृषि अभियंता, अभिजीत शर्मा, सहायक मिट्टी रसायनज्ञ मंटू कुमार, उप परियोजना निदेषक आत्मा श्री कंचन कुमार सुमन, प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक आत्मा अजय कुमार पुरी, प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक, राजमहल के साथ-साथ सभी प्रखण्ड के प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक सहायक तकनीकी प्रबंधक,जनसेवक, कृषक मित्र, किसान उपस्थित हुए।

दीपक ने 100 प्रतिशत अंकों के साथ पास किया वर्ल्ड एथलेटिक्स का द्वारा आयोजित लेवल 2 का कोच की परीक्षा जर्मनी के कोच गुंटर लांगे द्वारा दिया गया प्रशिक्षण

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

अध्यक्ष जिला एथलेटिक्स संघ डॉ सुनील खवाड़े: यह देवघर के लिए काफी गर्व का विषय है दीपक के द्वारा जिला के खिलाड़ियों को नया अंतराष्ट्रीय स्तर का तकनीक सीखने को मौका मिलेगा, जिससे हमारे खिलाड़ियों में निखार आएगा और हमारे जिला के खिलाड़ी का राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। *आशीष झा सचिव जिला खेल प्राधिकरण* : दीपक शुरू से काफी प्रतिभावान खिलाड़ी रहे है और अब कोच के रूप में अपना परचम लहराया है। जिला एथलेटिक्स संघ से आग्रह होगा देवघर जिला में काफी प्रतिभा है , एक ऐसा टैलेंट हंट प्रोग्राम तैयार करें की ग्रामीण इलाके में छुपे प्रतिभा सामने आ सके।

खेलो इंडिया सेंटर कुमैठा देवघर के प्रशिक्षक दीपक कुमार ने नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला, पंजाब में 10 से 15 दिसंबर 2024 तक अयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स उएउर लेवल 2 (ढ्ढींॅ & छङ्खल्लॅ ङ्क्र३ल्लूी) कोचिंग कोर्स पास किया यह पूरा कोर्स जर्मनी के कोच गुंटर लांगे- द्वारा प्रशिक्षण दिया गया, -दीपक कुमार ने सभी विषयों में 100 प्रतिशत मार्क्स लाकर लेवल 3 के लिए क्वालिफाई किया,वही बताते चले की लेवल 3 की पढ़ाई विदेश में होती है।उम्मीद है 2025-26 में इसकी परीक्षा होगी, इस सफलता के लिए जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष डॉ सुनील खवाड़े , जिला ओलंपिक संघ के सचिव चन्दना झा, जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव मनोज मिश्र, जिला प्राधिकरण के सचिव आशीष झा , जिला ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष नवीन शर्मा,रवि केशरी, सुरेश शाह, कोच आलोक राठौर , नीतीश सिंह, बंटी नन्दन सिंह, लाली , प्रभाकर शांडिल्य, आशीष दुबे, गौरव, चंदन , रजनी, कैफ इत्यादि ने बधाई दी।

हिंदी विद्यापीठ में व्यवस्थापक के निधन पर शोक सभा आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर 16 दिसंबरः हिंदी विद्यापीठ के व्यवस्थापक, बीएड कॉलेज के चेयरमैन व तक्षशिला विद्यापीठ के एमडी पूर्व मंत्री डॉ. कृष्णानंद झा के निधन हो जाने के कारण विद्यापीठ परिसर स्थित तीनो संस्थानों में सोमवार को तीन दिनों के लिए अवकाश की घोषणा की गई। इससे पूर्व साढ़े 10 बजे हिंदी विद्यापीठ परिसर में तीनों संस्थानों के कुलसचिव व प्राचार्य समेत सभी कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने अपने अभिभावक स्व.झा के तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। मौके पर संस्था के कुलसचिव कौशल किशोर ठाकुर, डॉ. संजय कुमार खवाड़े, हिन्दीविद्यापीठ बीएड कॉलेज की प्राचार्या डॉ. आशा मिश्रा, उप प्राचार्या डा. रीतू रानी तथा तक्षशिला विद्यापीठ के प्रभारी प्राचार्य श्री शुभरो भट्टाचार्य ने तस्वीर पर माल्यार्पण किया। इस्के पश्चात सभी कर्मचारीगण तथा छात्र-छात्राओं ने अपने संस्थान प्रमुख की दिवंगत आत्मा की शांतिके लिए प्रार्थना की। इस बीच सबों ने दो मिनट का मौन

धारण कर स्व.झा की आत्मा को शांति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की। इस अवसर पर संस्थान के मीडिया प्रभारी शम्भू सहाय, साहित्य प्रेस प्रबंधक हिमांशु झा, कार्यालय अधीक्षक संजय कुमार व पंकज कुमार सिन्हा समेत सैकड़ों कर्मचारी व छात्र-छात्राएं मौजूद थी। शोकसभा के अंत मे कुलसचिव श्री ठाकुर ने विद्यापीठ द्वारा संचालित तीनो संस्थान में तीन दिनों की अवकाश की घोषणा किया।

केंद्रीय कारा देवघर में एनसीडी कार्यक्रम अंतर्गत राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का किया गया आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

डॉ युगल किशोर चौधरी, सिविल सर्जन, देवघर के निदेर्शानुसार जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी, डॉ मनोज कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में केन्द्रीय कारा, देवघर में एन०सी०डी० कार्यक्रम अंतर्गत रास्ट्रीय मानसिक स्वास्थय कार्यक्रम का आयोजन किया गया` उक्त कार्यक्रम में केन्द्रीय कारा के कैदियों एवं कर्मियों के लिए एक मानसिक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमे मानसिक रोग जैसे झ्र अवसाद, तनाव एवं चिंता से निपटने के लिए विस्तृत जानकारी दी गई उक्त कार्यक्रम की सुरुवात अधीक्षक, केन्द्रीय कारा, देवघर के द्वारा मानसिक स्वास्थय के बारे में उचित मार्गदर्शन एवं दिशानिर्देश दिया गया ।

वहीं मौके पर उपस्थित डॉ मनोज कुमार गुप्ता एवं डॉ राजीव रंजन राज ने बताया की सक्रिय रहना जितना शरीर के लिए अच्छा है उतना ही मस्तिष्क के लिए अच्छा है । नियमित व्यायाम या गतिविधि आपके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाव डाल सकती है और तनाव को दूर कर सकती है । साथ ही बताया गया कि यदि आपको कोई चिंता, तनाव या परेशानी है, तो उसे किसी ऐसे व्यक्ति के साथ साझा करना जो आपकी परवाह करता हो, आपके तंत्रिका तंत्र को शांत करने और तनाव दूर करने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। और इसके विपरीत कभी-कभी दूसरों को सुरक्षित और समर्थित तरीके से सुनना आपको व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद कर सकता है । यह महत्वपूर्ण है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे के विचारों को साझा करने और सुनने में सहज महसूस करें । उक्त कार्यक्रम में अधीक्षक, केन्द्रीय कारा, देवघर, रवि चन्द्र मुर्मू (डी०पी०ए०) , एम डी शरीफ (पी०एस०डब्ल्यू०) एवं अन्य उपस्थित थे ।

पुस्तक मेला समिति के सदस्यों द्वारा किया गया सारठ के नव निर्वाचित विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह का नागरिक अभिनंदन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर.स्थानीय दून पब्लिक स्कूल जो कि नंदन पहाड़ के नजदीक स्थित है वहां पे सारठ के नव निर्वाचित विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह का नागरिक अभिनंदन स्कूल के निर्देशक सर्वेश्वर प्रसाद सिंह के मार्ग दर्शन और पुस्तक मेला संयोजक डॉ सुभाष चंद्र राय के नेतृत्व में किया गया।।साथ हीं 11 जनवरी 2025 से 21 जनवरी 2025 तक चलने वाले पुस्तक मेला के लिए आमंत्रण पत्र और रश्मि रथी पुस्तक के साथ साथ समारिक भी भेट स्वरूप दिया।।साथ हीं पुस्तक मेला के संरक्षक के तौर पे दायित्व निभाने का आग्रह भी किया गया जिसे सहर्ष स्वीकारते हुए चुन्ना सिंह ने कहा कि ऐसे नेक कार्य के लिए दायित्व जो समिति ने दिया है उसे बखूबी निभाने का प्रयास पहले भी किया था और आगे भी बढ़ चढ़ कर करूंगा।इससे पहले सर्वेश्वर प्रसाद सिंह के द्वारा सर्व प्रथम पुष्प गुच्छ देकर उनका सम्मान किया गया।इसके उपरांत समिति के मेला प्रभारी आलोक मल्लिक सह मेला प्रभारी दीपक कुमार,बीरेंद्र सिंह,डॉ विजय शंकर,राजेश कुमार, राकेश राय,राम किशोर,अंजनी किशोर,जिम्मी,अभिषेक सूर्या,अंजनी सिंह, के द्वारा विधायक जी को माला और पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।समिति के संयोजक डॉ सुभाष चंद्र राय ने विधायक महोदय के तारीफ में कहा कि पुस्तक मेला के शुरूआत दौर से हीं उनका सहयोग मिलता रहा है उनके द्वारा दिए गए सम्मान की प्रशंसा भी किए।।जाने माने उद्घोषक राम सेवक सिंह गुंजन ने कहा कि विधायक जी हर एक जनता के हित के लिए 24 घंटे खड़े रहते है जो इनके शान में चार चांद लगा देता है।।बीरेंद्र सिंह ने समापन भाषण देते हुए कहा कि विधायक महोदय जनता के लिए सदा विधायक हीं रहे क्यों की जनता के समस्या के समाधान के लिए इनका जज्बा हीं इनको जनता ने आज फिर से सर्टिफिकेट के साथ पुनः विधायक बनाया ।। विधायक चुन्ना सिंह ने समिति के लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके इस सम्मान से अपने को इतना उजार्वान महसूस कर रहा हूं जैसे 60 वाट के ट्रांसफार्मर में 200 वाट का पावर आ गया और समिति द्वारा चलाए जा रहे इस नेक कार्य में कोई कमी ना आए इसके लिए सदा तैयार रहेंगे।।इस मौके पे समिति के करीब 50 से 60 लोग मौजूद थे।।

फाइलेरिया से ग्रसित लिंफोडेमा के रोगियों को एमएमडीपी किट एवं फाइलेरिया चप्पल निःशुल्क विवरण कैंप आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

जिला भीबीडी पदाधिकारी डॉ अभय कुमार यादव के निदेर्शानुसार देवघर जिला शहरी क्षेत्र अंतर्गत के विभिन्न वार्डों में फाइलेरिया से ग्रसित लिंफोडेमा के रोगियों को उनके प्रभावित अंगों की देखभाल एवं साफ सफाई हेतु रूग्णता प्रबंधन एवं विकलांगता रोकथाम (एमएमडीपी) किट सहित एमसीआर फाइलेरिया चप्पल का लाभूकों के बीच निःशुल्क वितरण जिला भीबीडी सलाहकार डॉ गणेश कुमार के द्वारा जिला भीबीडी कार्यालय, सिविल सर्जन एवं नया सदर अस्पताल, देवघर के सामने परिसर में किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग, देवघर द्वारा आजतक कुल 26 लिंफोडेमा के रोगियों को एमएमडीपी किट सहित एमसीआर फाइलेरिया चप्पल निःशुल्क विवरण किया है। किट वितरण के साथ इन्हें इसका उपयोग करने की विधि, अपने प्रभावित अंगों की देखभाल करने के विभिन्न तरीकों के साथ उचित व्यायाम करने के लिए भी आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया और बताया गया कि इसका नियमित रूप से प्रतिदिन सुबह एवं शाम में उपयोग करना हितकारी होगा। क्योंकि इस किट के उपयोग करने से इनके प्रभावित अंगों में होने वाली तकलीफों के साथ अपंगता के स्टेज में वृद्धि को रोका जा सकेगा। इसके साथ ही इन्हें मच्छरों के काटने से अपने-आपको बचाने के लिए हमेशा मच्छरदानी लगाकर सोनें, पूरे बदन के कपड़े पहनने के साथ-साथ अपने घर तथा आसपास में गंदगी व जल जमाव नहीं करने के साथ ही प्रत्येक सप्ताह अपने घर तथा आसपास में सूखा दिवस मनाने के लिए भी प्रेरित किया गया। इनसे अपील किया कि अपने आस-पास के फाइलेरिया से ग्रसित रोगियों को भी इसका लाभ लेने हेतु ज्यादा से ज्यादा रोगियों को कार्यालय भेजें। कार्ययोजना के अनुसार एमएमडीपी सह फाइलेरिया चप्पल का निःशुल्क वितरण 20 दिसंबर 2024 तक किया जाना है। आवश्यकतानुसार फाइलेरिया रोगी अपने समस्याओं के समाधान हेतु कार्यालय अवधि में श्री राकेश कुमार, एमपीडब्ल्यू के मोबाइल संख्या +918862978667 में पर संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

इधर फाइलेरिया उन्मूलन के उद्देश्य से सदर अस्पताल में हाइड्रोसील ऑपरेशन मेगा कैंप का लाभ उठाने हेतु आजतक कुल 22 मरीजों ने अपना निबंधन करा लिया है, जिसका सभी तरह का आवश्यक जांच आदि कराते हुए कल से आपरेशन करने की तैयारी किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला भीबीडी पदाधिकारी डॉ अभय कुमार यादव, उपाधीक्षक, सदर अस्पताल , देवघर डॉ प्रभात रंजन, जिला भीबीडी सलाहकार डॉ गणेश कुमार के साथ कांग्रेस मंडल, डीईओ, राकेश कुमार एमपीडब्ल्यू, नितीश कुमार एमपीडब्ल्यू सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

राजस्व शाखा से संबंधित कार्यों की समीक्षात्मक बैठक संपन्न

साहिबगंजः प्रशासक नगर परिषद अभिषेक कुमार सिंह की अध्यक्षता में नगर परिषद कार्यालय में राजस्व शाखा से संबंधित कार्यों की। समीक्षात्मक बैठक की गई।

बैठक में तहसीलदार एवं कर दरोगा को निर्देश दिया गया कि वह अपने वार्ड में भ्रमण करते हुए बिल्डिंग मटेरियल कंस्ट्रक्शन, (उ&ऊ) बोरिंग से संबंधित को रसीद काटना सुनिश्चित करें। सिटी मैनेजर को निर्देश दिया गया है कि टाउन में प्रचार- प्रसार करते हुए मोक्ष वाहन, पानी टंकी, सेप्टिक टैंक क्लीनर किसी को भी आवश्यकता हो तो कार्यालय में आवेदन देते हुए निर्धारित शुल्क जमा करें।नगर परिषद क्षेत्र में जितने भी बकाया होल्डिंग धारक के उसे निर्देश दिया जाता है कि 31 दिसंबर, 2024 तक अपना बकाया होल्डिंग राशि अपना नगर परिषद कार्यालय की जन सुविधा केंद्र में जमा करना सुनिश्चित करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

किसानों को जोड़ा जाएगा -ई नाम पोर्टल से

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक-16.12.2024 को कृषि उत्पादन बाजार समिति, देवघर में राहुल कुमार, पणन सचिव के अध्यक्षता में देवघर जिले के एफ.पी.ओ के साथ एक बैठक आहूत की गई जिसमें भारत सरकार के महत्वाकांक्षी योजना ई-नाम के बारे में विस्तृत जानकारी संतोष कुमार, स्टेट कोडिनेटर, रांची द्वारा दी गई। साथ ही किसानों के हितकारी कार्य के लिए ई-नाम से जोड़ने एवं व्यापार का बढ़ावा देने और लेन-देन को पारदर्शी रूप में करने के साथ किसानों के उपज का सही मुल्य सीधे उनके खाते में पहुंचान हेतु विषय पर गहन चर्चा किया गया। एफ.पी.ओ. द्वारा भी ई-नाम पोर्टल पर कार्य करने अभीरूचि दिखाई गई साथ ही किसानों को अपने उपज बेचने हेतु कृषि उत्पादन बाजार समिति, देवघर में लाने एवं व्यापार करने के लिए किसानों के साथ बैठक कर बाजार समिति, देवघर में ई-नाम पोर्टल से जाड़ने के लिए कार्य करने की सहमति दिया गया।

सीआईएसएफ जवान का शव आते ही धर में मचा कोहराम

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद/ जिले के रफीगंज प्रखंड में शहर के न्यू एरिया मुहल्ला में सीआईएसएफ जवान का शव आते ही कोहराम मच गया। न्यू एरिया निवासी भोला सिंह के 40 वर्षीय पुत्र चितरंजन सिंह सीआईएसएफ यूनिट बोकारो स्टील प्लांट मे सब इंस्पेक्टर पद पर पदस्थापित थे। मृतक के पिता भोला सिंह ने बताया कि बीमारी के कारण बोकारो के अस्पताल मे ईलाज के दौरान मौत हो गयी। सोमवार की शाम सब इंस्पेक्टर राकेश कुमार एवं सुजीत लकडा ने तिरंगा में लिपटा पार्थिव शरीर लेकर पहूंचे। शव आते ही काफी संख्या मे लोग पहूंचे।

माता श्यामपरी देवी, पिता भोला सिंह एवं पत्नी मनोरमा देवी समेत अन्य परिजनों का रो-रोकर कर बुरा हाल था। पुरे मुहल्ला में कोहराम मच गया। मृतक एसआई चितरंजन कुमार सिह का पैतृक घर आंती थाना क्षेत्र के गौरी बिगहा है। लगभग आठ वर्षों से रफीगंज के न्यू एरिया के वार्ड 14 में मकान बनाकर सभी परिवार रह रहे थे। मृतक के एक 14 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार एवं चार वर्षीय पुत्री अनवी कुमारी है। शव आने के बाद दाह-संस्कार के लिए परिजन गया के विष्णुपद ले गये।

भाजपा के पूर्व युवा नेता आकाश उर्फ एपी ने वरियय पत्रकार के पितृ शोक पे गहरा शोक प्रकट की है

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद / गया जिले के उतरी लक्खीबाग निवासी दैनिक भास्कर के पत्रकार अजय सिंह के पिता सर्वगीयय जनार्द सिंह जी के 78 वर्ष की आयु में निधन हो जाने पर गहरा शोक प्रकट की है! मलिकायिन इंटरप्राइजेज के संस्थापक सह युवा समाजसेवी आकाश उर्फ एपी ने बताया कि वो इनकम टैक्स विभाग में प्रशशक अधिकारी के रूप में अपना सेवा प्रदान किया। वह 2007 अपनी सेवा इमानदारी पुर्वक निभाया ! उनका निधन से समाज को बहुत नुकसान हुआ है, हमने एक युग को खो दिया! भगवान उनको आत्मा को शांति प्रदान करे, और परिवार के लोगो को हिम्मत और हौसला दे, ! वही शोक प्रकट करने वाले भाजपा की जिला महिला उपाध यक्ष अन्नू बरनवाल, छोटकू तमाम लोग शामिल हैं!

अपर समाहर्ता- सह-अध्यक्ष डिजिटल मासिक पत्रिका संग्रहण समिति, औरंगाबाद की अध्यक्षता में बैठक किया गया।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद/ जिले के अपर समाहर्ता श्री ललित भूषण रंजन- सह-अध्यक्ष डिजिटल मासिक पत्रिका संग्रहण समिति, औरंगाबाद की अध्यक्षता में अपने कार्यालय कक्ष में जिले के विभिन्न विभागों की उपलब्धियां को प्रचार प्रसार के उद्देश्य से डिजिटल मासिक पत्रिका के माध्यम से संग्रहण हेतु बैठक आहूत आयोजित की गई।

इस बैठक में जिला पदाधिकारी के निदेर्शानुसार जिले के विभिन्न विभागों के उपलब्धियां को डिजिटल मासिक पत्रिका के माध्यम से प्रचार प्रसार के उद्देश्य से अपर समाहर्ता औरंगाबाद की अध्यक्षता में 7 सदस्य समिति, डिजिटल मासिक संग्रहण समिति, का गठन किया गया है।

बैठक में अपर समाहर्ता द्वारा समिति के सचिव जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को जिले के विभिन्न विभाग यथा आपदा, कल्याण, वन विभाग, जीविका, पंचायती राज बाल संरक्षण इत्यादि विभाग से समन्वय स्थापित कर प्रत्येक महीने जिले के कल्याणकारी योजनाओं का उपलब्धियां को संग्रहण करने का निर्देश दिए। साथ ही साथ संपूर्णता अभियान से संबंधित चारों प्रखंडों (मदनपुर, देव नबीनगर, एवं कुटुंबा) के प्रखंड समन्वयक को जिले के सभी प्रखंड स्तरीय उपलब्धियां को संग्रह करने का निर्देश दिए। उक्त बैठक में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्रीमती श्वेता प्रियदर्शी, सहायक आपदा पदाधिकारी सुश्री अंतरा कुमारी, सुश्री पिंकी कुमारी प्रखंड समन्वयक (एबीपी), मदनपुर, स-श्री आसमा राणा प्रखंड समन्वयक (एबीपी), कुटुंबा, श्रीमती नेहा सिन्हा प्रखंड समन्वयक (एबीपी), नवीनगर, श्री सचिन मौर्य प्रखंड समन्वयक (एबीपी),देव उपस्थित रहे।

सरकार के खिलाफ शक्ति प्रदर्शन करने उतरी कांग्रेस ने जमकर बोला हमला

भोपाल

भाजपा सरकार की वादाखिलाफी, भ्रष्टाचार, अनुसूचित जाति-जनजाति, महिलाओं, बच्चियों के उत्पीड , किसानों की समस्या, बेरोजगारी सहित अन्य मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने शक्ति प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता राजधानी के जवाहर चौक पर जुटे। कांग्रेस नेताओं ने यहां सभा की। हालांकि यहां से विधानसभा घेराव के लिए नहीं जा सके। सभा के बाद कांग्रेस नेताओं ने मंच पर ही गिरफ्तारी दी। यहीं से उन्हें रिहा भी कर दिया गया। पुलिस की ओर से कहा गया कि विधानसभा सत्र चल रहा है, धारा 144 लागू है। ऐसे में विधानसभा की ओर जाना निषेध है। जिसके बाद कांग्रेस नेताओं ने मंच पर ही गिरफ्तारी दी। कांग्रेस के प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ भी पहुंचे हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव भी उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए कमल नाथ ने कहा कि प्रदेश की तस्वीर आप सबके सामने हैं। दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि मध्य प्रदेश की पहचान घोटाला प्रदेश की है। हर क्षेत्र में घोटाला है। कमलनाथ ने कहा कि मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था 70 प्रतिशत तक कृषि क्षेत्र पर आधारित है। किसानों के साथ कितना अन्याय है। खाद की बात, बीज की बात, सही दामों पर खरीदने की बात। कितना अन्याय हमारे किसानों के साथ हुआ है। बहुत बड़ा राजनीतिक परिवर्तन हुआ है। इस राजनीतिक परिवर्तन को आप पहचानिए। जब तक आप घर घर नहीं जाएंगे बीजेपी कभी मुकाबला नहीं कर पाएंगे। सभी भोपाल के जवाहर चौक पर एकत्र हुए इसके बाद आगे बढ़े। इधर खाद की खाली बोरियां लेकर कांग्रेस विधायक विधानसभा में पहुंचे। यहां उन्होंने गांधी प्रतिमा के सामने जमकर नारेबाजी की। सचिन यादव ने कहा कि प्रदेश का किसान खाद नहीं मिलने की वजह से परेशान है। 12 साल पहले जो सोयाबीन के दाम थे आज भी वही मिल रहे हैं। एक तो खाद नहीं मिल रहा, दूस-रा ब्लैक में नकली खाद बेचा जा रहा है। सरकार को घुटने पर लाएंगेः लांबा महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा कि सरकार को बने हुए एक साल के ऊपर हो गया है। आधी आबादी यानी महिलाओं से सुरक्षा का वायदा था। एक साल में कितनी बहनें सुरक्षित हुईं? रीवा में इनको जिंदा गाड` की हिम्मत दबंगों ने दिखाई है। उज्जैन में नाबालिग बेटी को लहूलुहान हमने देखा है। बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। कौन सी बहन को साढ़े 400 रुपए में गैस सिलेंडर मिल रहा है, जिसकी गारंटी मोदी जी ने दी थी। महंगाई, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा इन मुद्दों पर हम सरकार को घुटनों पर लाएंगे। खाद की समस्या बढ़ गई हैः बरैया विधायक फूल सिंह बरैया ने कहा कि भाजपा सरकार में अनुसूचित जाति और जनजाति के विरुद्ध अत्याचार हो रहा है। ऐसे में महिलाओं को लाड़ली बहना कहना उचित नहीं है। खाद की समस्या बढ़ गई है। विधायक ओमकार सिंह मरकाम ने कहा कि भाजपा सरकार पांच वर्ष नहीं चलेगी, पर इसके लिए हम सभी को खड़े होना होगा। किसानों में हाहाकार मचा हैः नटराजन पूर्व लोकसभा सदस्य मीनाक्षी नटराजन ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान किसानों की आय दोगुनी करने की बात कर रहे थे, लेकिन किसानों में हाहाकार मचा हुआ है। पूरे देश में संविधान की बात हो रही है तो मध्य प्रदेश में महिलाओं बच्चों के साथ उत्पीड हो रहा है। भाजपा ने कहा था प्रतिमाह 3000 रुपये लाड़ली बहनों को देंगे पर उनके साथ अन्याय हो रहा है।

किसान को दाम मिले, बेरोजगारों को काम मिले और महिलाओं को सम्मान मिले। प्रदेश सरकार के पास समय नहीं है कि गरीबों का चेहरा देख सके, उनकी सुनवाई कर सके। पुलिस ने कांग्रेस नेताओं की ट्रैक्टर रैली को रोका इससे पहले सुबह करीब 11 बजे पार्टी विधायक भोपाल में रेडक्रॉस हॉस्पिटल के सामने शिवाजी चौराहे पर इकट्ठा हुए। वे यहां से ट्रैक्टर रैली के जरिए विधानसभा जाना चाह रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें शिवाजी नगर चौराहे के पास ही रोक लिया। दूसरे जिलों से आ रहे कांग्रेस नेताओं को रोका दूसरे जिलों से आ रहे कांग्रेस नेताओं को रोकने के लिए पुलिस ने भोपाल से लगी सडकों पर बैरिकेड्स लगाए थे। राजगढ़ जिले से आए कार्यकताओं को पुलिस ने रोका तो जिला पंचायत अध्यक्ष चन्दर सिंह राजगढ़ की अधिकारियों से बहस हो गई।

24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ को लेकर भूमि पूजन सह ध्वजारोहण किया गया

मंडरो : मिजाचौकी दुर्गा मंदिर परिसर में 24 कुंडिय गायत्री महायज्ञ को लेकर भूमि पूजन सह ध्वजारोहण किया गया । इस संबंध में गायत्री परिवार की प्रखंड समन्वयक सुप्रिया वर्णवाल ने बताया कि शांतिकुंज हरिद्वार टोली द्वारा 24 दिसंबर से 27 दिसंबर तक गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। जिसमें गायत्री शक्तिपीठ साहिबगंज एवं शांतिकुंज हरिद्वार की प्रखंड पंडितों के तत्वावधान में यह संपन्न किया जाएगा इसमें अन्नप्राशन ,मुंडन ,पठन , उपनयन संस्कार एवं बिराट पुस्तक मेला का आयोजन किया जाएगा।

अद्री नदी बचाओ आंदोलन का का शुभारंभ डुमरी बालूगंज अद्री नदी घाट से पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया गया संयोजक - अनिल कुमार सिंह

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद / जिले में रविवार को अद्री नदी बचाओ आंदोलन का संयोजक अनिल कुमार सिंह के द्वारा शुभारंभ डुमरी बालूगंज अद्री नदी घाट से पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया गया तत्पश्चात उपस्थित लोगों के बीच में एक सभा की आयोजन किया गया कार्यक्रम के अध्यक्षता समाजसेवी दिलीप सिंह एवं संचालन उदित विश्वकर्मा जी ने किया आपको बता दे किया अदरी नदी बचाओ आंदोलन 7 दिनों तक चलेगा प्रथम दिन शुभारंभ डुमरी बालूगंज नियामतपुर बेढ़ना के गांव में अदरी नदी बचाओ रथ के द्वारा कार्यकताओं के साथ भ्रमण किया गया और लोगों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिए पहल की गई यह अभियान जिले वासियों को नदी की जलधारा को संरक्षित रखने प्रदूषण कम करने और पर्यावरणीय से संकट से बचाने के उद्देश्य से चलाया गया इस अभियान में स्थानीय नागरिकों के अलावा जिले वासियों से विभिन्न सामाजिक संगठन के लोग शामिल रहे अदरी नदी जो पिछले कुछ लोग कुछ वर्षों से प्रदूषण और अव्यवस्थित शहरीकरण के कारण गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है जिससे प्रदूषण अवस्थित कचरा फेंकने जल प्रदूषण के कारण नदी का जलस्तर लगातार घट रहा है और पानी की गुणवत्ता घट रही है जिससे लोगों में गंभीर बीमारियां पनप रही है इसी कारण यह अदरी नदी बचाओ आंदोलन संस्थाओं द्वारा एकजुट होकर इस अभियान की गई इस कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम कुमार सिंह अजीत कुमार सिंह संजय

सज्जन सिंह अजय श्रीवास्तव मनोज कुमार सौम्या पूर्व मुखिया जुलेखा खातून पूर्व अशोक सिंह पूर्व विक्रांत प्रताप सिंह भाजपा महिला मोर्चा के अध्यक्ष अनीता सिंह भाजपा जिला प्रवक्ता दीपक कुमार सिंह महिला मोर्चा के जिला महामंत्री गुड़िया सिंह प्रवक्ता सुबह अग्रवाल पूजा सिंह सुनीता देवी संगीता देवी नीतू देवी अनीता देवी अधिवक्ता विजय प्रसाद निराला रघुनाथ राम संजय सिंह विश्वा गुप्ता मनीष गुप्ता सिकंदर सिंह चंदन सिंह शत्रुघ्न सिंह मुन्ना अरविंद कुमार विकास बारूद मधेश्वर सिंह तुलसी सिंह कैलाश पासवान गुड्डू कुमार रामस्वरूप मेहता मिथिलेश वर्मा उग्रह मेहता जितेंद्र सिंह नारायण सिंह पिंटू तिवारी सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

पीरू पंचायत में रोगी हितधारक मंच के गठन के लिए खुली बैठक किया गया

रिपोर्ट- निशांत कुमार

औरंगाबाद/ जिले के हसपुरा प्रखंड में राज्य से फाइलेरिया उन्मूलन को गति देने के लिए स्वास्थ्य विभाग के पहल पर प्रखंड के पीरू पंचायत में रोगी हितधा-रक मंच के गठन के लिए खुली बैठक किया गया। बीते सोमवार को हुए खुली बैठक का अध्यक्षता पीरू पंचायत के मुखिया गोपाल सिंह ने किया। बैठक का नेतृत्व सीएचओ नीतू कुमारी ने किया।रोगी हितकारी मंच के गठन के पूर्व हुए खुली बैठक में फाइलेरिया बीमारी का विस्तृत चर्चा किया गया।इसके उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे सरकारी योजनाओं और जागरूकता अभियान के बारे में बताया गया।चर्चा के बाद मंच के गठन के लिए सभी का सहमति लिया गया। अध्यक्षता करते हुए कहा की मंगलवार को आयोजित होने वाले ग्राम सभा में फाइलेरिया उन्मूलन पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।सीएचओ ने बताया की एचडब्ल्यूसी स्तर पर ही एमएमडीपी किट बांटी जाएगी। पीएसपी के माध्यम से फाइलेरिया मरीज को चिह्नित किया जाएगा। आंगनबाड़ी सेविका अपने केंद्र पर होने वाली गतिविधियों पर फाइलेरिया के बारे में चर्चा करेंगी, ताकि सर्वजन दवा सेवन अभियान के दौरान लोगों को दवा खाने के लिए जागरूक किया जा सके।बैठक मे एएनएम किरण कुमारी , शिक्षक शारदा कुमारी , सेविका मालती देवी,एएफ चिंता कुमारी, आशा नीलम कुमारी,मुनी कुमारी, बसंती देवी के अलावा ग्रामीण उपस्थित थे।

तेजस्वी यादव बहुत नॉन सीरियस पॉलीटिशियन : सुशील कुमार सिंह

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद । औरंगाबाद के चार बार सांसद रहे सुशील कुमार सिंह ने कहा है कि तेजस्वी यादव बहुत नॉन सीरियस पॉलिटिशियन हैं पर लालू जी के बेटे हैं तो चल रहा है । बिहार में जब भी सुखा, बाढ़ या आपात स्थिति आती है तो यह विदेश घूमने चले जाते हैं ।

पूर्व सांसद ने रविवार को पत्रकारों से बात चित करते हुए लालू और तेजस्वी पर जमकर हमला बोला । पूर्व सांसद ने नीतीश की यात्रा पर लालू प्रसाद के कमेंट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा की लालू , लालू हैं । वह कुछ भी बोल सकते हैं लेकिन मसखरेपन की भी कुछ सीमा होनी चाहिए । लालू खुद सीएम और केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं उनका इस तरह से मुख्यमंत्री की यात्रा पर टिप्पणी करना

निहायत निंदनीय है । वह विपक्ष के नाते आलोचना करने का अधिकार रखते हैं लेकिन इस तरह की अभद्र टिप्पणियां उन्हें शोभा नहीं देती है ।

नीतीश कुमार द्वारा बड़ी मात्रा में राशि खर्च किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री सिंह ने कहा कि आज तेजस्वी को यह बात बुरी लग रही है कि बिहार की जनता का पैसा बिहार की जनता के लिए खर्च हो रहा है लेकिन उन्हें उसे वक्त बुरा नहीं लगता था जब उनके माता जी /पिताजी की सरकार में जनता का पैसा लूट लिया जाता था ।

दर्जनों घोटाले हुए थे और सारा पैसा लालू प-रवार की जेब में जाता था । यह पैसा कभी किसी कमजोर गरीब या एम- वाई समीकरण के लोगों या किसी यादव के पास नहीं गया बल्कि सारा का सा-रा पैसा लालू प्रसाद यादव के परिवार की जेब में गया. तब तेजस्वी को बुरा नहीं लगा लेकिन अब जब बिहार का पैसा बिहार की महिलाओं गरीबों यु-वाओं पिछड़े वर्ग पर खर्च हो रहा है तो तेजस्वी को बुरा लग रहा है।

जिला पदाधिकारी के अध्यक्षता में पंचायती राज विभाग से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित किया गया

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद/ जिला पदाधिकारी के अध्यक्षता में समाहरणालय के सभा कक्ष में पंचायती राज विभाग से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाईट योजना के तहत अबतक निर्गत कार्यादेश एवं उनके आलोक में लगाये गये सोलर स्ट्रीट लाईट, ग्राम पंचायतों एवं पंचायत समितियों के ऑनलाईन अंकेक्षण में हुई प्रगति, पंचायत सरकार भवन के निर्माण की प्रगति, महालेखाकार पटना के अंकेक्षण दल द्वारा अंकेक्षण के उपरांत दर्ज आपत्तियों का निराकरण में हुई प्रगति, षष्टम राज्य वित्त आयोग एवं पन्द्रहवी वित्त आयोग के अर्न्तगत प्राप्त आवंटन, ली गई योजनाओं एवं उनके भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की गयी। समीक्षोपरान्त सभी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारियों को उपर्युक्त सभी योजनाओं एवं कार्यों को ससमय पूर्ण करने का निदेश दिया गया। इस बैठक में श्री इफ्तेखार अहमद, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, औरंगाबाद, श्री अनुपम कुमार निदेशक, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, औरंगाबाद एवं श्री विनोद कुमार, अपर जिला पंचायत राज पदाधिकारी तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सोनू सूद ने अहमदाबाद मैराथन का नेतृत्व किया, प्रशंसकों ने #DrugFreeFuture के लिए फतेह टी-शर्ट पहनी।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

राष्ट्रीय नायक सोनू सूद ने अहमदाबाद में गिफ्ट सिटी आरंभ मैराथन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया, उन्होंने नशा मुक्त भविष्य के लिए जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक शक्तिशाली कारण-संचालित कार्यक्रम का नेतृत्व किया। सुबह 4:30 बजे आयोजित, यह मैराथन का तीसरा सीजन था, जिसमें फतेह थीम वाली टी-शर्ट पहने सैकड़ों प्रतिभागियों ने भाग लिया और इस उद्देश्य का समर्थन किया।

नशा मुक्त भविष्य को बढ़ावा देने के लिए समर्पित यह मैराथन, सोनू सूद के स्वस्थ, नशा मुक्त समाज के मिशन के साथ जुड़ा हुआ था, विशेष रूप से युवा दर्शकों को लक्षित करते हुए।

इस कार्यक्रम में बोलते हुए, सोनू सूद ने कहा, ह्लइतने सारे लोगों को इतने महत्वपूर्ण उद्देश्य के लिए एकजुट होते देखना बहुत खुशी की बात है। गिफ्ट सिटी आरंभ मैराथन एक स्वस्थ, नशा मुक्त भविष्य की ओर एक कदम है, और यह याद दिलाता है कि सामूहिक कार्रवाई कितनी शक्तिशाली हो सकती है। फतेह की रिलीज की तैयारी करते हुए, मुझे उम्मीद है कि यह फि ल्म डिजिटल दुनिया में हमारे सामने आने वाली अनदेखी चुनौतियों के बारे में महत्वपूर्ण

बातचीत को भी बढ़ावा दे सकती है। जागरूकता और सतर्कता दोनों ही क्षेत्रों में महत्वपूर्ण हैं, और इस तरह की पहलों के माध्यम से, हम सभी के लिए एक सुरक्षित, बेहतर भविष्य की दिशा में काम कर सकते हैं।ह्व मैराथन में मुख्य अतिथि के रूप में अपनी भूमिका के अलावा, सोनू सूद ने गुजरात में स्थानीय मीडिया से जुड़ने का भी अवसर लिया। सोनू सूद द्वारा निर्देशित और लिखित, फतेह का निर्माण जी स्टूडियो के तहत उमेश के.आर. बंसल और शिव सागर शक्ति के तहत सोनाली सूद द्वारा किया गया है, जिसमें अजय धामा सह-निमार्ता हैं। जैकलीन फर्नांडीज, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह सहित शानदार कलाकारों से सजी यह फिल्म 10 जनवरी 2024 को रिलीज होने वाली है।

धर की तलाशी के क्रम में एक किलो 800 ग्राम गांजा बरामद,एक व्यक्ति को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद/ जिले के रफीगंज प्रखंड में पुलिस ने चरकावां निचला डीह में एक व्यक्ति के यहां घर पर छापामारी किया। यहां घर के आंगन एवं चारदीवारी में अवैध रूप से लगाए गए गांजे के 32 हरे पेड़ को काटकर जप्त किया गया। साथ ही घर की तलासी के क्रम में एक किलो 800 ग्राम गांजा बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस ने राजीव रंजन कुमार को थाना लाया। थानाध्यक्ष के बयान पर राजीव रंजन को नामजद आरोपी बनाते हुए प्राथमिकी दर्ज कर विधिवत गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष गुफरान अली ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि चरकावां निचली डीह में राजीव रंजन कुमार व्यापक पैमाने पर गांजे की खेती करता है और गांजे का कारोबार करता है। सूचना मिलते ही अंचलाधिकारी भारतेंदु कुमार, एसआई कुशो कुमार, गीतांजलि कुमारी, ध्रुव कुमार, परमजीत कुमार, मुक्ति देव निराला दल बल के साथ पहुंचे।

महिलाओं पर तालिबान और हिंदुत्ववादी राष्ट्रवाद की कैसी राय?

>> विचार

"जिहाद शब्द का इस्तेमाल मुस्लिम अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। लव जिहाद से शुरूहोकर कोरोना जिहाद, लैंड जिहाद, यूपीएससी जिहाद आदि की बातें की जा रही हैं। यह सही है कि मुसलमानों को निशाना बनाने के अलावा भारत में धार्मिक कट्टरतावाद के अन्य लक्षण उतने स्पष्ट नहीं दिखलाई दे रहे हैं। मगर उनके अस्तित्व से इंकार नहीं किया जा सकता। जहां तक महिलाओं का प्रश्न है, सती प्रथा पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है। देश में सती की आखिरी घटना 1980 के दशक का रूपकुंवर कांड था। लेकिन फिर भंवरी देवी मामले में ऊंची जाति के बलात्कारी को अदालत ने यह कहते हुए बरी कर दिया कि भला कोई ऊंची जाति का व्यक्ति नीची जाति की महिला से बलात्कार कैसे कर सकता है।

राम पुनियानी

तवलीन सिंह एक जानी-मानी स्तंभ लेखक हैं। गत 8 दिसंबर 2024 को द इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित उनके कॉलम में उन्होंने अफगानिस्तान में महिलाओं के चिकित्सा विज्ञान पढ़ने पर प्रतिबंध की चर्चा की है। यह प्रतिगामी कदम उठाने के लिए उन्होंने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार की बहुत तीखे शब्दों में आलोचना की है और यह ठीक भी है। इसी स्तंभ में उन्होंने यह भी लिखा है कि वामपंथी-उदारवादी तालिबान के प्रति सहानुभूति का रूख रखते हैं। यह कहना मुश्किल है कि उदारवादी-वामपंथियों के तालिबान और ईरान (जहां के शासकों की भी महिलाओं के बारे में वैसी ही सोच है) के प्रति रूख के बारे में तवलीन सिंह की टिप्पणी कितनी सही है। तवलीन सिंह ने उन लोगों की भी आलोचना की है जो हिन्दू राष्ट्रवादियों की नीतियों और कार्यक्रमों की तुलना तालिबान से करते हैं। हिन्दू राष्ट्रवादियों और तालिबान की नीतियाँ और कार्यक्रमों में परिमाण या स्तर का फर्क हो सकता है, मगर दोनों में मूलभूत समानताएँ हैं। तालिबान, खाड़ी के कई देशों और ईरान की महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण एक-दूसरे से मिलते-जुलते हैं परंतु एकदम एक समान नहीं हैं। बल्कि किन्हीं भी दो देशों की नीतियां एकदम एक-सी नहीं हो सकतीं। परंतु सैद्धांतिक स्तर पर हम उनमें समानताएं ढूंढ सकते हैं। इन देशों में धार्मिक कट्टरता में बढ़ोत्तरी की शुरुआत 1980 के दशक में ईरान में अयातुल्लाह खुमैनी के सत्ता में आने के साथ हुई। खुमैनी ने ईरान का सामाजिक-राजनैतिक परिदृश्य पूरी तरह से बदल दिया। धार्मिक कट्टरता से क्या आशय है? धार्मिक कट्टरता से आशय है चुनिंदा धार्मिक परंपराओं को राज्य की सत्ता का उपयोग कर समाज पर जबरदस्ती लादना। कई बार यह काम सरकार की बजाए वर्चस्वशाली राजनैतिक ताक़तों द्वारा किया जाता है। जो परंपराएं लादी जाती हैं वे अक्सर प्रतिगामी, दकियानूसी और दमनकारी होती हैं। इस दमन का शिकार महिलाओं के साथ-साथ समाज के अन्य कमजोर वर्ग भी होते हैं। धार्मिक कट्टरता स्वयं को मज़बूत करने के

लिए हमेशा एक भीतरी या बाहरी दुश्मन की तलाश में रहती है। अधिकांश खाड़ी के देशों में निशाने पर महिलाएं हैं। कई देशों में "शैतान अमेरिका" दुश्मन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। जो भी दुश्मन चुना जाता है, समाज और देश की सारी समस्याओं के लिए उसे ही दोषी ठहरा दिया जाता है। जर्मनी में जन्मे फासीवाद और धार्मिक कट्टरतावाद में यह एक समानता है। जर्मनी में देश की सारी समस्याओं के लिए यहूदियों को जिम्मेदार ठहरा दिया गया और उनके खिलाफ नफरत इस हद तक पैदा कर दी गई कि जर्मनी के लोग यहूदियों के कत्लेआम को भी नजरअंदाज करने लगे। और यह सब केवल सवीच्च नेता की सत्ता को मजबूती देने के लिए किया गया था। फासीवाद और धार्मिक कट्टरतावाद में एक और समानता है- महिलाओं के प्रति उनका दृष्टिकोण। फासीवादी जर्मनी में कहा जाता था कि महिलाओं की भूमिका रसोईघर, चर्च और बच्चों तक सीमित है। दूसरे देशों में भी धार्मिक कट्टरतावाद, महिलाओं पर कुछ इसी तरह के प्रतिबंध लगाता है। हिन्दू राष्ट्रवादियों के निशाने पर मुसलमान और कुछ समय से ईसाई भी हैं। हमने पिछले कुछ दशकों में साम्प्रदायिक हिंसा को भयावह ढंग से बढ़ते देखा है। साम्प्रदायिक हिंसा का परिमाण भी बढ़ा है और उसके तौर-तरीके अधिक व्यापक और खतरनाक बन गए हैं। पहले अयोध्या में एक मस्जिद को ढहाने का भयावह कृत्य किया गया। उसके बाद जमकर खून-खराबा हुआ और अब हर मस्जिद के नीचे मंदिर ढूंढा जा रहा है। इसके अलावा गाय और गौमांस के मुद्दे पर लिंचिंग हो रही है और गौरक्षकों की पूरी एक सेना खड़ी हो चुकी है। ''जिहाद' शब्द का इस्तेमाल मुस्लिम अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। लव जिहाद से शुरू होकर कोरोना जिहाद, लैंड जिहाद, यूपीएससी जिहाद आदि की बातें की जा रही हैं। यह सही है कि मुसलमानों को निशाना बनाने के अलावा भारत में धार्मिक कट्टरतावाद के अन्य लक्षण उतने स्पष्ट नहीं दिखलाई दे रहे हैं। मगर उनके अस्तित्व से इंकार नहीं किया जा सकता। जहां तक महिलाओं का प्रश्न है, सती प्रथा पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है। देश में सती की आखिरी घटना 1980 के दशक का रूपकुंवर कांड था। लेकिन फिर भंवरी देवी मामले में ऊंची जाति के बलात्कारी को अदालत ने यह कहते हुए बरी कर दिया कि भला कोई ऊंची जाति का व्यक्ति नीची जाति की महिला से बलात्कार कैसे कर सकता है। यह मानसिकता जाति प्रथा से उपजी है। हिंदू राष्ट्रवादी नीतियों को बारीकी से देखने पर यह समझ में आता है कि वे मूलतः महिला विरोधी हैं। जैसे लव जिहाद की अवधारणा को लें। यह परिवार के पुरूष सदस्यों को 'उनकी' महिलाओं और लड़कियों पर नजर रखने का एक बहाना देता है। जो लोग लव जिहाद का विरोध करते हैं वे ही लड़कियों को जींस नहीं पहनने देना चाहते। हिंदू राष्ट्रवादियों के हिंसा के प्रति दृष्टिकोण की झलक हमें बिलकिस बानो मामले से मिलती है। इस मामले में बलात्कार और हत्या के दोषियों का जेल से रिहा होने पर स्वागत किया गया था। यह अच्छा है कि अदालत ने उन्हें वापिस जेल भेज दिया। गोवा की एक महिला प्रोफेसर, जिसने मंगलसूत्र की तुलना जंजीर से की थी, को गाली-गलौच का सामना करना पड़ा।' मनुस्मृति' को आदर्श बताया जाता है।

तवलीन सिंह हिंदू राष्ट्रवादियों के हमलों को हिंदू धार्मिकता बताती हैं। यह एकदम गलत है। उन्होंने स्वयं जय श्रीराम न कहने पर तीन मुसलमानों की चप्पलों से पिटाई का उदाहरण दिया है। क्या यह धार्मिकता है? ऐसी घटनाओं को 'धार्मिकता' बताना, धार्मिक कट्टरतावाद से उनके जुड़ाव को छिपाना है। मुस्लिम कट्टरतावाद को जिहादी इस्लाम कहना भी ठीक नहीं है। मुस्लिम कट्टरतावाद के कई स्वरूप हैं। मिस्र और कई अन्य देशों में उसे मुस्लिम ब्रदरहुड कहा जाता है। फिर ईरान की अयातुल्लाह सरकार तो है ही। धार्मिकता तो उसे कहते हैं जिसका आचरण लाखों-करोड़ों हिंदुओं द्वारा अन्य धर्मों के लोगों के साथ रहते हुए सदियों से किया जा रहा है। इसी ने भारत को बहुवादी और विविधवर्णी देश बनाया है। हिंदू राष्ट्रवाद की वर्तमान नीतियां सावरकर और गोलवलकर की विचारधारा पर आधारित हैं। ये दोनों उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष से उपजे भारतीय राष्ट्रवाद के कटु विरोधी थे। बीसवीं सदी के महानतम हिंदू महात्मा गांधी को बहुवादी भारत का पक्षधर होने की कीमत अपने सीने पर गोलियां खाकर चुकानी पड़ी। तवलीन इस 'धार्मिकता' से नफरत करती हैं। मगर उन्हें यह समझना चाहिए कि जिहादी इस्लाम और इस्लामिक कट्टरतावाद भी इसी रास्ते से उभरा था। राजनीति को धर्म से जोड़ा जाता है और फिर धर्म के नाम पर राजनीति पूरे समाज को बर्बाद कर देती है। भारत में अभी यही हो रहा है। चाहे वह मस्जिदों पर दावा करना हो, मुसलमानों के घरों पर बुलडोजर चलाना हो, तृप्ता त्यागी द्वारा मुस्लिम विद्यार्थियों को पिटवाना हो या मांसाहारी भोजन स्कूल में लाने के लिए बच्चों को स्टोर में बंद करना हो या फिर मंगलौर में पब से बाहर आ रही लड़कियों की पिटाई लगाना हो - ये सब उसी का नतीजा है जिसे तवलीन सिंह 'धार्मिकता' कहती हैं।

संपादकीय

लोकतंत्र और समृद्ध हो

केंन्द्रीय मंत्रिमंडल की 'एक देश-एक चुनाव' विधेयक को मंजूरी से स्पष्ट हो गया है कि मोदी सरकार देश में एक साथ चुनाव की अवधारणा को धरातल पर लाने के लिए संकल्पित है। विधेयक संसद में पेश करने की तैयारी के बीच विपक्षी पार्टियों के विरोध के स्वर भी उठने लगे हैं। यह जानते हुए भी कि देश में एक साथ चुनाव की व्यवस्था कोई पहली बार लागू नही होगी। आजादी के बाद वर्ष 1967 तक लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही कराए गए थे। यह सिलसिला उस समय टूटा, जब 1968-69 में कुछ राज्यों की विधानसभाएं समय से पहले भंग कर दी गईं। सिलसिला नही टूटता तो अमरीका, फ्रांस, कनाडा, स्वीडन जैसे देशों की तरह भारत में भी एक साथ चुनाव हो रहे होते। 'एक देश-एक चुनाव' विधेयक एक तरह से टूटी कडियों को फिर से जोडने का प्रयास है। हालांकि विपक्ष का कहना है कि एक साथ चुनाव कराना लोकतंत्र और संविधान की भावना के प्रतिकूल होगा। देश की विशाल आबादी को देखते हुए यह व्यावहारिक नही होगा। विपक्ष के इन तर्कों का कोई ठोस आधार नजर नही आता। जब जीएसटी के रूप में 'एक देश-एक कर' का सफल प्रयोग हो चुका है तो 'एक देश-एक चुनाव' की व्यवस्था भी लागू की जा सकती है। इस व्यवस्था की जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही है, क्योंकि चुनाव कराना बेहद महंगा हो गया है। भारी खर्च के अलावा बार-बार चुनाव से देश का विकास भी बाधित होता है। हर पांच-छह महीने में अलग-अलग राज्यों में चुनाव से आचार संहिता के कारण जनहित वाली सरकारी घोषणाएं रोकनी पडती हैं। सरकारी मशीनरी हमेशा इलेक्शन मोड में बनी रहती है। पांच साल में एक बार चुनाव होंगे तो सरकारें विकास कार्यों पर ज्यादा फोकस कर सकेंगी। इसके बावजूद 'एक देश-एक चुनाव' को लेकर क्षेत्रीय पार्टियों के विरोध को सिरे से खारिज नही किया जा सकता। उनके इस तर्क में दम है कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होने से मतदाताओं के मन पर राष्ट्रीय मुद्दे हावी हो सकते हैं। स्थानीय मुद्दे दरकिनार होने से राज्यों के विकास पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। एक साथ चुनाव में यह व्यवस्था किस तरह की जाए कि लोकसभा और विधानसभा के चुनाव अलग-अलग मुद्दों पर लड़े जाएं, यह सरकार के सामने बड़ी चुनौती होगी। इसके लिए गहन चर्चा और व्यापक चुनाव सुधार अभियान भी जरूरी है। जनप्रतिनिधित्व कानून में सुधार के साथ कालेधन पर अंकुश, दागी नेताओं पर रोक और मतदाताओं में राजनीतिक जागरूकता के प्रयास होने चाहिए, ताकि लोकतंत्र और समृद्ध हो

जागो और जागरूक जीवन जिओ

सुंदर चंद ठाकुर

अगर हम कुछ नहीं जानते तो हम यह जानते हुए पूरा जीवन निकाल सकते हैं कि हम सब कुछ जानते हैं। लेकिन अगर हम वाकई जानते हैं तो हम यह मानेंगे कि हम कुछ नहीं जानते और पूरा जीवन कुछ सीखने की प्रयास करते रहेंगे। दुनिया में ज्यादातर लोग इस भ्रम का शिकार हैं कि वे सबकुछ जानते हैं। क्योंकि कुछ न जानते हुए भी उन्हें लगता है कि वे सबकुछ जानते हैं इसलिए वे हमेशा टकराव में बने रहते हैं। उनके साथ भी जो उनकी तरह कुछ नहीं जानते और समझते हैं कि सब जानते हैं और उनके साथ भी जो वाकई जानते हैं। ज्ञान की आंखों के खुलने का पहला प्रमाण यह अनुभूति है कि हम कुछ नहीं जानते। एक बार एक व्यक्ति एक जेन साधु के पास पहुंचा। वह उस साधु से बहुत कुछ सीखना चाहता था। कुछ देर बातचीत के बाद जेन साधु ने अपने उस मेहमान के लिए चाय मंगाई और वह केतली से कप में चाय उड़लने लगे। कप भर गया लेकिन फिर भी वे चाय उड़लते रहे। यह देखकर उस व्यक्ति के मुंह से निकला- अरे रे रे, ये क्या कर रहे हैं साधु महाराज। कप तो भर चुका है। अब आप उसमें चाय क्यों डालते जा रहे हैं। उसकी बात सुनकर साधु रुके और बोले- यह मानते हो न कि कप में चाय डालने के लिए जरूरी है कि कप में जगह रहे। भरे हुए कप में चाय डालने से वह बाहर ही गिरेगी। वही बात मैं तुम्हें बताना चाहता था कि अगर मुझसे ज्ञान पाना चाहते हो, तो अपना दिमाग खाली करके आओ। उसमें पहले ही बहुत सारा ज्ञान भरा हुआ है। इस भरे दिमाग में मैं जो भी ज्ञान दूंगा वह बाहर ही गिरेगा। जिसने भी अपने जीवन को जाना उसने जागने की बात की। जागने की क्रिया शुरू ही इस अहसास से होती है कि हम कुछ नहीं जानते। इस संसार में लोग कई-कई तरह की बेहोशी के मारे हैं। किसी को अपने शारीरिक सौष्ठव का नशा है। वह शरीर को ही सबकुछ मानने की बेहोशी में जीवन जिए जा रहा है। किसी को अपने खानदान के मान-सम्मान, उसकी धन-संपदा का नशा है। वह मान-सम्मान और धन-संपदा की बेहोशी में जिए जा रहा

है। किसी को अपने ताकतवर पद का नशा है। वह पद की बेहोशी में जिए जा रहा है। यह अधूरा जीवन है। जब तक आप हर तरह के नशों से, हर तरह की बेहोशी से मुक्त नहीं हो जाते, तब तक आप अधूरा जीवन जीते हैं। जीवन का कमल जब पूरी तरह खिल जाता है, तो उसकी सुंदरता ही कुछ और हो जाती है। वह इतना सुंदर होता है कि सारी आंखें उसी ओर उठने लगती हैं। एक जागा हुआ जीवन जिम्मेदारियों से भरा हुआ जीवन होता है। अपने प्रति जिम्मेदारी। अपने से जुड़े लोगों के प्रति जिम्मेदारी। समाज, राष्ट्र और इस पृथ्वी के प्रति जिम्मेदारी। बुद्ध इस हद तक का जागा हुआ जीवन जीना चाहते थे कि एक बार आनंद के साथ चलते हुए अचानक एक मक्खी उनके चेहरे के आगे आकर भिनभिनाई तो उन्होंने झटके से हाथ से उसे उड़ा दिया। कुछ आगे जाने के बाद उन्होंने मक्खी उड़ाने का फिर से वही एक्शन किया पर इस बार हाथ को बहुत धीमे से उठाकर घुमाया। आनंद ने देखा तो पूछा- हे बुद्ध, पहले तो आपने मक्खी उड़ाने के लिए हाथ घुमाया था, पर अभी तो कोई मक्खी न आई थी, फिर क्यों हाथ घुमाया। बुद्ध बोले- जब मक्खी आई तो मैंने अनायास बेहोशी में हाथ हिला दिया। मैं जरा होश में और पूरे बोध में रहकर हाथ हिलाने का अभ्यास कर रहा था। आज इसी बोधपूर्ण, इसी जागरूक जीवन की जरूरत है। एक बार जीवन में ऐसा जागरण आ गया, तो अपने आप सारी मुश्किलें, सारी समस्याएं दूर होने लगेंगी। और यह लाभ सिर्फ आप तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि आपसे जुड़े लोगों और जगत तक भी पहुंचेगा।

'सिंकदर' टीजर रिलीज डेट : सलमान खान के फैंस को भाईजान के जन्मदिन पर मिलेगा तोहफा

कनिका सिंह

ए.आर. के डायरेक्शन में बनी साजिद नाडियाडवाला की फिल्म 'सिकंदर' की घोषणा हो चुकी है। मुरुगादॉस और सलमान खान की इस फिल्म ने दर्शकों के बीच धूम मचा दी है। इस मेगा प्रोजेक्ट ने अपनी अनाउंसमेंट के बाद से ही लोगों का ध्यान खींचा है और इसकी रिलीज को लेकर फैंस के बीच एक्साइटमेंट अपने चरम पर है। अब, लगातार बढ़ते उत्साह को बढ़ाते हुए साजिद नाडियाडवाला ने सलमान खान के फैंस के लिए उनके जन्मदिन पर एक गिफ्ट की घोषणा की है। सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' के टीजर की रिलीज की तारीख की घोषणा हो चुकी है, जो 27 दिसंबर 2024 है। आखिरकार, दर्शकों को 'सिकंदर' की एक झलक मिलेगी, क्योंकि साजिद नाडियाडवाला ने टीज़र की रिलीज़ डेट का खुलासा कर दिया है। 27 दिसंबर 2024 को लॉन्च होने वाला यह टीज़र सलमान खान के फैंस के लिए एक खास जन्मदिन गिफ्ट है। इसी दिन सलमान अपना बर्थडे मनाते हैं। सबसे बड़े सुपरस्टारों में से एक होने के नाते सलमान खान की बड़ी संख्या में फैन फॉलोइंग है जो बड़े पर्दे पर उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनके जन्मदिन पर उनकी फिल्म 'सिकंदर' का टीज़र जारी होने के साथ, यह उनके फैंस के लिए किसी सेलिब्रेशन से कम नहीं होगा। इस घोषणा ने इस खास

मौके पर सिकंदर की झलक देखने का उत्साह और बढ़ा दिया है। नाडियाडवाला ग्रैंडसन की बनाई, एआर मुरुगादॉस के डायरेक्शन में बनी 'सिकंदर' में सलमान खान और रश्मिका मंदाना लीड रोल्स में हैं। एक्शन से भरपूर यह फिल्म ईद 2025 वीक के लिए फिक्स है। ये ईद पर रिलीज हो सकती है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।

–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

–जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

–पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।

–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान खना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं
अनिद्रा के रोगी

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

गांजा की तस्करी में महिला समेत दो गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मध्य जिले की स्पेशल स्टाफ पुलिस ने एक अभियान चलाकर महिला समेत दो लोगों को गांजा की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस को 28 किलोग्राम गांजा, दो मोबाइल फोन, 56 हजार से ज्यादा की नकदी और दो ट्रॉली बैग बरामद किए हैं। जानकारी के मुताबिक एक सूचना पर पुलिस ने रात करीब 12 बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के नजदीक कुतुब रोड स्थित डेसू पिकेट के पास एक व्यक्ति को दबोच लिया। इस आरोपित की पहचान गौरव सोनकर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसकी तलाशी के दौरान एक ट्रॉली बैग व अन्य थैलों में रखा 24.85 किलोग्राम गांजा बरामद कर किया गया। एक अन्य घटना में दिल्ली पुलिस ने गली संख्या 10, तालीवालान बस्ती, आनंद पर्वत इलाके की एक महिला गंगा देवी को भी तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है।

जुआ खेलने के आरोप 18 गिरफ्तार, 12 लाख से अधिक की नकदी बरामद

नई दिल्ली। मध्य जिले की स्पेशल स्टाफ ने दो स्थानों से जुआ खेलने के आरोप में 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 12.2 लाख रुपये नकद, 19 मोबाइल फोन, आठ गड्डी ताश के पत्ते व सट्टा पर्ची आदि बरामद किया है। मध्य जिले के डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि वेस्ट पटेल नगर व गली हनुमान मंदिर, नबी करीम में गैंबलिंग रैकेट चलने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस की अलग-अलग टीमों ने दोनों स्थानों पर छापेमारी की और लोगों को जुआ खेलते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। छापेमारी के दौरान वेस्ट पटेल नगर से 13 को लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें संगठित रूप से रैकेट चलाने वाले सरगना रोहित महाजन व यशपाल उर्फ सोनू के अलावा संपत्ति मालिक पंकज भी शामिल हैं। उन्होंने बताया एक अन्य मामले में पुलिस ने गली हनुमान मंदिर, नबी करीम में छापा मार पांच लोगों को जुआ खेलने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने मुठभेड़ के बाद बदमाश को दबोचा

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के अमन विहार थाना पुलिस ने शनिवार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार बदमाश की पहचान राजकुमार उर्फ राज के रूप में हुई है। मुठभेड़ में आरोपित के दाहिने पैर में गोली लगी है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से एक पिस्टल, दो कारतूस व चोरी की एक बाइक बरामद की है। पुलिस ने मौके से कारतूस के चार खोखे बरामद भी किए हैं। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल के मुताबिक, गत दिनों 20 मिनट के अंदर झपटामारी की दो वारदातों की जांच में पुलिस ने सुल्तानपुरी निवासी एक बदमाश रोहित उर्फ डाटला को गिरफ्तार किया था। इससे पूछताछ में पुलिस को पता चला कि उसका एक साथी राजकुमार उर्फ राज भी उक्त वारदातों में शामिल था। आरोपित से पूछताछ के दौरान पुलिस ने राजकुमार के बारे में जानकारी जुटानी शुरू की तो शनिवार को पुलिस को राजुकमार के सेंट्रल पार्क, अमन विहार में आने की सूचना मिली। पुलिस ने तत्काल मौके पर जाल बिछाया और थोड़ी ही देर बाद बाइक से आरोपित मौके पर आया। पुलिस ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो राजकुमार ने पुलिस पर गोली चला दी और भागने की कोशिश करने लगा। आत्मरक्षा में पुलिस की फायरिंग में आरोपित के दाहिने पैर में गोली लगी। इसके बाद घायल राजकुमार को गिरफ्तार कर पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद मौके पर क्राइम व एफएसएल की टीमों को भी मौके पर जांच के लिए बुलाया गया। टीमों ने मौके से सभी जरूरी सुराग जुटा लिए हैं।

अरविन्द केजरीवाल छात्रों की सुरक्षा और स्कूलों की व्यवस्था दुरस्त करें: देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविन्द केजरीवाल का राजधानी की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था के संदर्भ में भाजपा की केन्द्र सरकार के गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर समय मांगना पूरी तरह राजनीतिक ड्रामा हैदेवेन्द्र यादव ने एक बयान में अरविन्द केजरीवाल से पूछा कि क्या हर गतिविधि और घटनाओं का राजनीतिकरण करना सही है? जब दिल्ली में सरकार आपकी, स्कूल आपके, संस्थान आपके, मेट्रो आपकी, बसें आपकी हैं, फिर इनमें बम होने की घटना के लिए कुछ जिम्मेदारी तो दिल्ली सरकार की भी है। जहां सुरक्षा गार्ड और व्यवस्था दिल्ली के अधीन है। उन्होंने कहा कि दिल्ली कांग्रेस मांग करती है कि दिल्ली के बिगड़ते हालात की जिम्मेदारी लेते हुए अरविन्द केजरीवाल तुरंत प्रभाव से मुख्यमंत्री आतिशी का इस्तीफा लें। क्योंकि सरकार आतिशी नहीं, अरविन्द केजरीवाल द्वारा चला रहे हैं। देवेन्द्र यादव ने कहा कि रिजर्व बैंक को बम से उड़ाने की धमकी, देश की गरिमा और सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न लगाती है। क्या साइबर क्राइम इस कदर हावी है कि हमारी पुलिस और खुफिया एजेंसियां ऐसे असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण करने के लिए असहाय और असफल दिखाई पड़ती हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की नाक के नीचे पिछले एक सप्ताह में 9, 13 और 14 दिसम्बर को 30-40 स्कूलों में बम होने की खबर और स्कूलों को उड़ाने की धमकी, देश भर में 170 विमानों में बम की धमकी पूरी तरह से दिल्ली सरकार और केन्द्रीय सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत दिल्ली पुलिस की नाकामी है।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति दिसानायके ने विदेश मंत्री, एनएसए, वित्त मंत्री से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सार्थक बातचीत की। सितंबर में श्रीलंका के राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण करने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के दौरान, तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर आज शाम नयी दिल्ली पहुंचे श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने एक्स न्यूज को पोस्ट में कहा कि ये कार्यक्रम दोनों देशों के बीच साझेदारी को गहरा करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि भारत की मेरी आधिकारिक यात्रा के दौरान, मुझे वित्त सीतारमण, विदेश मंत्री एस

जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोभाल के साथ सार्थक चर्चा में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि हमारी बातचीत भारत-श्रीलंका आर्थिक सहयोग को मजबूत करने, निवेश के अवसरों को बढ़ावा देने, क्षेत्रीय सुरक्षा बढ़ाने और पर्यटन एवं ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित थी। ये अनुबंध हमारे दोनों देशों के बीच साझेदारी को गहरा करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।

आज रात विदेश मंत्री जयशंकर और एनएसए श्री अजीत डोभाल के साथ आपसी हित के मामलों पर सार्थक चर्चा हुई। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया कि भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा की शुरुआत में राष्ट्रपति दिसानायके से मुलाकात करते हुए प्रसन्नता महसूस हो रही है। श्रीलंका भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और सागर आउटलुक दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। आशा है कि कल प्रधानमंत्री मोदी के साथ बातचीत से ज्यादा विश्वास और गहरा सहयोग प्राप्त होगा। इससे पहले आज शाम को श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके भारत की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर पहुंचे।

रमेश पहलवान और उनकी पत्नी ने थामा आआपा का दामन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी तेजी से चल रही है। इसके साथ ही राजनीतिक दलों के बीच नेताओं का आना-जाना भी तेज हो गया है। दिल्ली के कस्तूरबा नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 147 की निगम पार्षद कुसुम लता ने अपने पति रमेश पहलवान के साथ आआपा में औपचारिक रूप से शामिल होकर भाजपा से अपना नाता तोड़ा।

कुसुम लता और रमेश पहलवान का आआपा में लौटना एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना है। कुसुम लता, जो कुछ समय पहले भाजपा से चुनाव लड़ी थीं, ने आआपा में शामिल होने के बाद इस बात को स्पष्ट किया कि वह अरविंद केजरीवाल की विचारधारा से काफी प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, सचमुच आआपा सभी के हित के बारे में सोचती है। मैं आज अपने आपको बहुत सौभाग्यशाली समझती हूं कि मैं केजरीवाल जी के साथ जुड़ रही हूं। इस कार्यक्रम दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने अरविंद केजरीवाल ने रमेश और कुसुम लता का स्वागत किया और उनकी वापसी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पहले ये हमारे कार्यकर्ता थे, किन्हीं कारणों से 7 साल पहले इन्हें आम आदमी पार्टी छोड़नी पड़ी थी, लेकिन आज इनकी घर वापसी ने हमें खुशी दी है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक भी मौजूद रहे। वहीं, रमेश पहलवान, जो पहले आआपा के नेता रहे थे और कुछ समय के लिए भाजपा में भी रहे, ने कहा, मैं कस्तूरबा नगर विधानसभा का निवासी हूं और दिल्ली के दिल की धड़कन केजरीवाल जी के साथ खड़ा हूं।

दिल्ली में आठ दिवसीय 'वामा कला प्रदर्शनी' का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्लीदिल्ली पर्यटन विभाग के विशेष सचिव मोहम्मद अहसन आबिद ने यहां आठ दिवसीय 'वामा कला प्रदर्शनी' का उद्घाटन किया।सांस्कृतिक शाखा साहित्य की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार,दिल्ली सरकार की सांस्कृतिक इकाई दिल्ली साहित्य कला परिषद की ओर से दिल्ली त्रिवेणी कला संगम की श्रीधरनी गैलरी में 14-21 दिसंबर तक यह प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। इसमें दिल्ली की 20 प्रतिष्ठित महिला कलाकारों की उत्कृष्ट कलाकृतियां शामिल हैं। इसका उद्देश्य, समावेशिता और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देते हुए कला जगत में महिलाओं के योगदान का जश्न मनाना एवं उन्हें सशक्त करना है। दिल्ली के कला, संस्कृति मंत्री सौरभ भारद्वाज ने महिला कलाकारों की सराहना करते हुए कहा, दिल्ली हमेशा से कला-अभिव्यक्ति का केंद्र रही है और यह प्रदर्शनी महिला

कलाकारों की अपार प्रतिभा को बढ़ावा देने और उसका जश्न मनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वामा सिर्फ एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि उन महिलाओं को पहचानने और सशक्त बनाने का एक मंच है जो अपनी रचनात्मकता के माध्यम से हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करती हैं।

पद्मश्री से सम्मानित मप्र की जोधइया बाई बैगा का 86 साल की उम्र में निधन

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले को दुनिया भर में अपनी चित्रकारी से पहचान दिलाने वाली प्रसिद्ध बैगा आदिवासी चित्रकार और पद्मश्री से सम्मानित जोधइया बाई बैगा का निधन हो गया है। वे बीते कुछ महीनों से बीमार थीं और उम्र अधिक होने और न्यूरो से संबंधित जटिलताओं के कारण उनके स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आ रही थी, जिसके चलते उनकी हालत गंभीर हुई थी। उन्होंने आज 86 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। उमरिया के जनसम्पर्क कार्यालय ने सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी पुष्टि की है। जनसम्पर्क कार्यालय द्वारा ट्वीट के माध्यम से बताया गया है कि उमरिया जिले की शान आदिवासी चित्रकार जोधइया बाई का 86 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। बैगा चित्रकला को देश विदेश तक

पहुंचाने में उनका बड़ा योगदान था। वर्ष 2023 में राष्ट्रपति ने उन्हें चित्रकला में विशेष योगदान के लिए पद्म श्री पुरस्कार दिया था। बीते महीने जोधइया बाई को न्यूरोलॉजिस्ट, नेफ्रोलॉजिस्ट और कार्डियोलॉजिस्ट की जरूरत थी, जो उमरिया जिला अस्पताल में उपलब्ध नहीं थे। उन्हें एंबुलेंस से जबलपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया था, लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हो पाया। भोजन नहीं कर पाने के कारण उनका शरीर और अधिक दुर्बल हो गया था। अपने पैतृक ग्राम लोढ़ा स्थित निज निवास पर उनका निधन हो गया। गौरतलब है कि उमरिया जिले के छोटे से गांव लोढ़ा में रहने वाली जोधइया बाई जंगल से खाद, जलाऊ लकड़ी और मेवे बेचकर अपने परिवार का गुजर-बसर करती थीं।

जब वह चालीस वर्ष की थीं, तब उनके पति की मृत्यु हो गई। इसके बाद उन्होंने पेंटिंग का काम शुरू किया। उनकी कलात्मक शैली की तुलना जंगढ़ सिंह श्याम से की जाती थी, जो गोंड थे। कैनवास और कागज पर पेंटिंग करने के बाद, वह अब मिट्टी, धातु और लकड़ी जैसे अन्य मीडिया का भी उपयोग करती थीं।

मोदी ने अनुपालन प्रक्रियाओं को आसान बनाने की राज्यों से की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य सरकारों से सरकारी नियमों के अनुपालन प्रक्रियाओं को आसान बनाने की अपील की है।श्री मोदी ने कहा कि अनुपालन प्रक्रियाओं की जटिलताओं के कारण नागरिकों को प्रायः परेशानी का सामना करना पड़ता है। श्री मोदी राजधानी में मुख्य सचिव के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। तीन दिन का यह सम्मेलन संपन्न हुआ।

प्रधानमंत्री ने राज्य सरकारों को राजकाज के वर्तमान मॉडल में सुधार करने तथा जन भागीदारी को बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने सुधार, समाधान और परिवर्तन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि लोगों तक सरकार की विभिन्न पहलुओं की सूचना भी पहुंचनी चाहिए। मोदी ने पुनर्चक्रण आधारित अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित किए जाने पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि गोवर्धन कार्यक्रम आज ऊर्जा का एक बड़ा स्रोत बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि कचरे को कंचन बनाने कि यह पहल बूढ़े पशुओं को भी एक संपत्ति बना रही है जो पहले भर समझ जाते थे।उन्होंने राज्यों के स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक कचरा के पुनर्चक्रण के विषय में परियोजना को

व्यावसायिक दृष्टिकोण से व्यावहारिक बनाने के लिए सरकारी सहायता की अवधारणा के बारे में भी सोच रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक कचरा आने वाले समय में और बढ़ेगा और इसके पुनर्चक्रण से उपयोगी संसाधन तैयार किया जा सकते हैं। उन्होंने केंद्र सरकार के फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत मोटापे के खिलाफ अभियान को एक चुनौती के रूप में स्वीकार किए जाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि हृष्ट-पुष्ट भारत ही विकसित भारत हो सकता है। प्रधानमंत्री ने इस फॉर्म में पुरानी पांडुलिपियों के डिजिटल संस्करण तैयार किए जाने के लिए राज्यों में कदम उठाए जाने, प्रधानमंत्री गतिशक्ति को निरंतर अधिकतम बनाने और इसमें पर्यावरणीय प्रभाव और आपदा- प्रमाण क्षेत्र संबंधी संकेतों को भी शामिल करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिलों और प्रखंडों में कुशल अधिकारियों की नियुक्ति से जमीनी स्तर पर बड़े बदलाव आ सकते हैं और इसका बहुत बड़ा आर्थिक सामाजिक लाभ प्राप्त हो सकता है श्री मोदी ने इस अवसर पर देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को याद किया और कहा कि वह प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। उन्होंने पटेल की आज पुण्यतिथि और यह वर्ष उनका 150वां जयंती वर्ष होने का उल्लेख करते हुए कहा कि दो वर्ष सरदार पटेल की याद विशेष रूप से मनाई जानी चाहिए।

'गांधी के प्रेरणास्रोत थे स्वामी रामकृष्ण और विवेकानंद'

एजेंसी

नई दिल्ली। बंगाल के ख्यातिप्राप्त संत शिरोमणि स्वामी रामकृष्ण परमहंस और उनके प्रमुख शिष्य स्वामी विवेकानंद के बीच के रिश्ते के बारे में पूरी दुनिया जानती है। पर बहुत कम लोग जानते हैं कि ये दोनों महान विभूतियां महात्मा गांधी की प्रेरणास्रोत थीं और गांधी जी तीव्र इच्छा के बावजूद स्वामी विवेकानंद से कभी मिल नहीं पाये।महात्मा गांधी पर श्री रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद के गहन लेकिन अनदेखे प्रभाव पर प्रकाश डालने का काम डॉ. निखिल यादव ने अपनी शोध परक पुस्तक 'गांधी पर रामकृष्ण-विवेकानंद आंदोलन का प्रभाव' में किया है जिसका लोकार्पण यहां दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह-संपर्क प्रमुख भरत अरोड़ा और डॉ. राज कुमार फलवारिया और डॉ. अनन्या अवस्थी विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवेकानंद केंद्र, उत्तर क्षेत्र के संघचालक श्री मानस भट्टाचार्य ने की। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और शोध विद्वानों

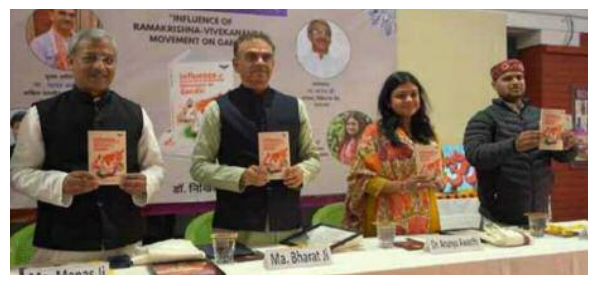

के साथ-साथ शिक्षाविदों, आध्यात्मिक नेताओं और भारत की दार्शनिक परंपराओं में गहरी रुचि रखने वाले विद्वानों के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक विरासत से जुड़े नागरिक समाज के प्रतिष्ठित सदस्य उपस्थित थे।लेखक डॉ. निखिल यादव रामकृष्ण-विवेकानंद परंपरा के एक प्रतिष्ठित विद्वान और वर्तमान में विवेकानंद केंद्र उत्तर क्षेत्र के उप प्रमुख हैं।

पुस्तक के अनुसार गांधीजी के मन में न केवल स्वामी विवेकानंद से मिलने की तीव्र इच्छा थी, जो पूरी नहीं हो पायी। गांधी जी ने विवेकानंद की रचनाओं को पढ़ा और रामकृष्ण मिशन का दौरा भी किया, जिसकी स्थापना स्वामी विवेकानंद ने अपने गुरु श्री रामकृष्ण के सम्मान में की थी। डॉ. निखिल यादव ने पुस्तक का परिचय देते हुए कहा कि श्री रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी के जीवन और शिक्षाओं पर अलग-अलग व्यापक शोध और अध्ययन किए गए हैं।

दिल्ली विधानसभा में 14 सीएजी रिपोर्ट्स को पेश करने के लिए विशेष सत्र बुलाए सरकार: भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता और भाजपा विधायकों की ओर से दिल्ली हाई कोर्ट में दायर एक याचिका के बाद दिल्ली सरकार ने आनन-फानन में 497 दिन के बाद रिपोर्ट्स को उपराज्यपाल को भेज दी है।

इस याचिका के माध्यम से सीएजी रिपोर्ट को विधानसभा में प्रस्तुत करने के निर्देश देने की मांग की है। इस मामले में अब विपक्ष के नेता ने दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र तुरंत बुलाने की मांग की है। जिसमें 14 सीएजी रिपोर्ट्स को न केवल प्रस्तुत किया जाए बल्कि इन पर विस्तार से चर्चा हो। इसके अलावा रिपोर्ट्स के निष्कर्षों की जांच के लिए विशेष समितियां बनाई जाएं और इस अभूतपूर्व देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की जनता को यह जानने का पूरा हक है कि उनके पैसे का उपयोग कैसे हुआ। सीएजी रिपोर्ट्स को दबाने का यह जानबूझकर किया गया प्रयास वित्तीय कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार को छिपाने की साजिश है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने सीएजी की अहम रिपोर्ट्स को 497 दिन तक जानबूझकर दबाए रखा और केवल दिल्ली हाई कोर्ट के संभावित प्रतिकूल आदेश के दबाव में इन्हें अब प्रस्तुत किया। इन रिपोर्ट्स को आखिरी क्षण में प्रस्तुत करना साफ दिखाता है कि सरकार जवाबदेही से बचने और वित्तीय गड़बड़ियों को छिपाने के प्रयास में लगी थी। गुप्ता ने कहा कि 497 दिन से लंबित 14 सीएजी रिपोर्ट्स की सूची, जिन्हें आआपा सरकार की वित्त मंत्री व मुख्यमंत्री आतिशी ने उपराज्यपाल सचिवालय में प्रस्तुत किया गया है।

उन्होंने कहा कि रिपोर्ट्स को दबाने का यह मामला इसलिए और गंभीर हो जाता है क्योंकि इनमें से 14 में से 11 रिपोर्ट्स उस समय के हैं, जब अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री थे। ये रिपोर्ट्स सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन, दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की कार्यप्रणाली, दिल्ली में शराब की आपूर्ति और नियमन, राज्य के वित्तीय मामलों और राजस्व, आर्थिक, सामाजिक और सामान्य क्षेत्रों से संबंधित अहम मुद्दों को कवर करती हैं।

गुप्ता ने कहा कि कुछ रिपोर्ट्स अगस्त 2023 से ही मंत्रियों की मेज पर धूल फांक रही हैं, जो संविधानिक दायित्वों और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति पूरी लापरवाही को उजागर करती है। यह चिंताजनक है कि इन रिपोर्ट्स में मोहल्ला क्लीनिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना का विस्तृत ऑडिट, डीटीसी की कार्यप्रणाली, राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों की परफॉर्मेंस और वाहनों से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम व कमी जैसे मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 497 दिन की अभूतपूर्व देरी ने यह दिखा दिया है कि दिल्ली की शासन व्यवस्था में वित्तीय जवाबदेही पूरी तरह ठप हो चुकी है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके तीन दिवसीय भारत यात्रा पर आज नई दिल्ली पहुंचे। केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन ने उनका स्वागत किया। श्रीलंका का राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद यह उनकी पहली अन्तरराष्ट्रीय यात्रा है। उनके आगमन की जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि उनकी यात्रा से दोनों देशों के नागरिक केंद्रित साझेदारी और सशक्त होगी। दिसानायके 15 से 17 दिसंबर तक तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर भारत आये हैं। अपनी यात्रा के दौरान दिसानायके भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उनका बौद्ध गया जाने का भी कार्यक्रम है। राष्ट्रपति दिसानायके की यात्रा के बारे में श्रीलंका के कैबिनेट प्रवक्ता और स्वास्थ्य मंत्री नलिंदा जयतिसा ने भी बताया राष्ट्रपति के साथ विदेश मंत्री विजिता हेराथ और वित्त उप मंत्री अनिल जयंता फर्नांडो भी होंगे। उल्लेखनीय है कि दिसानायके इसी साल सितम्बर माह में श्रीलंका के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे। उसके बाद भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपनी कोलंबो यात्रा के दौरान 04 अक्टूबर को उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया था।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय गृहमंत्री को लिखा पत्र, दिल्ली में रोहिंग्या शरणार्थियों को बसाने का लगाया आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि 'केंद्र सरकार ने बिना किसी जानकारी के दिल्ली में बड़ी संख्या में अवैध रोहिंग्या शरणार्थियों को बसाया है, जबकि दिल्ली सरकार और जनता को इस मामले से पूरी तरह अंजान रखा गया। मुख्यमंत्री आतिशी ने गृहमंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखकर कई सवाल पूछे हैं। आतिशी ने इस पत्र में ही उक्त आरोप लगाया है। आतिशी ने अपने पत्र में लिखा कि, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी का ट्वीट भी इस बात को साफ करता है कि कैसे जानबूझकर भाजपा शासित केंद्र सरकार ने रोहिंग्याओं को दिल्ली में बसाया गया और बक्करवाला के ईडब्लूएस फ्लैट्स, जो दिल्ली के गरीबों के लिए थे, उसमें रोहिंग्या शरणार्थियों को बसाकर दिल्ली के लोगों से उनका हक छीना गया। उन्होंने पत्र में कहा है कि केंद्र सरकार के इस कदम से न केवल दिल्ली की कानून-व्यवस्था प्रभावित होगी, बल्कि शहर के सीमित संसाधनों पर भी दबाव बढ़ेगा। आगे गृहमंत्री को लिखे गए पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा है कि दिल्ली किसी भी अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक नहीं है और बांग्लादेश सीमा से हजारों किलोमीटर दूर है। इसलिए यह हैरान करने वाली

बात है कि हमारी सीमाओं को पार करने के बाद, ये अप्रवासी बिना पकड़े कई राज्यों को पार करके दिल्ली कैसे पहुंच गए? इसलिए यह स्वभाविक है कि इस स्थिति के बारे में कई सवाल उठ रहे हैं। आतिशी ने अपने पत्र में कहा कि केंद्र सरकार के बसाए गए सभी रोहिंग्या शरणार्थियों की लिस्ट और पते की जानकारी दिल्ली सरकार, उपराज्यपाल और दिल्ली पुलिस को दी जाए। दिल्ली सरकार और जनता की अनुमति के बिना किसी भी अवैध शरणार्थी को दिल्ली में न बसाया जाए। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में कानून व्यवस्था के मुद्दे को लेकर शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी थी। केजरीवाल ने कानून व्यवस्था पर चर्चा के लिए अमित शाह से मिलने का समय भी मांगा था। चिट्ठी में केजरीवाल ने दिल्ली की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की थी।

दिल्ली में भाजपा की सरकार बनते ही किसानों को सब्सिडी का प्रावधान किया जाएगा: वीरेन्द्र सचदेवा

एजेंसी

नई दिल्ली।दिल्ली भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष विनोद सहरावत की अध्यक्षता में प्रदेश कार्यालय में किसान मोर्चा की संगठनात्मक बैठक हुई। इसमें प्रदेश सह प्रभारी डॉ अलका गुर्जर एवं दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने बड़ी संख्या में आए हुए किसान प्रतिनिधियों को संबोधित किया।

डॉ अलका गुर्जर ने कहा कि धारा 74/4 के तहत भूमिहीनों को कृषि करने के लिए जो भूमि दी गई थी, उन्हें मालिकाना हक दिया जाएगा। इतना ही नहीं अरविंद केजरीवाल सरकार की कमियों को घर-घर तक पहुंचाने में इस बार किसान भाइयों का भी एक अहम रोल होगा, क्योंकि वो केजरीवाल सरकार द्वारा सताए हुए हैं। उन्हें हर सुविधा से दूर रखा गया है।उन्होंने कहा कि दिल्ली में साहिब सिंह वर्मा के बाद किसानों के हित में काम नहीं किया गया लेकिन भाजपा इस बार सरकार में आते ही किसानों को उनका हक दिलाकर रहेगी।वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि भाजपा की दिल्ली में सरकार बनने के बाद दिल्ली देहात के गांवों का विकास होगा, सड़कों की बेहतर मरम्मत होगी, किसानों को बिजली सरल तरीके से दी जाएगी। इसके साथ ही किसानों को ट्रैक्टर की खरीद पर सब्सिडी एवं कृषि यंत्र की खरीद पर विशेष रूप से सब्सिडी का प्रावधान किया जाएगा।सचदेवा ने कहा कि गांवों की आबादी में हाई टेंशन तारों की समस्या है, जिसका समाधान किया जायेगा। दिल्ली देहात के किसानों को अभी तक केजरीवाल सरकार ने किसान का दर्जा नहीं दिया है, इसलिए भाजपा की सरकार बनते ही पहले किसानों को उनका दर्जा दिया जाएगा और जो अधिकार केजरीवाल सरकार ने उन्हें नहीं दिए हैं, उसे हम सुनिश्चित करेंगे। विनोद सहरावत ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर किसान मोर्चा आज से दिल्ली देहात के सभी गांवों में ग्राम चौपाल अभियान की शुरुआत की। इसमें गांवों में ट्रैक्टर पूजा, गौ पूजा और 26 साल तक दिल्ली के किसानों और ग्रामीणों के साथ जो नाइंसाफी की गई है, उसके बारे में घर-घर तक संदेश पहुंचाकर दिल्ली सरकार को बेनकाब किया जाएगा।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नयी दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.53 प्रतिशत उबलकर 71.09 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया लेकिन इस दौरान लंदन ब्रेंट क्रूड 0.19 प्रतिशत उतरकर 74.35 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

रूस से कच्चे तेल का आयात ढाई साल के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। छूट में कटौती के बाद भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात नवंबर, 2024 में घटकर करीब ढाई साल के निचले स्तर पर आ गया। इसके बावजूद रूस अब भी भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। इसके बाद इराक व सऊदी अरब का स्थान है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने रिपोर्ट में कहा, नवंबर में भारत के रूसी कच्चे तेल के आयात में 55त्न की भारी गिरावट आई। यह जून, 2022 के बाद का सबसे निचला स्तर है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने चीन ने सबसे ज्यादा 47त्न कच्चा तेल रूस से खरीदा। उसके बाद भारत ने 37त्न कच्चे तेल का आयात किया। यूरोपीय संघ व तुर्किये ने क्रमशः 6-6 फीसदी कच्चे तेल की खरीदारी की। फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद भारत रूसी कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया। रूस से भारत की कच्चे तेल की खरीद एक फीसदी से कम होती थी, जो बढ़कर 40त्न पर पहुंच गई।

कोयला आयात में भी भारत नंबर दो...

नई दिल्ली। रिपोर्ट के मुताबिक, पांच दिसंबर, 2022 से नवंबर, 2024 के अंत तक रूस से कोयला खरीदने वाले शीर्ष-5 देशों में चीन सबसे आगे रहा। चीन ने रूस के सभी कोयला निर्यात का 46फीसदी हिस्सा खरीदा। उसके बाद भारत ने 17फीसदी कोयला आयात किया। तुर्किये ने 11फीसदी, दक्षिण कोरिया ने 10फीसदी और ताइवान ने 5फीसदी कोयले की खरीदारी की।

अटल पेंशन योजना में ग्राहकों की संख्या 7 करोड़ के पार

नई दिल्ली। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के लिए 2 दिसंबर तक 7.15 करोड़ से अधिक ग्राहक नामांकन करा चुके हैं। इस योजना को वित्त मंत्रालय ने हाल ही में मील का पत्थर घोषित किया था। कार्यक्रम की सफलता पर प्रकाश डालते हुए मंत्रालय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, अटल पेंशन योजना 7 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को सेवानिवृत्ति के बाद मन की शांति सुनिश्चित कर रही है।

कोयला आयात चार प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष के पहले सात माह (अप्रैल-अक्तूबर) के दौरान 4.2 फीसदी बढ़कर 16.24 करोड़ टन पर पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कोयला आयात 15.58 करोड़ टन रहा था। बी2बी ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, अक्तूबर में कोयला आयात 14.4 फीसदी घटकर 2.18 करोड़ टन रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में 2.55 करोड़ टन रहा था।

हिंदुजा समूह जनवरी के अंत तक पूरा कर सकती है रिलायंस कैपिटल का अधिग्रहण

नई दिल्ली। हिंदुजा समूह की कंपनी आईआईएचएल को कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल (आर-कैप) का अगले महीने तक अधिग्रहण पूरा कर सकती है। समूह का लक्ष्य अगले पांच साल में बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) कारोबार को तीन गुना से अधिक बढ़ाकर 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का है। आईआईएचएल के चेयरमैन अशोक पी हिंदुजा की ओर से जारी बयान में कहा है कि, रिलायंस कैपिटल की समाधान प्रक्रिया से संबंधित अधिकांश स्वीकृतियां और प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं। प्रशासक और सीओसी की ओर से कुछ प्रक्रियाएं पूरी होनी बाकी हैं। उम्मीद है कि ये सभी अगले चार से छह सप्ताह में पूरी हो जाएंगी और जनवरी के अंत तक आर-कैप हिंदुजा समूह के अधीन आ जाएगी।

इस सप्ताह चार कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे, 12 शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह में चार कंपनियां अपने आईपीओ के जरिए प्राइमरी मार्केट में दस्तक देने वाली हैं। इनमें से दो कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं, जबकि दो कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह 12 और 13 दिसंबर को लॉन्च हुए चार आईपीओ में भी निवेशक इस सप्ताह 16 और 17 दिसंबर तक बोली लगा सकेंगे। इस सप्ताह 12 कंपनियों के शेयर भी स्टॉक मार्केट में लिस्ट हो सकते हैं। सप्ताह के दूसरे कारोबार दिन 17 दिसंबर को एनएसीडीएसी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का 10.01 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में 19 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ

के तहत बोली लगाने के लिए 33 से 35 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 4,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 24 दिसंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।सप्ताह के तीसरे कारोबार के दिन 18 दिसंबर को आईडेंटिकल ब्रेन्स स्टूडियो का 19.95 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होगा। इस आईपीओ की क्लोजिंग 20 दिसंबर को होगी?। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 51 से 54 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 26 दिसंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।सप्ताह के चौथे कारोबार के दिन 19 दिसंबर को ममता मशीनरी लिमिटेड का 179.39 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होगा। इस आईपीओ की क्लोजिंग 23 दिसंबर को होगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 230 से 243 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 61 शेयर का है। कंपनी के शेयर 27 दिसंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।इसी दिन ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड का 400 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। ये आईपीओ 23 दिसंबर को बंद होगा। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए अभी प्राइस बैंड और लॉट साइज तय नहीं किया गया है। कंपनी के शेयर 27 दिसंबर को ही बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इस सप्ताह इन चार आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह 12 दिसंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले यश हाई वोल्टेज लिमिटेड और एनवेंचरस नॉलेज सॉल्यूशंस के आईपीओ में 16 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकेगी।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.24 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 654.9 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और स्वर्ण भंडार में गिरावट होने से 06 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.24 अरब डॉलर लुढ़ककर 654.9 अरब डॉलर पर आ गया।वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.5 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 658.1 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 06 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.23 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 565.6 अरब डॉलर पर आ गई। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 4.3 करोड़ डॉलर गिरकर 66.9 अरब डॉलर रह गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 2.5 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई

और यह बढ़कर 18 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में 1.2 करोड़ डॉलर के इजाफे के साथ 4.3 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोने-चांदी की कीमत घटी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में गिरावट आने से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 78,030 रुपये से लेकर 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,540 रुपये से लेकर 71,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत गिर कर 92,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 78,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,390 रुपये प्रति 10

ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 78,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है।

इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सीआईएल का सीएसआर व्यय 10 वर्षों में 5,570 करोड़ रुपये के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी (पीएसयू) कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने पिछले एक दशक में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों पर 5,570 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

कोल इंडिया के चेयरमैन पी एम प्रसाद ने कोलकाता में तीसरा सीआईएल सीएसआर कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कंपनी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास, खेल और महिला सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। प्रसाद ने कहा कि सीआईएल सीएसआर गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक के दौरान अखिल भारतीय स्तर पर स्वास्थ्य और शिक्षा को केंद्र में रखते हुए 5,570 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। भारत के सीएसआर कानून और कोल इंडिया के सीएसआर के संस्थागत स्वरूप लेने के एक दशक पूरा होने पर आयोजित तीसरा सीआईएल सीएसआर कॉन्क्लेव का उद्घाटन पश्चिम बंगाल के राज्यपाल और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सी

वी आनंद बोस ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कोल इंडिया लिमिटेड की सीएसआर पहलों की सराहना की। सीआईएल की सामाजिक प्रतिबद्धता का जिक्र करते हुए बोस ने कहा कि हम एक परिवर्तनकारी युग में जी रहे हैं, हमें सीमाओं से परे देखना होगा जो संबंधों को बनाने के लिए आवश्यक है। इस अवसर पर कोयला मंत्रालय के सचिव और विशिष्ट अतिथि विक्रम देव दत्त ने कहा कि सीएसआर सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों के लिए विश्वास का एक अभिलेख है और जनवरी से शुरू होकर हर महीने थीम-आधारित सीएसआर होगा। वहीं, सीआईएल के निदेशक (कार्मिक) विनय रंजन ने कहा कि सीआईएल सीएसआर पर सूक्ष्मतम फोकस के लिए 2014 में सामुदायिक विकास कैडर शुरू करने वाला भारत का पहला सीपीएसई है।

मूंगफली तेल महंगा; दालें सस्ती

एजेंसी

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में गिरावट आने के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग निकलने से से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में मूंगफली तेल महंगा हो गया जबकि उठाव कमजोर रहने से दालें सस्ती हो गई वहीं अनाज और मीठे के भाव में मिलाजुला रुख रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का दिसंबर वायदा सप्ताहांत पर 170 रिंगिट लुढ़ककर 5145 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.31 सेंट की गिरावट के साथ 42.44 सेंट प्रति पौंड बोला गया।इस दौरान मूंगफली तेल 366 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया। वहीं, सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे

पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 17215 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19413 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 15751 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 15531 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13187 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 16116 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

सरकार ने शुरू की 'जलवाहक' योजना, नदियों के जरिए होगी कार्गो की ढुलाई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अंतर्देशीय जलमार्गों के जरिए माल की आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए 'जलवाहक' योजना की शुरुआत की है। केंद्रीय बंदरगाह, पोत-परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने तीन मालवाहक जहाजों को हरी झंडी दिखाकर इस सर्विस का उद्घाटन किया।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने तीन मालवाहक जहाजों की निर्धारित अनुसूचित सेवा का उद्घाटन के बाद कहा कि यह योजना राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (गंगा), 2 (ब्रह्मपुत्र) और 16 (बराक नदी) पर टिकाऊ और लागत प्रभावी परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसके तहत पश्चिम बंगाल से लेकर पटना, बनारस और गुवाहाटी तक जलमार्ग के जरिए माल

की ढुलाई अब रेलवे की मालगाड़ी से भी सस्ती पड़ेगी। सोनोवाल ने कहा कि योजना का उद्देश्य अंतर्देशीय जलमार्गों की व्यापार क्षमता को खोलने के साथ-साथ रसद लागत को कम करना और सड़क और रेल नेटवर्क पर भीड़भाड़ कम करना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत जलमार्गों के जरिए 300 किलोमीटर से अधिक दूरी तक माल परिवहन करने वाले कार्गो मालिकों को परिचालन लागत पर 35 फीसदी तक की प्रतिपूर्ति मिलेगी। मंत्री ने कहा कि इस योजनाओं का उद्देश्य 95.4 करोड़ के निवेश के साथ 800 मिलियन टन किलोमीटर के मॉडल शिफ्ट को प्रोत्साहित करना है। इसके तहत पहला जहाज-एमवी त्रिशूल दो डंब बार्ज अजय और दीखू के साथ-1500 टन सीमेंट कोलकाता के जीआर जेट्टी से गुवाहाटी के पांडु तक आईबीपीआर के माध्यम से ले जा रहा है। दूसरा जहाज-एमवी एएआई-1000 टन जिप्सम को पटना ले जा रहा है, जबकि तीसरा जहाज-एमवी होमी भाभा -200 टन कोयला वाराणसी ले जा रहा है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि यह योजना तीन वर्षों तक वैध रहेगी। इस योजना को प्रमुख माल ढुलाई कंपनियों, माल ढुलाई प्रेषकों और व्यापार निकायों के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं को अनुकूलित करने के लिए तैयार किया गया है। मंत्रायल के मुताबिक इसको भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) और भारतीय शिपिंग निगम की अनुषंगी कंपनी अंतर्देशीय और तटीय शिपिंग लिमिटेड (आईसीएसएल) द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित किया जाएगा।

साप्ताहिक शेयर समीक्षा: विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 226.70 करोड़ रुपये की बिकवाली

एजेंसी

नई दिल्ली। मिले-जुले ग्लोबल संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार लगातार चौथे हफ्ते साप्ताहिक आधार पर बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। पिछले सप्ताह में 5 दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 623.07 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,133.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी भी साप्ताहिक आधार पर 90.50 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,768.30 अंक के स्तर बंद हुआ। पिछले सप्ताह सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 226.70 करोड़ रुपये की बिकवाली की। खरीद बिक्री मिलाकर विदेशी संस्थागत निवेशक दिसंबर के महीने में अभी तक कुल 11,706.89 करोड़ रुपये का कारोबार किया। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान घरेलू शेयर बाजार में 2,880.02

करोड़ रुपये की खरीदारी की। इस सप्ताह की खरीदारी को मिलाकर दिसंबर के महीने में घरेलू संस्थागत निवेशक कुल 4,672.49 करोड़ रुपये की लिवाली कर चुके हैं। 9 दिसंबर से 13 दिसंबर के बीच कारोबार के दौरान लार्जकैप इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल एलटी माइंडट्री, जिंदल स्टील एंड पावर, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट, विप्रो और एचडीएफसी ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी के शेयर लार्जकैप इंडेक्स के टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन आफ इंडिया, जोमैटो, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, आईडीबीआई बैंक, डिवीज लेबोरेट्रीज, इंडस टावर्स और एवेन्यू सुपरमार्ट्स लार्जकैप इंडेक्स के टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल डेल्हीवेरी, क्लीन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, क्रिसिल, मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट, निप्पोन लाइफ इंडिया ऐसेट मैनेजमेंट और मुथूट फाइनेंस के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर इमामी, जी इंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज, बायोकॉन, गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस, यूको बैंक, सन टीवी नेटवर्क, सोना बीएलडब्लू प्रेसीजन फोर्जिंग्स, कंसल नैरोलैक पेंट्स और कैस्ट्रॉल इंडिया के शेयर इस इंडेक्स के टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। लार्जकैप और मिडकैप इंडेक्स के विपरीत स्मॉल कैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स, सनफ्लैग आयरन एंड स्टील कंपनी, गोकलदास एक्सपोर्ट्स, ग्रीव्स कॉटन, कीटेक्स गारमेंट्स, गुजरात इंडस्ट्रीज पावर, इंडो काउंट इंडस्टरीज, वैरोक इंजीनियरिंग, विधि स्पेशलिटी फूड इनग्रेडिएंट्स, कैटेबिल रिटेल इंडिया और परमानेंट मैग्नेट्स के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

केआईसीएल ने भारतीय बाजार में उतारा फ्रेंच ब्रांड किकर्स

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। कोठारी इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआईसीएल) ने भारतीय बाजार में प्रतिष्ठित प्रीमियम फ्रेंच ब्रांड किकर्स उतारने की घोषणा की है, जो पुरुषों और महिलाओं के लिए फुटवियर और एक्सेसरीज में उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराएगा। केआईसीएल के प्रबंध निदेशक डॉ. जे रफीक अहमद ने कहा, फुटवियर न केवल आपके पैरों को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि उन जटिलताओं से भी बचाते हैं जिनके लिए चिकित्सा उपचार की आवश्यकता हो सकती है क्योंकि अनगिनत रक्त वाहिकाएं और तंत्रिका अंत आपके पैरों को हृदय, मस्तिष्क और रीढ़ से जोड़ते हैं, इसलिए अपने पैरों के स्वास्थ्य की देखभाल करना जीवन की समग्र गुणवत्ता और

KICL
Kothari Industrial Corporation Limited

गतिशीलता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है। श्री अहमद ने एक विज्ञप्ति में कहा कि भारत का पहला किकर्स स्टोर हाल ही में चेन्नई में खोला गया, इस अवसर पर पांडिचेरी और चेन्नई में फ्रांस के महावाणिज्यदूत एटिने रोलांड-पीग्यू और ब्यूरो डी फ्रांस के आर्थिक कूटनीति अधिकारी कार्ल बौलैंगर भी उपस्थित रहे।। केआईसीएल ने भारत और श्रीलंका, बांग्लादेश, मालदीव, भूटान, नेपाल, कतर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और सऊदी अरब सहित अन्य देशों में प्रतिष्ठित किकर्स ब्रांडेड उत्पादों की बिक्री और विपणन के लिए फ्रांस स्थित रॉयर ग्रुप के साथ 30 साल का लाइसेंसिंग और वितरण समझौता किया है।

ग्लेनमार्क समेत कई भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में वापस मंगाईं दवाएं

नई दिल्ली। दवा निर्माता अरबिंदो फार्मा, ग्लेनमार्क और जायडस ने उत्पादन संबंधी खामियों के कारण अमेरिकी बाजार से अपने उत्पादों को वापस मंगाया है। अमेरिकी खाद्य व औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद स्थित दवा निर्माता की अनुषंगी कंपनी अरबिंदो फार्मा यूएसए इंक सिनाकैल्सेट गोलियों की एक लाख से अधिक बोतलें वापस मंगा रही है।

अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने कहा, न्यू जर्सी स्थित कंपनी ने उत्पाद को जीएमपी डेविएशनः एन-नाइट्रोसो सिनाकैल्सेट अशुद्धता की एफडीए के मानक से अधिक उपस्थिति के कारण वापस मंगाया है। सिनाकैल्सेट टैबलेट का इस्तेमाल हाइपरपैराथायरायडिज्म के इलाज के लिए किया जाता है। इसी तरह, ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स की एक अमेरिकी अनुषंगी कंपनी अमेरिकी बाजार से डिल्टियाजेम हाइड्रोक्लोराइड कैप्सूल की लगभग 90,000 बोतलें वापस मंगा रही है। यूएसएफडीए ने कहा कि जायडस फार्मास्यूटिकल्स (यूएसए) इंक लेबलिंग त्रुटि के कारण विलंबित-रिलीज ओरल सस्पेंशन (40 मिलीग्राम) के लिए एसोमेप्राजोल मैग्नीशियम के 4,404 डिब्बे वापस बुला रहा है। इस दवा का उपयोग पेट की कुछ समस्याओं के इलाज के लिए किया जाता है। कंपनी ने 14 नवंबर को प्रभावित डिब्बों को देश भर में वापस मंगाने की पहल की थी।

टॉप 10 में शामिल पांच कंपनियों का मार्केट कैप 1.13 लाख करोड़ बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार से शुक्रवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से पांच कपनियों के मार्केट कैप में कुल 1,13,117.17 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। इस दौरान भारती एयरटेल के मार्केट कैप में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई। वहीं टॉप 10 की शेष पांच कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिला कर 1,09,779.19 करोड़ रुपये की कमी हो गई। टॉप 10 में शामिल कंपनियों के मार्केट कैप की यह स्थिति तब हुई, जब पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान बीएसई का सेंसेक्स 623.07 अंक यानी 0.76 प्रतिशत और एनएसई का निफ्टी 90.50 अंक यानी 0.36 प्रतिशत मजबूत हो गया। बीते सप्ताह के दौरान भारती एयरटेल के अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और इंफोसिस के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हुई। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), आईटीसी और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के वैल्यूशन में गिरावट आई। सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए कारोबार के दौरान भारती एयरटेल का मार्केट कैप 47,836.60 करोड़ रुपये बढ़ कर 9,57,842.40 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह इंफोसिस का मार्केट कैप सोमवार से शुक्रवार तक हुए कारोबार के दौरान 31,826.97 करोड़ रुपये बढ़ कर 8,30,387.10 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 11,887.78 करोड़ रुपये बढ़ कर 14,31,158.06 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 11,760.80 करोड़ रुपये उछल कर 9,49,306.37 करोड़ रुपये के स्तर पर और टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 9,805.02 करोड़ रुपये बढ़ कर 16,18,587.63 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 52,031.98 करोड़ रुपये घट कर 17,23,144.70 करोड़ रुपये के स्तर तक गिर गया। इसी तरह भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 32,067.73 करोड़ रुपये कम होकर 5,89,869.29 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 22,250.63 करोड़ रुपये घट कर 5,61,423.08 करोड़ रुपये के स्तर पर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 2,052.66 करोड़ रुपये घट कर 7,69,034.51 करोड़ रुपये के स्तर पर और आईटीसी का मार्केट कैप 1,376.19 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,88,195.82 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,23,144.70 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद टीसीएस (कुल मार्केट कैप 16,18,587.63 करोड़ रुपये), एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 14,31,158.06 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 9,57,842.40 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,49,306.37 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 8,30,387.10 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,69,034.51 करोड़ रुपये), एलआईसी (कुल मार्केट कैप 5,89,869.29 करोड़ रुपये), आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,88,195.82 करोड़ रुपये) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,61,423.08 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

जींद में स्वदेशी मेले का आयोजन

एजेंसी

जींद। स्वदेशी जागरण मंच व स्वाबलंबी भारत अभियान द्वारा स्थानीय गोपाल विद्या मंदिर जींद में प्रांत सम्मेलन व स्वदेशी मेले का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्यअतिथि के रूप में डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा, स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान के अखिल भारतीय संगठक कश्मीरी लाल व सह संगठक सतीश उपस्थित रहे। इसके अलावा शहर के गणमान्य लोगों, भाजपा नेताओं ने भी मेले में शिरकत की। इस प्रांत सम्मेलन और स्वदेशी मेला आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार की ओर ले जाना है। युवा नौकरियों के पीछे न भागें। स्वरोजगार अपना कर नौकरी करने वाला नहीं वल्कि नौकरी देने वाला बने। स्वदेशी मेले में जिला जींद के स्थानीय कुटीर एवं लघु उद्यमियों द्वारा निर्मित उत्पादनों के स्टाल लगाए गए तथा स्कूल कालेजों के छात्रों द्वारा तैयार किए गए उत्पादनों की भी स्टॉल लगेंगी। इस मेले में स्थानीय व दिल्ली से निवेशक भी आए, जिन्होंने मेले में प्रदर्शित स्टालों के व्यापार को बढ़ावा देने के लिए निवेश करने की ऑफर दिया। वहीं इस मेले में स्कूल कॉलेज के छात्र व छात्राओं द्वारा संस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। मेले में गांव की पूरी छवि देखने को मिली। यहां ग्रामीण चौपाल, पनघट, खेती उपकरण, ग्रामीण रसोई आकर्षण का केंद्र रही। वहीं हरियाणावी ड्रेस के साथ लोगों ने सेल्फी ली। मेले में आए लोगों ने स्वदेशी चीजों की खरीददारी भी की और व्यंजन भी चखे।

कैथल में शराब से भरी पिकअप जब्त, 46 पेटी बरामद

कैथल। सीआईए स्टाफ ने चीका से वैध शराब से भरी पिकअप को जब्त किया है। गाड़ी के अंदर से 46 पेटी देसी व अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। गाड़ी चालक मौके पर गाड़ी को छोड़कर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस ने गुहला थाने में दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जिनकी पहचान धर्मेंद्र निवासी टटीयाना और महिपाल निवासी भुना के रूप में हुई है। आरोपी धर्मेंद्र काफी समय से चीका के एक ठेके पर नौकरी कर रहा है। जबकि दूसरा आरोपी महिपाल भी शराब के धंधे से जुड़ा हुआ है। सीआईए पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि धर्मेंद्र व महिपाल चीका की तरफ से एक पिकअप में अवैध शराब लेकर जा रहे हैं। जिसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गुहला चीका स्थित एक सरकारी स्कूल के पास गाड़ी को पकड़ लिया। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

नायब सरकार से हर वर्ग खुश : प्रदीप सांगवान

सोनीपत। बरोदाविधान सभा क्षेत्र से भाजपा नेता प्रदीप सांगवान ने कहा कि प्रदेश की नायब सरकार से हर वर्ग खुश है। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए परियोजनाएं बना रहे हैं। यह बात अपने धन्यवादी दौरों के दौरान गांव जागसी में कही। प्रदीप सांगवान ने इसके बाद गांव बिचपड़ी, अहमदपुर माजरा व महमूदपुर में ग्रामीणों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के पास कोई भी अपनी समस्या लेकर जाता है,उनकी समस्याओं का सम्बंधित अधिकारियों से तुरन्त समाधान करवाने का काम करते हैं। हर वर्ग के लिए इस सरकार के पास विकासकारी योजनाएं हैं। धन्यवादी दौरे के दौरान उनके साथ डॉ.राज सिंह सांगवान, आजाद जागसी, डॉ.राममेहर राठी, राजेश भावड़, सुरेन्द्र नंबरदार, ओमबीर वत्स, दारा सिंह नैन, जितेन्द्र शर्मा, मनोज शर्मा, रामबीर पूनिया, सुरेन्द्र पूनिया, राजू शर्मा सरपंच, जस्सा सरपंच, रमेश सरपंच, गोविंद सरपंच, छोटू, रीनु मालिक, मंगलीराम, सतपाल मान सरपंच, विक्की सरपंचआदि शामिल रहे।

हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष को भेजा जेल

सोनीपत। हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल और चालक कुलबीर बैनीवाल को सोनीपत में ड्यूटी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। सोनिया अग्रवाल को कोर्ट ने जेल भेज दिया, जबकि कुलबीर को एक दिन की रिमांड पर एंटी करप्शन ब्यूरो को सौंपा गया है। इन पर एक लाख रिश्वत का मामला है। सोनिया को सुबह सोनीपत के महिला थाने से विजिलेंस दफ्तर में लाया गया। इस दौरान सोनिया ने कहा कि मुझे फंसाया गया है, जल्द ही मैं इसे साबित करूंगी। इस दौरान उनका चालक एवं पीए कुलबीर भी उनके साथ था। एसीबी ने दोनों को एक लाख रुपए रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किया था। इससे पहले सोनिया अग्रवाल के खरखौदा स्थित आवास पर रेड भी की गई थी, हालांकि उनके आवास की तलाशी के दौरान कोई रकम बरामद नहीं हुई है। आरोप है कि सोनिया के पीए कुलबीर ने हिसार में जेबीटी टीचर से एक लाख रुपए लिए थे। शिकायतकर्ता टीचर का कहना है कि रुपए लेने के बाद पीए ने महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल को फोन कर केस सेटल करने को कहा था। सोनियाअग्रवाल को खरखौदा और कुलबीर बैनीवाल को हिसार से पकड़ा गया था। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने टीचर और उसकी पुलिसकर्मी पत्नी का विवाद निपटाने के बदले में एक लाख रुपए की रिश्वत लेने का प्लान बनाया था। एसीबी टीम ने कुलबीर से एक लाख रुपए भी बरामद किएहैं। एसीपी जांच में लगी है कि सोनिया अग्रवाल, कुलबीर के जरिए ही केस निपटाने के पैसे लेती थी। कुलबीर दिनभर अपने नियाणा गांव स्थित घर पर ही था।

हरियाणा में तीन नए अपराधिक कानून फरवरी में होंगे लागू

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में अगले साल फरवरी माह में तीन नए अपराधिक कानूनों को लागू कर दिया जाएगा। इसके लिए 28 फरवरी तक का लक्ष्य तय किया गया है। राज्य पुलिस का प्रयास है कि एक मार्च से प्रदेश के सभी थानों में नए कानूनों के तहत कार्य शुरू किया जाए। एक माह के ट्रायल के बाद एक अप्रैल से इसे शत-प्रतिशत लागू कर दिया जाएगा। हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने आलाधिकारियों के साथ नए अपराधिक कानून लागू करने को लेकर मंथन किया। प्रदेश के सभी पुलिस अधीक्षक व अन्य वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इस बैठक में जुड़े। कपूर ने कहा कि गृह मंत्रालय द्वारा नए कानूनों को प्रभावी तरीके से लागू

करने के लिए हरियाणा को एक मॉडल के रूप में विकसित करने का लक्ष्य दिया गया है। उन्होंने अधिकारियों को इसे लागू करने के लिए इस्तेमाल होने वाली ई-साक्ष्य एप व इसके इस्तेमाल करने बारे में विस्तार से बताया गया। उन्होंने कहा कि ई-साक्ष्य एक बहुत अच्छी ऐप है, जिसके माध्यम से नए कानून में निहित प्रावधानों को प्रभावी तरीके से लागू किया जा सकता है। उन्होंने बैठक में केस डायरी माड्यूल तथा चांस रिकवरी व प्लेनड रिकवरी की वीडियोग्राफी आदि के बारे में भी बताया गया। इसके साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण के महत्व पर बल दिया। नए कानून से न्याय प्रणाली सुदृढ़ बनेगी और लोगों को त्वरित न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि तीन नए कानूनों को लागू करने के लिए पुलिस को भविष्य में आवश्यकता अनुसार और अधिक रिसोर्सेस उपलब्ध करवाए जाएंगे। नशामुक्ति अभियान के बारे में उन्होंने कहा कि इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से मुहिम चलाने की जरूरत है। डीजीपी ने सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए कि वह स्वयं नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई को यकीनी बनाएं। अपने-अपने क्षेत्रों में प्रतिबंधित दवाईयां बेचने वाले फार्मासिस्ट के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें।

संसद व देश में संविधान की गरिमा का संरक्षण जरूरी: बजरंग इंदल

एजेंसी

हिसार। प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता और पूर्व प्रत्याशी बजरंग इंदल ने कहा है कि देश के सबसे पवित्र दस्तावेज़ भारतीय संविधान और सामाजिक समानता के लिए संघर्षरत डॉ. भीमराव अंबेडकर की विचारधारा पर केंद्र सरकार द्वारा की जा रही बयानबाज़ी एवं कार्रवाहियां अत्यंत चिंताजनक हैं। संसद में हालिया बहस के दौरान संविधान और मनुस्मृति को लेकर सत्ता पक्ष द्वारा किए गए वक्तव्यों ने न केवल विपक्ष की आवाज़ दबाने का प्रयास किया है बल्कि संविधान के मूल आदर्शों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। बजरंग इंदल ने मोदी सरकार से मांग करते हुए कहा कि केंद्र सरकार इस बात पर स्पष्टीकरण दे कि वो मनुस्मृति से प्रेरित नहीं है तथा संविधान के प्रति पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी आवाज़ उठाकर यह स्पष्ट किया है कि संविधान हमारे देश की आत्मा है और किसी भी प्रकार के वैचारिक या संस्थागत हमले को सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. अंबेडकर का भारत एक ऐसा भारत था, जहां हर नागरिक को समान अधिकार और अवसर मिले लेकिन आज की सरकार इन मूलभूत अधिकारों और समानता के आदर्शों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। विपक्ष का यह मानना है कि केंद्र सरकार मनुस्मृति की विचारधारा को बढ़ावा देकर संविधान को दरकिनार करना चाहती है। यह संविधान द्वारा स्थापित समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों का सीधा उल्लंघन है।

हरियाणा के युवाओं को कौशल व आत्मनिर्भरता का मंत्र देंगे मनोहर लाल

एजेंसी

चंडीगढ़। युवा शक्ति विकसित भारत का आधार है। इसी आधार को मजबूत करने के लिए केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल युवाओं से सीधा संवाद करेंगे। मनोहर लाल न केवल युवाओं स संवाद करेंगे, बल्कि उन्हें कौशल और आत्मनिर्भरता का मंत्र देंगे। रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार में 21 दिसंबर को युवा गौरवशाली समारोह का आयोजन होगा। गौरवशाली समारोह में केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। समारोह में मनोहर लाल युवाओं को सफलता, कौशलता, आत्मनिर्भरता और उद्यमियता का मंत्र देंगे। इसके साथ ही संविधान की महत्ता और डॉ. अंबेडकर जी के आदर्शों से युवा जुड़ें, इसको लेकर भी मनोहर लाल सीधा संवाद करेंगे। युवा गौरवशाली समारोह की खास बात यह रहेगा कि प्रदेशभर से युवा जुटेंगे, जिसमें युवा उद्यमी, युवा सरपंच, खिलाड़ी शामिल होंगे। एमडीयू रोहतक में संविधान गौरव उत्सव समिति के तत्वाधान में युवा गौरवशाली समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

संविधान गौरव उत्सव समिति का उद्देश्य युवा गौरवशाली समारोह के जरिये युवाओं को संविधान के सम्मान और स्वाभिमान को जीवन में आत्मसात कराना है। युवा गौरवशाली समारोह के संयोजक तथा केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल के मुख्य मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया बताते हैं कि युवा गौरवशाली समारोह को लेकर युवाओं में उत्साह है और मनोहर लाल के प्रति युवाओं में उत्साह है। गौरवशाली समारोह की तैयारियों को लेकर उनका जिलों में जनसंपर्क अभियान जारी है। जनसंपर्क अभियान के दौरान युवाओं को युवा गौरवशाली समारोह का न्यौता दिया जा रहा है, जिसमें पहुंचने के लिए हर युवा उत्साहित है। युवाओं का मानना है कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के मिशन मेरिट मॉडल से उनके सपनों को उड़ान मिली है।

देश के मुकुट कश्मीर की शांति के लिए प्रयासरत लोगों को प्रणाम: बंडारू दत्तात्रेय

एजेंसी

गुरुग्राम। सेक्टर-51 स्थित गुरुग्राम विश्वविद्यालय में शनिवार की शाम को कश्मीर पीस लवर्स की ओर से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इसमें हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कश्मीर भारत का मुकुट है और शांति का प्रतीक है। आगे भी यह शांति अमन बना रहना चाहिए। इसके लिए प्रयासरत लोगों को मैं प्रणाम करता हूं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में आकर कश्मीर की एक सुखद तस्वीर सामने दिखाई दे रही है। इस दौरान कश्मीर की शांति के लिए प्रयासरत लोगों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने कहा कि इस समारोह में अवार्ड प्राप्त करने वाले ऐसे सभी महानुभावों को मैं विशेषतौर पर बधाई देता हूं जो कश्मीर पीस लवर्स के इस मंच पर सम्मानित हुए हैं। राज्यपाल ने कहा कि इस कार्यक्रम में युवाओं के योगदान व प्रतिभा को देखकर खुशी का अनुभव हो रहा है। अपनी कश्मीर यात्रा का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि वहां बहुत प्राचीन मंदिर हैं। वहां के लोगों ने ऐसी सांस्कृतिक धरोहरों को सहेज रखा है। यह बहुत हर्ष का विषय है। सीएम हरियाणा के ओएसडी डॉ. राज नेहरू ने कहा कि कश्मीर पीस लवर्स संस्था का उद्देश्य हमारी संस्कृति को प्रस्तुत कर आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा

कि महामहिम के साथ उन्हें कश्मीर यात्रा का मौका मिला। इस दौरान विभिन्न प्राचीन मंदिरों के दर्शन किए। सरकार भी ऐसी सांस्कृतिक विरासत के विकास में सहयोग कर रही है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कश्मीर की शांति के लिए काम कर चुके विभिन्न पुरोधाओं को याद किया। ऐसे लोगों की याद में विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई गई। सूर्या गंजू ने गिटार वादन किया। कार्यक्रम में गुरुग्राम विवि के प्रो. दिनेश कुमार, बादशाहपुर एसडीएम अंकित चौकसे के अलावा किरण वातल, अनिल वैष्णवी, कश्मीर पीस लवर्स के ट्रस्टी पंकज धर, अजय पंडिता, डॉ. राजेंद्र जलाली, मिथलेश लाबरू, गुरुग्राम विवि के रजिस्ट्रार राजीव कुमार सिंह व अन्य पदाधिकारियों के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

वैश्य समाज के युवा युवा कांग्रेस के चुनाव में बढ़-चढ़कर भाग लें: अशोक बुवानीवाला

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा कांग्रेस औद्योगिक सैल के प्रदेश संयोजक तथा अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने कांग्रेस से जुड़े वैश्य समाज के युवा नेताओं व कार्यकर्ताओं का आह्वान किया है कि वह युवा कांग्रेस के होने वाले चुनाव में बढ़-चढ़कर भाग लें।

अशोक बुवानीवाला ने कहा कि राजनीति में सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़कर जो सफलता हासिल की जाती है वह स्थाई होती है। आज जो युवा कांग्रेस में पदाधिकारी चुने जाएंगे वहीं युवा नेता भविष्य में कांग्रेस में बड़े पदों पर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि वह पिछले करीब 15 सालों से समाज की राजनीति में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। युवा

कांग्रेस के चुनाव में भी वह समाज के युवा कार्यकर्ताओं को चुनाव लडने के लिए प्रेरित करने का काम कर रहे हैं। बुवानीवाला ने कहा कि आज हर व्यक्ति को हर कदम पर राजनीतिक संरक्षण की जरूरत पड़ती है। युवा कांग्रेस चुनाव के पीआरओ अरुण कुमार गर्ग ने बताया कि हरियाणा में युवा कांग्रेस के चुनाव की तैयारी पूरी हो गई है। 20 दिसंबर को चुनाव प्रक्रिया शुरू होगी और 5 जनवरी को यह पूरी कर ली जाएगी। 20 दिसंबर 1989 से लेकर 19 दिसंबर 2006 के बीच पैदा हुए व्यक्ति इस चुनावी एवं सदस्यता अभियान में हिस्सा ले सकेंगे। प्रदेश के सभी जिलों में जोनल निर्वाचन अधिकारी 16 दिसंबर से दौरा करेंगे। सिरसा, फतेहाबाद, हिसार अर्बन, हिसार ग्रामीण कैथल और जींद के लिए नव पर्वत प्रशांत को जोनल निर्वाचन अधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार अंबाला जोन में 10 जिले हैं। यहां शिशिर श्रीवास्तव को जनरल निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस जोन में पंचकूला, अंबाला शहरी और ग्रामीण, यमुनानगर शहरी और ग्रामीण, कुरुक्षेत्र, करनाल शहरी और ग्रामीण तथा पानीपत शहरी और ग्रामीण शामिल हैं। गुरुग्राम में नटवर सिंह को जोनल निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसमें महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुरुग्राम अर्बन एवं ग्रामीण, पलवल, फरीदाबाद शहरी जिलों के साथ एससी एसटी के लिए आरक्षित नूंह और फरीदाबाद ग्रामीण जिले शामिल हैं।

गुरुघर से बड़ा कोई द्वार नहीं :साध्वी करूणागिरी

एजेंसी

हिसार। धन-धन बाबा जोध सचियार सेवा समिति से जुड़े भ्याणा एवं सेवक परिवारों की ओर से कैंप चौक स्थित फ्लेमिंगो रिसार्ट में आठवें महान संत समागम एवं सत्संग समारोह का आयोजन किया गया। इसमें भव्य दीवान सजाया गया जिसमें हिसार जिले के अलावा प्रदेश भर से आए हजारों श्रद्धालुओं ने गुरुघर में माथा टेका। समिति के प्रधान दयानंद भ्याणा ने बताया कि हांसी के विधायक व डेरा बाबा जोध सचियार सेवा समिति, पानीपत के प्रधान विनोद भ्याणा की देखरेख में हुए समागम में बालयोगिनी महामंडलेश्वर संत शिरोमणि साध्वी करुणागिरी महाराज, हरिद्वार वाले के अलावा भाई अरूण गंगानगर वाले, भाई लवप्रीत सिंह सिरसा वाले, भाई बलवंत राय घई हिसार वाले, भजन गायक डॉ. मोहन तनेजा ने सत्संग व कीर्तन द्वारा संगत को निहाल किया। पंडाल में घंटों तक जो बोले सो निहाल, सासरियाकाल व वाहेगुरु के जयकारे गूंजते रहे। समागम के दौरान अटूट लंगर चलाया गया।

साध्वी करूणागिरी महाराज ने गुरुबाणी की अमृतवर्षा करते हुए बाबा जोध सचियार के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरुघर से बड़ा कोई द्वार नहीं है। नेक कर्म करने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि जिसने श्री गुरु ग्रंथ साहिब को जप लिया उसका बेड़ा पार है। जीवन में गुरु के बिना कुछ नहीं है। इससे पूर्व श्री सुखमणि साहिब का पाठ किया गया।

भाजपा ने हमेशा राष्ट्र की उन्नति, सुरक्षा और समृद्धि को प्राथमिकता दी: कमल यादव

एजेंसी

गुरुग्राम। न्यू पालम विहार गुरुग्राम में नागरिक सेवा समिति द्वारा आयोजित भाजपा सक्रिय सदस्यता एवं कार्यालय शुभारंभ समारोह में भारतीय जनता पार्टी के गुरुग्राम जिला अध्यक्ष कमल यादव व जिला मीडिया सह प्रमुख राकेश राणा ने सदस्यता दिलाई। समारोह में जिला मीडिया प्रमुख पवन यादव, मंडल प्रभारी पी.सी. सैनी, जिला महामंत्री रामबीर भाट्टी, जिला कार्यकारिणी सदस्य मालखान यादव, महिला मोर्चा मंडल महामंत्री काजल रोहिला, कार्यकारिणी सदस्य ममता कूबा तथा न्यू पालम विहार क्षेत्र के मौजिज लोग और सेंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। कमल यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने हमेशा राष्ट्र की उन्नति, सुरक्षा और समृद्धि को प्राथमिकता दी है। आज भारतीय जनता पार्टी जन जन के विश्वास का प्रतीक बन चुकी है। जिला मीडिया सह प्रमुख राकेश राणा ने कहा कि पार्टी की कार्यनीति से प्रेरित होकर हमारी एनजीओ साईं फाउंडेशन समय समय पर पढ़ाई तथा खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करती रहती हैं। पिछले स्पताह मंगोलिया में हुई वर्ल्ड कुराश चैंपियनशिप प्रतियोगता में 55 किलो वजन के तृतीय स्थान पर आने वाले बजधेड़ा

के जूडो खिलाड़ी तुषार पुत्र रामसिंह को स्मृति चिह्न व पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया। डूंडाहेड़ा मंडल प्रभारी व जिला सचिव पी.सी. सैनी ने कहा कि भाजपा का सबसे महान पर्व सदस्यता अभियान देश और प्रदेश भर में चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विकसित राष्ट्र निर्माण को देखते हुए उत्साह से लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं। नागरिक सेवा समिति के संयोजक देशराज चौधरी ने कहा कि भूतपूर्व सैनिको ने पहले बॉर्डर पर तैनात रहकर देश की रक्षा की अब समाज की सेवा में लगे रहते हैं। इनका मनोबल बढ़ाना हमारा कर्तव्य बनता है। नागरिक सेवा समिति ने न्यू पालम विहार क्षेत्र के सिपाही से लेकर कर्नल तक के कई भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान किया। नागरिक सेवा समिति का कार्यालय अब से भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय रूप में प्रयोग में लाया जाएगा। कमल यादव ने कहा कि न्यू पालम विहार सैनिकों की कॉलोनी है। उनका सौभाग्य है कि इनके सम्मान समारोह में मुझे शामिल होने का अवसर मिला।

विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने शहर में निकाली शौर्य यात्रा

एजेंसी

सोनीपत। विश्वहिंदू परिषद व बजरंग दल ने शहर में शौर्य यात्रा निकाल कर हिंदुओं से एकजुट होने का आह्वान किया। 1008 स्वामी दयानंद सरस्वती के नेतृत्व में रेलवे रोड़ पर नई अनाजमंडी में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ता एकत्रित हुए। गन्नौर बजरंग दल संयोजक धर्मवीर शर्मा, मंत्री सुरेंद्र खुराना व विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं ने कहा कि बाबरी ढांचा विध्वंस के उपलक्ष्य में हर वर्ष शौर्य प्रदर्शन यात्रा निकाली जाती है। यात्रा का शुभारंभ 1008 स्वामी दयानंद सरस्वती ने किया। हरियाणा प्रांत बजरंग दल विद्यार्थी संयोजक ललित भिवानी मुख्यातिथि रहे। स्वामी दयानंद सरस्वती ने भारत सरकार से आग्रह किया कि वो बांग्लादेश सरकार को सख्त संदेश दे। उन्होंने कहा कि सरकार समय रहते मथुरा व काशी में मंदिर का भव्य निर्माण करवाएं अन्यथा जिस प्रकार बाबरी ढांचे को साफ किया था उसी प्रकार बजरंग दल मथुरा में भी कार सेवा करेगा। जिलामंत्री नरेंद पाल शर्मा ने हिंदू समाज को एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जाती में न बट कर एक है तो सेफ का नारा दिया। यात्रा से पूर्व

हल्का विधायक देवेंद्र कादयान ने स्वामी दयानंद सरस्वती का माला पहना कर स्वागत किया। इस अवसर पर रोहतक विभाग मंत्री सुभाष गुप्ता, जिला सह मंत्री रवि कुमार, जिला उपाध्यक्ष तेजपाल भार्गव, नगरपालिका अध्यक्ष अरुण त्यागी, जिला पार्षद नरेंद्र, योगेश कौशिक, डा. निहारिका, पिंकी कौशिक, गायत्री जांगड़ा, नीतू, विनोद, रोहतास शर्मा आदि मौजूद रहे।

हरियाणा का छोरा बना ऑस्ट्रेलिया में डॉक्टर, बाबू लगातार दो योजना से है काउंसलर

एजेंसी

हिसार। कौन कहता है आसमां में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों, यहीं चरितार्थ कर दिखाया है ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड शहर में रह रहे जीन्द ज़िले के गांव जाजवानवाला निवासी सुरेंद्र चहल और उनके बेटे निशान चहल ने। साउथ ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो बार काउंसलर का चुनाव जीतने वाले पहले भारतीय सुरेंद्र चहल के बड़े बेटे निशान चहल ने लगातार छह साल फ़्लिंडर्स विश्वविध्दालय से उच्च विशिष्टता के साथ Bachelor of Clinical Sciences and Doctor of Medicine कि डिग्री हासिल की है। इस दौरान निशान को लगातार छह साल छात्रवृति प्राप्त हुई यानी उसकी कुल फ़ीस का 90 प्रतिशत माफ़ हुआ जो तक़रीबन दो करोड़ रुपये फ़ीस बनती है। निशान को डिग्री मिलने से एक महीना पहले ही साउथ ऑस्ट्रेलिया स्वास्थ्य विभाग द्वारा फ़्लिंडर्स पब्लिक हॉस्पिटल में बतौर डॉक्टर जॉब का नियुक्ति पत्र मिल चुका है, जहां वो बतौर डॉक्टर 6 जनवरी से कार्य प्रारंभ करेगा। निशान ने अपनी ज़्यादातर प्लेसमेंट इसी हॉस्पिटल से कम्प्लीट कि है। इसके साथ ही सिटी ऑफ़ वेस्ट टोरेंस मेधावी छात्रों को दी जाने वाली MAX AND BETTE MENDELSON FOUNDATION द्वारा Mendelson Scholar के ख़िताब

से लगातार चार साल नवाज़ा गया जिसमें उसको हर साल चार हज़ार डॉलर (तक़रीबन 10 लाख रुपये) और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। ऑस्ट्रेलिया में रह रहे 10 लाख से अधिक भारतीयों में सुरेंद्र चहल का परिवार (धर्मपत्नी नीलम चहल, बेटे डॉ. निशान चहल और छोटा बेटा समर्थ चहल) पहला भारतीय परिवार है जिसमें बाबू-बेटा काउंसलर और डॉक्टर हैं। ऑस्ट्रेलिया में सबसे होनहार ज़्यादातर बच्चों का सबसे बड़ा सपना डॉक्टर बनना होता है और इसी कोर्स में सबसे ज़्यादा मैरिट 99 प्रतिशत) वालों का ही दाख़िला संभव है। ठीक उसी तरह जिस तरह भारत में हर बच्चे का सबसे बड़ा सपना आईएएस बनना होता है। पिछले छह साल में निशान चहल भारतीय समुदाय के साथ-साथ दूसरे समुदायों के 500 से अधिक बच्चों कि निःशुल्क सेमिनारों एवं व्यक्तिगत तौर पर सब्जेक्ट काउंसिलिंग में मदद कर चुका है जिसमें बहुत से बच्चों को विषय चुनने में कोई दिक़्क़त नहीं आई और आज तक बहुत सारे बच्चे उसके परामर्श से लाभान्वित हो चुके हैं।चहल ने इस उपलब्धि के लिए जी-तोड़ मेहनत, ईमानदारी, परिवार का आपसी तालमेल और अपने लक्ष्य पर अड़िग रहना बताया। चहल की इस उपलब्धि पर सिटी ऑफ़ वेस्ट टॉरेंस के मेयर माइकल कॉक्सन, काउंसिलर जॉर्ज डेमेट्रीयो, काउंसिलर लाना गैलोनेजी, एडिलेड से सांसद स्टीव जीओरजानास, रसेल वॉर्टली मेम्बर लेजिस्लेटिव काउंसिल, रिटाइर्ड राज्य सभा सदस्य लेफ़्टिनेंट जरनल रिटायर्ड डॉ डीपी वत्स, आयुक्त जगदीप सिंह, जयवंती शयोकंद के साथ-साथ बहुत सारे गणमान्य हस्तियों ने शुभकामनाएं दी।

बिजली निगम की स्मार्ट मीटर योजना के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे किसान

एजेंसी

हिसार। किसान सभा ने सरकार की स्मार्ट मीटर योजना के खिलाफ आंदोलन का ऐलान किया है। इसके तहत कई जिलों के किसान 18 दिसंबर को दक्षिण हरियाणा बिजली निगम के प्रबंध निदेशक कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करेंगे।इस संबंध में किसान सभा की बैठक जिला प्रधान शमशेर सिंह नंबरदार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में किसानों व मजदूरों के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की गई। जिला प्रधान शमशेर सिंह नंबरदार ने कहा कि प्रदेश का किसान व मजदूर सरकार की नीतियों के कारण अत्यंत परेशान है। उन्होंने कहा कि सरकार स्मार्ट मीटर की योजना लेकर आई है, उसका 18 दिसंबर को दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम कार्यालय, विद्युत नगर के सामने रोष प्रदर्शन किया जाएगा व एमडी को ज्ञापन दिया जाएगा। इसकी तैयारी के लिए किसान सभा गांव-गांव जाकर प्रचार व प्रचार करेगी। प्रदर्शन में हिसार के अलावा सिरसा, जींद, भिवानी आदि के किसान भी शामिल होंगे। किसान नेता ने कहा कि किसानों के खिलाफ सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने जो बयान दिया है, वह अशोभनीय है तथा वो भाजपा व आरएसएस की मानसिकता का परिचायक है। किसानों की बैठक में सांसद के बयान की कड़ी निंदा की गई। उन्होंने कहा कि रामचंद्र जांगड़ा को देश के किसानों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने किसान नेता डल्लेवाल के आमरण अनशन पर बोलते हुए कहा कि सरकार को किसानों की बात को सुनना चाहिए। अगर उनकी समस्याओं को नहीं सुना गया तो किसान यहीं पर रुकने वाला नहीं है और भविष्य में बड़ा आंदोलन करने पर मजबूर होगा जिसका खामियाजा शासन और प्रशासन को भुगतना होगा। उन्होंने कहा कि नोएडा उत्तर प्रदेश का किसान अपने हकों के लिए लड़ाई लड़ रहा है और सरकार को उनकी जायज मांगों का तुरंत प्रभाव से निराकरण करना चाहिए। किसानों की बैठक में राम पूनिया, सतपाल शर्मा, सुबेर कश्यप, राजवीर, बिजेंद्र, ऋषिकेश, सुरेश, नीरज पूनिया, बलवान, विजेंद्र, हितेष, वजीर पूनिया आदि उपस्थित रहे।

तो 2023 में ही मथियास बो की दुल्हनिया बन गई थीं

तापसी पन्नू

एक साल तक क्यों छिपाया शादी का सच?

हिंदी सिनेमा की दुनिया में तापसी पन्नू एक बेहतरीन अदाकारा हैं. उन्होंने कई बड़े-बड़े स्टार्स के साथ फिल्मों में काम किया है और एक्ट्रेस की फिल्में हिट रही हैं. हाल ही में तापसी पन्नू ने अपनी शादी को लेकर खुलासा किया है. एक्ट्रेस ने बताया है कि उनकी शादी साल 2024 में नहीं बल्कि 2023 में हो गई थी.

आज तक के साथ बातचीत के वक्त तापसी पन्नू ने और भी कई मुद्दों पर बात की. इस दौरान उन्होंने अपनी शादी पर भी बड़ा खुसासा किया. उन्होंने कहा कहा, हमारी अरेंज मैरिज नहीं थी, लव मैरिज थी. असल में लोगों को कुछ भी इसलिए नहीं पता चला, क्योंकि मैंने प्रेस रिलीज नहीं दिया था और मेरी इस साल नहीं पिछले साल शादी हो गई थी. अब बहुत जल्द एक साल होने को हैं, हमने पिछले साल दिसंबर में पेपर्स साइन कर लिए थे. ये बात अगर शायद आज मैं नहीं बोलती तो पता भी नहीं चलता. हमने ये चाहा था कि हमारी जो पर्सनल लाइफ है, वो पर्सनल ही रहे.

तापसी ने क्यों नहीं किया शादी का खुलासा

तापसी ने कहा, हम अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को अलग-अ ल ग ही रखना चाहते थे. क्योंकि मैंने देखा है, मेरे कुछ कलीग्स को कि जब पर्सनल लाइफ कुछ ज्यादा ही एक्सपोज हो जाती है तो उनकी निजी और प्रोफेशनल लाइफ दोनों पर असर होने लग जाता है. आपकी पर्सनल लाइफ के हाई या लो का क्रेडिट आपके पर्सनल लाइफ में दिखने लगता है, और आपकी पर्सनल लाइफ पर असर होने लग जाता है. तो मुझे इसके बीच एक सॉलिड लाइन बनाकर रखनी थी कि मेरी पर्सनल लाइफ हमेशा पर्सनल रहे और प्रोफेशनल लाइफ प्रोफेशनल रहेगी.

ट्रेडिशनल तरीके से हुई थी शादी

तापसी पन्नू ने मथियास बो के साथ इस साल 23 मार्च को उदयपुर में शादी की थी. ये एक ट्रेडिशनल सेरेमनी थी. दोनों की शादी में केवल परिवार के लोग और कुछ बहुत खास दोस्त शामिल हुए थे. तापसी पन्नू और मथियास की शादी में अनुराग कश्यप, पल्लवी गुलाटी और कनिका ढिल्लों समेत उनके कुछ सेलिब्रिटी दोस्त शामिल हुए थे. तापसी पन्नू और मथियास बो ने 2013 से डेट करना शुरू कर दिया था और दोनों को साथ में 11 साल हो चुके हैं. वो एक-दूसरे के साथ हैं और बहुत खुश हैं.

जब डायरेक्टर ने चुपके से इस सुपरस्टार संग फिल्मा दिया श्रीदेवी का किसिंग सीन, मच गया था बवाल

बॉलीवुड में कई किस्से कहानियां चलते रहते हैं. कई बार पर्दे के सामने जो दिखाई देता है, पर्दे के पीछे चीजें उससे काफी ज्यादा अलग होती हैं. पर्दे के पीछे ऐसे कई किस्से होते हैं, जो जल्दी सामने नहीं आते हैं, लेकिन जब सामने आती हैं तो सब दंग रह जाते हैं. एक ऐसा ही किस्सा है श्रीदेवी और मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म 'गुरु' का. 'गुरु' फिल्म की शूटिंग के दौरान कुछ ऐसा हुआ था कि श्रीदेवी फिल्म के निर्देशक उमेश मेहरा पर भड़क गई थीं. उन्होंने निर्देशक को खूब खरी-खोटी सुनाई थी.श्रीदेवी उन दिनों एक से बढ़कर एक फिल्में दे रही थीं, लेकिन फिल्म करने से पहले निर्देशकों के साथ उनकी साफ-साफ नो किसिंग पॉलिसी हुआ करती थी. कहते हैं कि श्रीदेवी को फिल्मों में को-स्टार के साथ किसिंग सीन देना पसंद नहीं था. न तो वो खुद ऐसा करती थीं और न ही बॉडी डबल के सहारे ये सीन शूट के लिए राजी होती थीं.

जब खूब हुए मिथुन और श्रीदेवी के प्यार के चर्चे

उस समय श्रीदेवी और मिथुन चक्रवर्ती के अफेयर के चर्चे फिल्मी गलियारों में खूब थे. हर निर्माता-निर्देशक चाहता था कि वो दोनों को एकसाथ अपनी फिल्म में लें और मूवी हिट हो जाए. निर्देशक उमेश मेहरा ने श्रीदेवी और मिथुन चक्रवर्ती के साथ 'गुरु' फिल्म साइन की. श्रीदेवी ने साफ तौर पर कह दिया था कि फिल्म में कोई किसिंग सीन शामिल नहीं किया जाएगा. लीगल कॉन्ट्रैक्ट साइन हुआ और फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई.

किसिंग सीन देख खूब हुआ हंगामा

जब गुरु की शूटिंग लगभग 90% हो गई तो फिल्म की स्क्रिप्ट में एक किसिंग सीन जोड़ दिया गया जो कि श्रीदेवी की बॉडी डबल ने शूट किया था. जब ये सबके सामने आया तो श्रीदेवी बहुत भड़क गई थीं. श्रीदेवी ने 1992 में फिल्मफेयर को एक इंटरव्यू दिया था. उस वक्त उन्होंने ये किस्सा सुनाया था. श्रीदेवी ने कहा था, मैंने गुरु में किसिंग सीन करने से मना कर दिया था, लेकिन डायरेक्टर ने मुझसे बिना बताए फिल्म में किसिंग सीन शूट करवा दिया और उसे मेरी बॉडी डबल ने किया था.

रितेश देशमुख बॉक्स ऑफिस पर छाने को तैयार, हाथ में हैं तीन बड़ी फिल्में

बॉलीवुड एक्टर रितेश देशमुख को लास्ट टाइम फिल्म ककुड़ा में देखा गया था, जो ओटीटी पर रिलीज हुई थी. उस हॉरर-कॉमेडी फिल्म के बाद से रितेश किसी हिंदी फिल्म में नजर नहीं आए हैं. फैंस जानना चाहते थे कि आखिर आजकल रितेश देशमुख हैं कहां? हाल ही में एक इंटरव्यू में रितेश देशमुख ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में बताया है.इस 17 दिसंबर को रितेश अपना 45वां बर्थडे मनाएंगे. अभी तक रितेश हिंदी और मराठी सिनेमा के लिए ढेरों फिल्में कर चुके हैं और रितेश का फिल्मी करियर सफल रहा है. अगर बात रितेश की आने वाली फिल्मों की करें तो उनकी तीन बड़ी रोमांटिक-कॉमेडी फिल्में आने वाली हैं.

रितेश देशमुख की आने वाली फिल्में

इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में जब रितेश से सवाल पूछा गया कि उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स क्या-क्या हैं? इसपर रितेश कहते हैं, 'मेरे पास तीन बड़े प्रोजेक्ट्स हैं. मैं मस्ती 4, धमाल 4 और हाउसफुल 5 कर रहा हूं. मैं अपने को-एक्टर्स और डायरेक्टर्स के साथ रीयूनियन के लिए बहुत एक्साइटेड हूं.' इनमें से फिल्म हाउसफुल 5 तो 6 जून 2025 को रिलीज हो रही है, जिसमें रितेश देशमुख के साथ अक्षय कुमार, फरदीन खान, अभिषेक बच्चन जैसे कलाकार नजर आएंगे.

वहीं 'मस्ती' के चौथे पार्ट का ऐलान कर दिया गया है. 'धमाल' के चौथे पार्ट का 2025 में ऐलान हो सकता है. मस्ती और धमाल 2026 में आ सकती हैं. रितेश देशमुख इन फिल्मों के लीड एक्टर्स में से एक हैं. इन दोनों फिल्मों के पिछले पार्ट्स भी कमाल के थे और अब फैंस को इन फिल्मों का भी इंतजार है.

रितेश देशमुख सोच-समझकर करते हैं फिल्में

रितेश देशमुख ने बताया है कि अब फिल्मों को सिलेक्ट करने से पहले वो काफी विचार करते हैं. रितेश ने इस बारे में कहा, 'समय के साथ, मेरी फिल्मों को सिलेक्ट करने का नजरिया बदला है. आज मैं उन लोगों के साथ काम करना चाहता हूं, जिनका मैं बहुत सम्मान करता हूं और जिन्होंने मुझे उस दौर में पहचाना जब मैं नया था.अब मैं उन सितारों में शामिल हूं जो अपनी पसंद की ही फिल्में करते हैं वरना मना भी कर सकते हैं.'

Allu Arjun को देख भर आईं पत्नी

स्नेहा रेड्डी

की आंखें, पति को Kiss कर लगाया गले, बेटा भी हुआ इमोशनल

शुक्रवार को अल्लू अर्जुन के ऊपर गाज गिर गई। 4 दिसंबर को पुष्पा 2 के प्रीमियर के दौरान संध्या थिएटर में एक महिला की मौत के मामले में अभिनेता को गिरफ्तार कर लिया गया। शुक्रवार को अभिनेता को घर से गिरफ्तार किया गया।

इस दौरान उनकी पत्नी स्नेहा रेड्डी टूट गई थीं।अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के बाद ही उन्हें जेल भेज दिया गया और फिर तुरंत उन्हें अंतरिम बेल भी मिल गई। मगर इसके बावजूद उन्हें एक रात जेल में बितानी पड़ी, जिसके चलते उनकी पत्नी स्नेहा पर क्या बीती है, यह उनके लेटेस्ट वीडियो से साफ जाहिर हो रहा है।

पति को देख भावुक हुईं स्नेहा रेड्डी

अल्लू अर्जुन की रिहाई के बाद एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। क्लिप में स्नेहा रेड्डी अपने पति को देखते ही इमोशनल हो जाती हैं। वह पहले अपने पति को गाल पर किस करती हैं और उन्हें जोर से गले लगा लेती हैं। स्नेहा की आंखों में आंसू साफ दिखाई दे रहा है। वह अपने को गले लगकर अपने इमोशन को छुपाने की कोशिश कर रही हैं।

इस दौरान अल्लू अर्जुन भी अपनी पत्नी का हौसला बढ़ाते हुए दिख रहे हैं। वीडियो में एक्टर का बेटा भी दिख रहा है। बेटे ने अपनी मां और पिता को गले लगाया। यह इमोशनल वीडियो सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रहा है।

गिरफ्तारी पर बोले अल्लू अर्जुन

शनिवार को जेल से रिहा हुए अल्लू अर्जुन ने पहली बार अपनी गिरफ्तारी पर चुप्पी तोड़ी है और पीड़िता के परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, मैं एक बार फिर परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। जो कुछ हुआ उसके लिए हमें खेद है। एक्टर ने फैंस को भरोसा दिलाया कि अब चिंता की कोई बात नहीं है और साथ ही समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद किया है।

बात करें वर्क फ्रंट की तो इन दिनों अल्लू अर्जुन एक्शन थ्रिलर तेलुगु फिल्म पुष्पा 2 (**Pushpa** 2) में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म ने दुनियाभर में 1100 करोड़ के पार कारोबार किया है।

रॉंची और दिल्ली के साथ–साथ
अब
रायपुर (छत्तीसगढ़)
से
प्रकाशित
आदिवासी एक्सप्रेस
आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अख़बार

सत्य और निष्पक्ष समाचारों के लिए पढ़ें !

सम्पर्क सूत्र :–

aadivasiexpress@gmail.com
birsatimes@gmail.com
8084674042
6202611859
8084674042